खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 09 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-158

बांग्लादेश में सत्ता पलट की साजिश में शामिल था संयुक्त राष्ट्र

सेना को कट्टरपंथियों पर एक्शन लेने से UN ने रोका

सूफी यायावर

बांग्लादेश को अस्थिर करने में अमेरिकी डीप स्टेट के साथ साजिशों में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल था। बांग्लादेश में कट्टरपंथी हिंसा फैलाकर अराजकता का माहौल बनाने वाले कट्टरपंथियों पर एक्शन लेने से संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश सेना को रोक दिया था। सत्ता विद्रोह के समय मोहम्मद यूनुस फ्रांस में बैठ कर सूत्रधारी कर रहा था। यूनुस के कहने पर ही संयुक्त राष्ट्र ने अधिकारी भेज कर फर्जी रिपोर्ट तैयार कराई, जिसे आधार बना कर यूनुस अपनी रोटियां सेंक रहा है। यूनुस ने संयुक्त राष्ट्र की स्टेटस रिपोर्ट का एक हिस्सा दबा दिया है, उसे सार्वजनिक नहीं होने दे रहा। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने में भी संयुक्त राष्ट्र का हाथ पाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र म्यांमार के अराकान राज्य में तथाकथित मानवीय गलियारे की स्थापना के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ रहा है। इसका असली उद्देश्य सैन्य कब्जा जमाना और बांग्लादेश को अमेरिका का डीप स्टेट छद्म युद्धों के लिए नवीनतम युद्धक्षेत्र में बदलना है। अमेरिकी कुचक्र का यह कदम न केवल क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है, बल्कि बांग्लादेश की संप्रभुता के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। यह बात बांग्लादेशियों को समझ में ही नहीं आ रही है कि संयुक्त राष्ट्र इतनी बेशर्मी से बेशर्म गद्दार मोहम्मद यूनुस और उसके इस्लामिस्ट-जेहादी गुट को अनुचित समर्थन क्यों दे रहा है।

यूनुस के साथ हाल ही में हुई एक बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्विन लुईस ने बांग्लादेश की सुधार और परिवर्तन प्रक्रिया के साथ संयुक्त राष्ट्र की अटूट एकजुटता व्यक्त की। लुईस ने बांग्लादेश के सतत विकास और समृद्धि की ओर बढ़ने के मार्ग का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पूरा जोर दिया। आश्चर्यजनक बात यह है कि लुईस ने यूनुस शासन द्वारा हाल ही में अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध का भी समर्थन किया

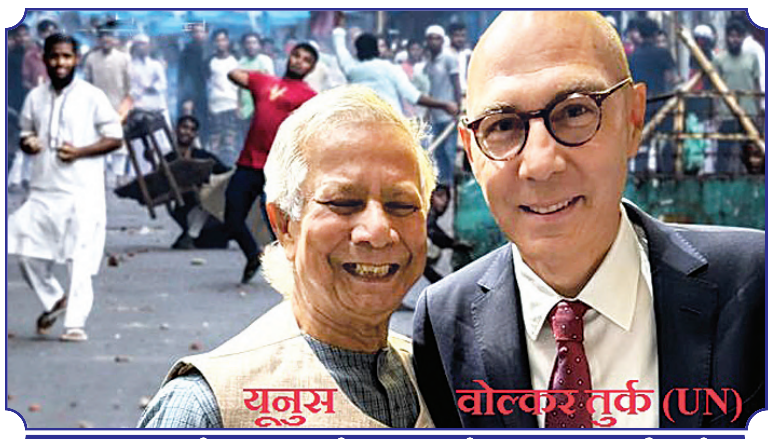

यूनुस के कहने पर वोल्कर तुर्क ने बनवाई थी फर्जी रिपोर्ट

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर लगे बैन में भी हाथ

और बड़ी बेशर्मी से कहा कि 120 मिलियन पंजीकृत मतदाताओं में से 45 मिलियन से अधिक के विशाल समर्थन आधार के बावजूद आवामी लीग के बगैर भी बांग्लादेश में समावेशी चुनाव हो सकते हैं। यह बांग्लादेश में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थानों की कीमत पर यूनुस और उसके इस्लामिस्ट-जेहादी सहयोगियों की सत्ता में अवैध रूप से पैठ बनाने में संयुक्त राष्ट्र की इच्छा और मदद का ठोस प्रमाण है।

यह ध्यान देने योग्य है कि कुछ सप्ताह पहले ही संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पिछले वर्ष के जेहादी तख्तापलट में संयुक्त राष्ट्र की संलिप्तता के बारे में सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करके लोगों को चौंका दिया था। इस तख्तापलट और यूनुस के सत्ता पर टपकने के बाद ही बांग्लादेश अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस), हिज्ब-उत-तहरीर और लश्कर-ए-तैयबा जैसे तमाम आतंकी और कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के हाथों में चला गया। बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में तुर्क ने स्वीकार किया था कि संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हस्तक्षेप करने से सक्रिय रूप से रोका था। तुर्क ने कहा था कि सरकार विरोधी प्रदर्शन वास्तव में चरमपंथी समूहों द्वारा आयोजित किए गए थे। उनके बयानों से पता चलता है कि संयुक्त राष्ट्र ने न केवल जेहादी तख्तापलट को प्रशस्त किया, बल्कि 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। अब मोहम्मद यूनुस और जॉर्ज सोरोस जैसे विवादास्पद व्यक्तियों के साथ तुर्क के गहरे संबंधों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह भी प्रमाणित हो गया है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख मानवाधिकार अधिकारी बांग्लादेश की अस्थिरता में शामिल थे।

5 मार्च 2025 को बीबीसी के हार्ड-टॉक पर संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी तुर्क से गाजा, सूडान और यूक्रेन में संघर्षों को संभालने में संयुक्त राष्ट्र की विफलताओं के बारे में भी पूछा गया था। लेकिन उन्होंने बांग्लादेश की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था, मैं आपको पिछले साल के बांग्लादेश का उदाहरण दे रहा हूं।

▶10 पर

इंडियन एक्सप्रेस ने छापा राहुल गांधी का झूठा लेख

चुनाव को लेकर राहुल के सभी दावे झूठे निकले

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के सांसद और प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर देश के लोकतंत्र को लेकर अपना राष्ट्र-विरोधी एजेंडा फैलाने की कोशिश की है। उन्होंने एक लेख लिख कर चुनावों में गड़बड़ी के वही पुराने दावे दोहराए, जिनका दर्जनों बार जवाब दिया जा चुका है। इसमें राहुल गांधी ने कई तथ्यों के साथ छेड़छाड़ भी की है। इंडियन एक्सप्रेस अखबार ने 7 जून को राहुल गांधी का झूठा लेख प्रकाशित किया। इस लेख में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर जो भी दावे किए हैं, वे सभी तथ्यगत रूप से झूठे पाए गए हैं। इस लेख को लेकर यही कहा जा रहा है कि राहुल गांधी अब अपने दिमागी दिवालिएपन की हदें पार कर रहे हैं। अपनी आदत के मुताबिक राहुल ने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली की बात कही और चुनाव आयोग का भाजपा के साथ मिलीभगत

वर्ष/चुनाव	लोकसभा	विधानसभा	अंतर	प्रतिशत (%)
2024	9,30,61,760	9,70,25119	39,63,359	4.26%
2019	8,86,76,946	8,98,38267	11,61,321	1.31%
2014	8,071,72,83	8,35,28310	28,11,027	3.48%
2009	7,29,54,058	7,59,68312	30,14,254	4.13%
2004	6,30,12,208	6,59,65792	29,53,584	4.69%

दिमागी दिवालिएपन की हदें पार करते जा रहे राहुल गांधी

कहने या लिखने के पहले तथ्यों की पड़ताल भी नहीं करते

बताया। राहुल गांधी अपने ही देश के स्वतंत्र निकायों पर लगातार अपमानजनक और बेबुनियाद सवाल खड़े करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

इस लेख का शीर्षक मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र रखा गया है। राहुल गांधी ने लेख की शुरुआत में ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे को हताश करने वाला और गैर-आधिकारिक स्रोत पर आधारित बताया। उन्होंने अपने इस लेख में जिन-जिन बिंदुओं को आधार बनाया है वास्तव में तथ्यहीन और मनगढ़ंत हैं। द इंडियन एक्सप्रेस ने राहुल गांधी के इस अनर्गल प्रलाप को 5 चरणों में विस्तार से प्रकाशित किया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर फैलाया भ्रम: लेख के पहले चरण में राहुल ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि खेल के शीर्ष प्रतियोगियों ने ही अपना अंपायर चुन लिया। ▶10 पर

राहुल गांधी का असत्य बनाम चुनाव आयोग का तथ्य

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में धांधली के आरोपों को चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने एक बार फिर राहुल गांधी के असत्य के जवाब में तथ्य प्रस्तुत किया है। हालांकि चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि लेख लिख कर विद्रूपता फैलाने के बजाय राहुल गांधी चुनाव आयोग से सीधे पूछ सकते थे। चुनाव आयोग ने संपर्क अभियान के तहत सभी छह राष्ट्रीय दलों से अलग-अलग बातचीत के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। पांच दलों ने आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की, लेकिन कांग्रेस ने 15 मई की बैठक रद्द कर दी थी। ताकि वह कीचड़ फैलाने के लिए स्वतंत्र रहे। ▶10 पर

भारत के इस्लामी कट्टरपंथियों की मक्कारी उजागर

फिलिस्तीन हमास से प्रेम पर टाटा से नफरत!

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। भारत के इस्लामी कट्टरपंथियों की मक्कारियां उजागर हो रही हैं। ये तत्व फिलिस्तीन और हमास से मोहब्बत का इजहार करते हैं, लेकिन टाटा जैसे देशभक्त औद्योगिक समूह के प्रति नफरत फैलाते हैं। कुछ खास तत्वों द्वारा देश में चलाए जा रहे टाटा के बहिष्कार अभियान में जमाते इस्लामी का सीधा हाथ और अन्य राष्ट्र विरोधी शक्तियों का परोक्ष हाथ पाया गया है। यह जमात फिलिस्तीन पर रुदालियां करती है, लेकिन पहलगाम में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने पर शातिराना चुप्पी साधे रहती है।

टाटा के बहिष्कार अभियान में जमाते इस्लामी का हाथ

इस्लामी कट्टरपंथी टाटा समूह के इजराइल के साथ व्यापारिक संबंधों का विरोध कर रहे हैं। वह टाटा समूह के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से टाटा समूह के खिलाफ देशभर में इस्लामी कट्टरपंथी प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका नेतृत्व इंडियन पीपुल इन सॉलिडेरिटी विद फिलिस्तीन (आईपीएसपी) नामका एक संगठन कर रहा है। यह विरोध प्रदर्शन हमास और फिलिस्तीन समर्थक कई इस्लामी संगठनों द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रदर्शनकारी टाटा समूह के इजराइल के साथ कथित व्यापारिक संबंधों का विरोध कर रहे हैं। वह टाटा समूह के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। ये आंदोलन पूरे देश में अलग-अलग जगह किए जा रहे हैं और इनका उद्देश्य फिलिस्तीन का समर्थन है। ऐसा ही एक प्रदर्शन केरल के कालीकट में 28 मई 2025 को जमात-ए-इस्लामी हिंद की छात्र शाखा, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) ने टाटा के स्वामित्व वाले फैशन ब्रांड ज़ूडियो के आउटलेट के बाहर किया। यहां इन प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में तख्तियां उठाईं, नारे लगाए और काफ़िया पहनकर ईद से पहले टाटा उत्पादों के बहिष्कार की अपील की।

आईपीएसपी और एसआईओ ने दिल्ली, पुणे, मुंबई, पटना, विशाखापट्टनम, चंडीगढ़, रोहतक और विजयवाड़ा में टाटा समूह के स्वामित्व वाले ब्रांडों के स्टोर्स के बाहर सामूहिक विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य टाटा के इजराइल से संबंधों के विरोध में आवाज उठाना था। इसके अलावा फिलिस्तीन के समर्थन में इन उत्पादों का बहिष्कार करना भी था। ▶10 पर

लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान की घोषणा

बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

ताकि एनडीए को और मजबूती हासिल हो सके

भोजपुर, 08 जून (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह लड़ाई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मजबूत करने के उद्देश्य से लड़ी जाएगी। भोजपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते ▶10 पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने तेज किए विरोध के स्वर

वनवासी महिलाओं से मुस्लिमों की छेड़खानी असह्य

रांची, 08 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। एक घटना का हवाला देते हुए मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में जनजातीय लड़कियों और महिलाओं के साथ मुस्लिम युवकों द्वारा खुलेआम अश्लील हरकतें और मारपीट की जा रही है, और शर्मनाक बात यह है कि राज्य की गूंगी-बहरी सोरेन सरकार इस पर कोई ठोस कार्रवाई करने के बजाय आंखें मूंदे हुई है। मरांडी ने कड़े शब्दों में कहा कि यह सिर्फ छेड़छाड़ नहीं, यह हमारी जनजातीय बेटियों के आत्मसम्मान पर सीधा हमला है। क्या सोरेन सरकार ने अपनी राजनीतिक तुष्टिकरण की भूख में इतनी मर्यादा खो दी है कि वह अपनी ही जनता, खासकर कमजोर जनजातीय महिलाओं को भेड़ियों के हवाले कर दे? बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि

नदी में नहाने वाली महिलाएं मुस्लिमों की गुंडागर्दी से आजिज

नेताओं के दबाव में अपराधियों को छूट दी जा रही है, जिससे राज्य में कानून का राज खत्म हो गया है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।बाबूलाल मरांडी के अनुसार, 4 जून 2025 को रामगढ़ के दामोदर नदी में नहाने गईं 6 नाबालिग जनजातीय लड़कियों और एक महिला के साथ कुछ मुस्लिम युवकों, जिसमें एक का नाम सरफरोज बताया, ने अश्लील हरकतें कीं और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। बाबूलाल मरांडी ने इसे हर दिन का आतंक बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की समस्या के कारण महिलाओं को नदी पर जाना पड़ता है, जहां उन्हें नियमित रूप से परेशान किया जाता है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि महिलाओं ने इस छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई, लेकिन पुलिस की तरफ से अपराधियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि हिरासत में लिए गए आरोपियों को मुस्लिम नेताओं के दबाव के कारण छोड़ दिया जाता है, जिसके बाद अपराधियों को ऐसे घिनौने काम करने के लिए छूट मिल जाती है।

▶10 पर

देश में कोरोना संक्रमण की बढ़ रही रफ्तार

सक्रिय केस 6000 पार, 24 घंटे में 6 की मौत

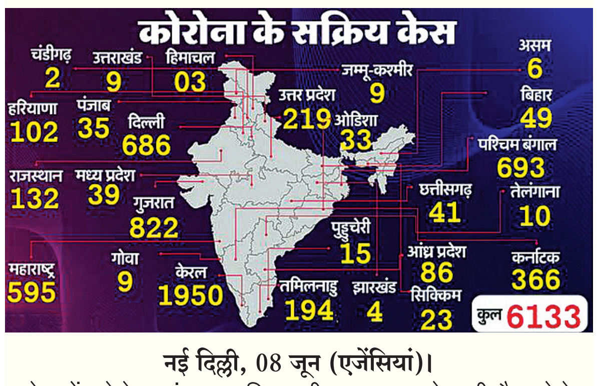

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

देश में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार डराने लगी है। कोरोना संक्रमण के सक्रिय केसों का आंकड़ा 6000 के पार पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में छह कोरोना संक्रमितों की मौत भी हुई है। केरल अब भी देश का सबसे प्रभावित राज्य बना हुआ है। यहां कोरोना के कुल 1950 केस हैं। बीते 24 घंटे में इसमें 144 का इजाफा देखा गया है। इसके बाद गुजरात में 822, दिल्ली में 686, महाराष्ट्र में 595, कर्नाटक में 366, उत्तर प्रदेश में 219, तमिलनाडु में 194, राजस्थान में 132 और हरियाणा में 102 कोरोना के ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

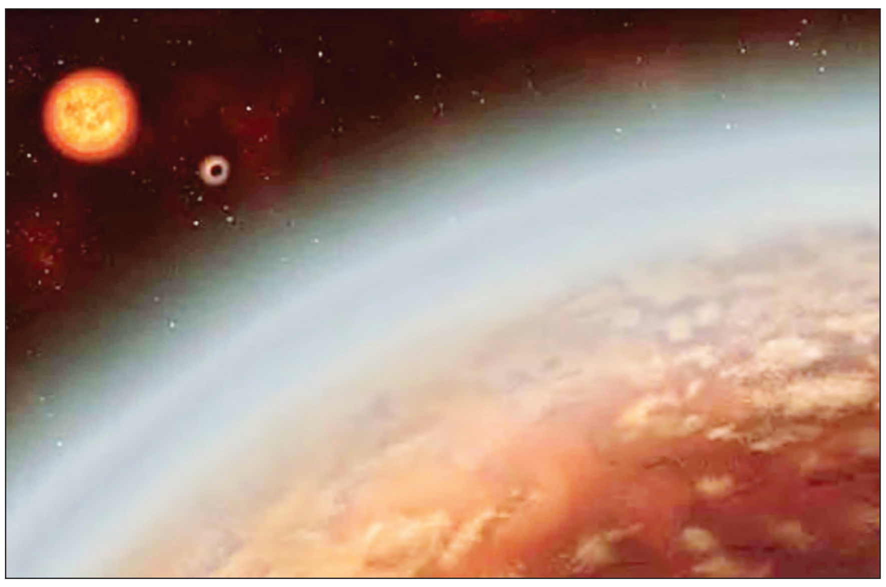

चीनी वैज्ञानिकों ने खोजा नया ग्रह जहां जीवन की संभावनाएं आई नजर

बीजिंग, 08 जून (एजेंसियां)।

क्या हम अकेले हैं यह सवाल विज्ञान, दर्शन और कल्पनाओं का केंद्र हमेशा से रहा है। अब चीनी वैज्ञानिकों ने इस रहस्य पर से पर्दा उठाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने 2400 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक ऐसा ग्रह खोजा है, जहां जीवन की संभावनाएं नजर आ रही हैं। इस ग्रह का नाम केप्लर-725सी है और इसे सुपर-अर्थ की श्रेणी में रखा है, यानी यह आकार में पृथ्वी से बड़ा है लेकिन गैस के ग्रहों जितना नहीं।

यह ग्रह पृथ्वी से 10 गुना भारी, तापमान न बहुत गर्म, न बहुत ठंडा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खोज अंतरिक्ष में जीवन की तलाश को एक नई दिशा दे सकती है और यह भी संभव है कि इस ग्रह पर एलियंस रहते हों। चीनी खगोलशास्त्रियों ने इस ग्रह की खोज ट्रांज़िट टाइमिंग वेरिएशन (टीटीवी) तकनीक से की है, जो ग्रहों की गति में सूक्ष्म बदलावों का विश्लेषण करके उनकी उपस्थिति की पुष्टि करता है।

केप्लर-725सी अपने तारे की परिक्रमा हर 207.5 दिन में पूरी करता है और यह अपने तारे के निवास योग्य क्षेत्र में मौजूद है यानी वहां तापमान जीवन के अनुकूल हो सकता है न बहुत गर्म, न बहुत ठंडा।

रिपोर्ट में वैज्ञानिकों के मुताबिक इस ग्रह पर पानी मौजूद होने की संभावना जताई गई है, साथ ही यहां भी कहा गया है यहां ठोस सतह भी हो सकती है, जो जीवन के लिए जरूरी है। यह ग्रह पृथ्वी से करीब 10 गुना भारी है और इसे 'हाइसियन ग्रह' भी माना जा रहा है, जिसमें विशाल महासागर और हाइड्रोजन से भरपूर वातावरण होने की संभावना है। ऐसा वातावरण कार्बन-आधारित जीवन को पनपने का मौका दे सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि टीटीवी जैसी उन्नत तकनीकों से अब ऐसे ग्रहों को खोजा जा सकता है, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से देखना मुश्किल था। इस खोज को 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' जर्नल में प्रकाशित किया है और इसे एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि यह पहली बार है जब किसी सूरज जैसे तारे के रहने योग्य क्षेत्र में टीटीवी विधि से किसी सुपर-अर्थ की पहचान की गई है लेकिन वैज्ञानिक अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। इस ग्रह पर जीवन की पुष्टि के लिए 'फाइव-सिग्मा' स्तर की जरूरत है, जिसका मतलब है कि और अधिक सटीक अवलोकन जरूरी हैं। इसके लिए जेम्स वेब टेलीस्कोप से अतिरिक्त समय तक अध्ययन करना होगा। इसके बावजूद यह खोज ब्रह्मांड में जीवन की संभावना को पहले से कहीं ज्यादा प्रबल बनाती है और यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम इस अनंत ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मौसम, समय और पर्यावरण के अनुसार बदलते हैं वायरस: शोध

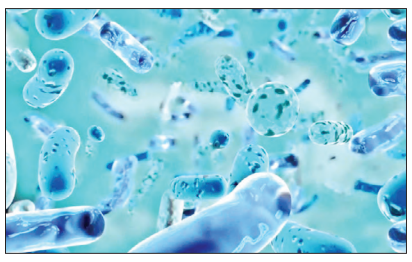

टेक्सास। वायरस समय, मौसम और पर्यावरणीय बदलावों के अनुसार खुद को एक निर्धारित पैटर्न में बदलते हैं। यह खुलासा हुआ है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास द्वारा किए गए एक अंतरराष्ट्रीय शोध में। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मेडिसन और टेक्सास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के सहयोग से किया गया। शोधकर्ताओं ने अमेरिका की झीलों से बीते 20 वर्षों में एकत्र किए गए 465 जल-नमूनों का विश्लेषण कर वायरस के व्यवहार को समझने की कोशिश की। इस रिसर्च में मेटाजेनोमिक्स तकनीक और मशीन लर्निंग की सहायता से 13 लाख वायरस जीनोम को पुनर्निर्मित किया गया, जिससे वायरस के क्रमिक विकास और मौसमी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई। यह पृथ्वी पर किसी प्राकृतिक परिवेश में वायरस पर किया गया सबसे लंबा और गहराई से अध्ययन है।

उत्तर ग्रीस में फिर महसूस किए गए भूकंप के झटके, माउंट एथोस क्षेत्र में दहशत का माहौल

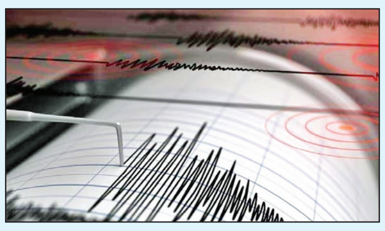

एथेंस। ग्रीस के उत्तरी हिस्से में स्थित माउंट एथोस के ग्रीक ऑर्थोडॉक्स धार्मिक क्षेत्र में शनिवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भय और अफरा-तफरी मच गई। यह झटका पिछले चार दिनों में दूसरी बार महसूस किया गया है। एथेंस के जियोडायनैमिक्स संस्थान के अनुसार, यह भूकंप समुद्र के नीचे 12.5 किलोमीटर (7.7 मील) की गहराई में आया। इसका केंद्र हल्किडीकी प्रायद्वीप में स्थित कारायेस के उत्तर-पश्चिम में था, जो माउंट एथोस की प्रशासनिक राजधानी है। भूकंप के झटके आसपास के कई क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी बड़ी क्षति या जनहानि की खबर नहीं है। माउंट एथोस के गवर्नर अल्किवियाडिस स्टेफनिस ने बताया कि सभी लोग सुरक्षित हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप के दौरान मठ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे एक व्यक्ति के गिरने से उसके हाथ में चोट आई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और एहतियातन सभी मठों और इमारतों की संरचनात्मक जांच भी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, क्षेत्र की भूकंपीय सक्रियता को देखते हुए भविष्य में और झटकों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

तुर्की में एक कोठी में मिली 5000 साल पहले दफन की गई एक जली हुई ब्रेड

अंकारा। कल्पना करे कि 5000 साल पहले तुर्की में किसी ने अपनी नई कोठी के नीचे एक जली हुई ब्रेड दफना दी, और आज वही ब्रेड दुनिया भर में छा गई है! तुर्की के एस्कीसेहिर शहर के पास कुल्लुओबा में पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान ये अनोखी ब्रेड मिली। पांच इंच की ये गोल, चपटी ब्रेड, जो पैनकेक जैसी दिखती है, 3300 ईसा पूर्व की है। मजे की बात ये है कि वैज्ञानिक इसकी रेसिपी को जान गए हैं, जिससे स्थानीय बेकरी में ऐसी रोटियां बन रही हैं कि लोग खरीदने को टूट पड़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पुरातत्वविद ने कहा, 'खुदाई में ब्रेड के सिर्फ टुकड़े मिलते हैं, लेकिन ये इसबार पूरी की पूरी जली ब्रेड है, जो जलने और दफन होने की वजह से सलामत रही। वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्रेड को किसी खास रस्म के लिए दफनाया होगा, शायद घर में खुशहाली लाने का जादू करने के लिए ऐसा किया गया हो। ब्रेड का एक टुकड़ा टूटा हुआ था, फिर वहां जली और घर के प्रवेशद्वार के नीचे दब गई। सितंबर 2024 में मिली ये ब्रेड अब एस्कीसेहिर पुरातत्व संग्रहालय में छा गई है। शहर की मेयर ने बताया, 'ये खोज दिल को छू गई। मैंने सोचा, क्यों न प्राचीन ब्रेड को फिर से जिंदा किया जाए' लैब में जांच से पता चला कि ब्रेड प्राचीन एम्मर गेहूं, मसूर और किसी अनजान पौधे की पत्तियों से बनी थी, जो खमीर का काम करती थीं। चूंकि एम्मर गेहूं अब तुर्की में नहीं मिलता, वैज्ञानिकों ने कविल्का गेहूं, बुलगुर और मसूर का इस्तेमाल करके रेसिपी तैयार की। फिर बेकरी ने कमर कसी और हर दिन 300 रोटियां बनानी शुरू कीं।

नेपाल के हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजने का खुलासा

काठमांडू, 08 मई (एजेंसियां)।

नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए पिछले चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजे जाने की बात जांच में सामने आई है। इनमें अधिकांश खालिस्तान समर्थक लोगों के होने की जानकारी मिली है। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक जिस मानव तस्करी मामले में अभी घिरे हैं और विपक्ष की तरफ से उन पर इस्तीफे का दबाव दिया जा रहा है उस मामले की जांच कर रहे केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस जांच से जुड़े एक वरिष्ठ जांच अधिकारी के मुताबिक हवाई अड्डे पर रहे इमिग्रेशन विभाग में मानव तस्करी का धंधा धड़ल्ले से चलाया जा रहा था और इसमें सिर्फ श्रमिक के रूप में विदेश जाने वाले लोग ही नहीं बल्कि संदिग्ध लोगों को भी भेजे जाने का खुलासा हुआ है। सीआईबी की तरफ से इस मामले की जांच को लेकर फिलहाल आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है लेकिन जांच अधिकारी ने कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। अधिकारी ने बताया कि इमिग्रेशन का रिकॉर्ड खंगालने पर पिछले चार महीने में 200 से अधिक ऐसे भारतीय नागरिकों को विदेश भेजा गया जिनके पास भारतीय दूतावास काअनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं था। जांच अधिकारी के मुताबिक जिन भारतीय नागरिकों को काठमांडू के एयरपोर्ट का प्रयोग कर अनाधिकृत रूप से विदेश भेजा गया उनमें लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े सदस्य से लेकर प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह से जुड़े लोगों के भी शामिल होने की रिकॉर्ड देखा गया है। उन्होंने कहा कि विदेश भेजे गए भारतीय नागरिकों में कुछ ऐसे भी नागरिक शामिल हैं जिनको लेकर भारतीय खुफिया विभाग की तरफ से बकायदा लिखित रूप से नेपाली सुरक्षा अधिकारियों को जानकारी दी गई थी।

किसी भी भारतीय नागरिकों को नेपाल के विमानस्थल से किसी तीसरे देश में जाने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता है। इसी तरह अगर भारत के तरफ से किसी भी व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाती है तो उसे भी रोकने का काम इमिग्रेशन का होता है पर इन दोनों की परवाह किए बिना नेपाल के एयरपोर्ट का दुरूपयोग किया गया है।

माइक्रोप्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए बन सकते हैं गंभीर खतरा

कैलिफोर्निया। छोटे-छोटे प्लास्टिक कण शरीर में जाकर ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं और लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में किए गए इस अध्ययन के नतीजों से यह चिंता और गहराई है कि हम जो भोजन करते हैं, उसमें छिपे प्लास्टिक के कण दीर्घकालिक रूप से हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अध्ययन के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक (5 मिमी से छोटे) और नैनोप्लास्टिक (100 नैनोमीटर से छोटे) अक्सर समुद्री भोजन, पैकेज्ड खाने और पीने के पानी के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। एक अनुमान के अनुसार, एक व्यक्ति हर साल लगभग 40,000 से 50,000 माइक्रोप्लास्टिक कणों का सेवन कर सकता है, जबकि कुछ अध्ययन इस संख्या को 10 लाख तक बताते हैं। इस शोध में शोधकर्ताओं ने 12 हफ्तों तक नर चूहों को पॉलीस्टाइरीन नामक प्लास्टिक के नैनोकणों की रोजाना खुराक दी। पॉलीस्टाइरीन एक सामान्य प्लास्टिक है जो खाने की पैकिंग और कई अन्य उत्पादों में प्रयुक्त होता है। चूहों को उनके शरीर के वजन के हिसाब से प्रतिदिन 60 मिलीग्राम नैनोप्लास्टिक दिया गया। यह मात्रा पिछले अध्ययनों में सेहत पर प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त मानी गई थी। शोध में पाया गया कि पॉलीस्टाइरीन नैनोप्लास्टिक के सेवन से चूहों के शरीर में ग्लूकोज को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई। साथ ही उनमें एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज (एएलटी) नामक एंजाइम का स्तर भी बढ़ा हुआ मिला, जो लिवर डैमेज का संकेत देता है। इसके अलावा नैनोप्लास्टिक के कारण उनकी आंतों की परत में लीकेज की समस्या पाई गई, जिससे शरीर में एंडोटॉक्सिन नामक हानिकारक तत्व की मात्रा बढ़ गई। यह तत्व रक्त में पहुंचकर लिवर को और अधिक कमजोर कर सकता है।

डेमोक्रेट्स की मदद करेंगे तो एलन मस्क को भुगतना पड़ेगा गंभीर परिणाम: ट्रंप

वाशिंगटन, 08 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच चल रहा तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि मस्क के साथ रिश्ते को सुधारने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने मस्क को गंभीर चेतावनी भी दे डाली। ट्रंप ने कहा कि अगर मस्क आगामी चुनावों में डेमोक्रेट्स की मदद करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में ट्रंप और मस्क के रिश्ते काफी ज्यादा खराब हो गए हैं। दोनों एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। यह सब तब हो रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दोनों बेहद करीबी थे। इतना ही नहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अपने पहले प्रशासन में उनकी जान बचाई, मेरा उनसे बात करने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने इस चर्चा के बीच चेतावनी भी जारी की कि मस्क 2026 के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक सांसदों और उम्मीदवारों का समर्थन कर सकते हैं। ट्रंप ने एनबीसी से कहाकि अगर वह ऐसा करते हैं, तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने कहाकि एलन मस्क प्रेसीडेंट ऑफिस के प्रति काफी अपमानजनक तरीके से पेश आ रहे हैं। उन्होंने कहाकि आप प्रेसीडेंट ऑफिस का अपमान नहीं कर सकते हैं। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में यह बातें कही हैं।

दौरान ट्रंप से खासतौर पर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ उनका रिश्ता खत्म हो गया है इसके जवाब में ट्रंप ने कहाकि हां, मुझे ऐसा लगता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाकि मैं अन्य कामों में बहुत व्यस्त हूं। आप जानते हैं, मैंने भारी मतों से चुनाव जीता है। मैंने उन्हें बहुत सारे मौके दिए, ऐसा होने से बहुत पहले, मैंने उन्हें अपने पहले प्रशासन में मौके दिए। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के खराब संबंधों की शुरुआत गुरुवार को हुई। असल में ट्रंप ने मस्क की आलोचना करते हुए कहा था कि वह इस टेक बिलिनेयर के प्रदर्शन से काफी ज्यादा असंतुष्ट हैं। जब से मस्क ने ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' की आलोचना की है, तभी से अमेरिकी राष्ट्रपति नाखुश हैं।

एलओसी पर पहुंचे आसिम मुनीर ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर

मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारी नुकसान के बाद भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर एलओसी पर पहुंचा और भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने हालिया संघर्ष में भारत को करारा जवाब दिया है और अपने जवानों की शहादत का पूरा बदला लिया है। उसने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के हमलों के जवाब में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया और सैनिकों की पीठ थपथपाई। सैनिकों की थपथपाई पीठ जनरल मुनीर ने इस दौरान एक बार फिर पाकिस्तान का कश्मीर वाला पुराना राग दोहराया और कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों का समर्थन जारी रखेगा। उन्सने इसे पाकिस्तान की मूल नीति बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीर मुद्दे को संवेदनशीलता से लेने की अपील की। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को शनिवार को लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) अग्रिम चौकियों पर देखा गया। मुनीर ने वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना के मीडिया के अनुसार, उसने ईद-उल-अजहा के मौके पर जवानों के साथ समय बिताया और उनका मनोबल बढ़ाया। जनरल मुनीर ने इस दौरान पाकिस्तानी सैनिकों की हौसला अफजाई की कोशिश की।

पाकिस्तान को फिर झटका-आतंकवाद से जुड़ी 4 कमेटियों में से सिर्फ एक की मिली अध्यक्षता

जिनेवा,08 जून (एजेंसियां)।

आतंक की फैक्ट्री चलाने के लिए बदनाम पाकिस्तान को दुनिया में कहीं कोई स्थान नहीं मिलता है। यूएनएससी में भी पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। आतंकवाद से जुड़ी 4 कमेटियों की अध्यक्षता मांग रहा था लेकिन मात्र एक कमेटी की अध्यक्षता उसे दी गई।

केवल 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता ही मिली है। इसके अलावा उसे 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी (सीटीसी) की सिर्फ उपाध्यक्षता दी गई है, जो पूरी तरह से औपचारिक पद है।

पाकिस्तान ने जिन चार समितियों की अध्यक्षता की मांग की थी उनमें 1267 प्रतिबंध समिति (जिसमें अल-कायदा और आईएसआईएस शामिल है), 1540 समिति (गैर-प्रसार संधि), 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति और 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी (सीटीसी)। हालांकि केवल 1988 समिति की अध्यक्षता ही पाकिस्तान को सौंपी गई। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की अनावश्यक और असंगत मांगों के कारण यूएनएससी में सहमति नहीं बन सकी, जिससे कमेटियों के पद आवंटन में लगभग पांच महीने की देरी हुई। यह प्रक्रिया जनवरी 2025 में पूरी होनी चाहिए थी। एक अधिकारी ने कहा, यूएनएससी के अन्य सदस्य पाकिस्तान के इस अड़ियल और अयोग्य रवैये से खुश नहीं थे। सूत्रों ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्य देश अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जानबूझकर इन कमेटियों की अध्यक्षता नहीं चाहते थे क्योंकि इन पदों की वास्तविक शक्ति सीमित होती है और निर्णय केवल सर्वसम्मति से ही लिए जा सकते हैं। पाकिस्तान के पास 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता और 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी की औपचारिक उपाध्यक्षता मिली है।

ट्रंप का बयान, यूक्रेन ने हमला कर पुतिन को हमला करने का मौका दिया

जिनेवा,08 जून (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब घातक होता जा रहा है। 6 जून की रात को रूस ने यूक्रेन पर एक बड़ा और जोरदार प्रहार किया। इस हमले में रूस ने 452 ड्रोन और 45 मिसाइलों का इस्तेमाल किया, इसमें राजधानी कीव, चेर्निहिव, लुत्स्क, ल्विव, सुमी, पोल्टावा और अन्य शहरों को निशाना बनाया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि हमले में 80 लोग घायल हुए और छह की जान गई है। जिसमें आपातकालीन कर्मचारी भी शामिल थे।

रूस के हमले से पहले यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया था। 6 जून की रात को यूक्रेन की सेना ने रूस के एंगेल्स और ड्यागिलेवो हवाई अड्डों को निशाना बनाया, जहां रूस के बमवर्षक विमान तैनात हैं। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के सैन्य संसाधनों को कमजोर करने के लिए ये हमले किए ताकि रूस के हवाई हमले रोके जा सकें।

वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने यूक्रेन के 174 ड्रोन नष्ट किए और यह हमला यूक्रेन की 'ऑपरेशन स्पाइडरवेब' कार्रवाई का जवाब था। ऑपरेशन स्पाइडरवेब में यूक्रेन ने रूस के चार सैन्य हवाई अड्डों पर हमला कर 41 विमानों को नुकसान पहुंचाया था, इसमें रूस के भारी बमवर्षक और दुर्लभ ए-50 जासूसी विमान शामिल थे। रूस ने कहा कि उसका हमला 'लक्ष्य हासिल करने' में सफल रहा, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि रूस ने नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के हमले को यूक्रेन के हमले का जवाब करार दिया। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन ने पुतिन को हमला करने का कारण दिया। मैंने कहा था कि ऐसा नहीं करना चाहिए, इस हमले को रोकना चाहिए। ट्रंप ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के सवाल पर कोई साफ जवाब नहीं दिया और कहा, 'मैं इन प्रतिबंध को तभी इस्तेमाल करूंगा जब जरूरी होगा। ट्रंप ने पहले भी कहा था कि वे शांति समझौते की उम्मीद में रूस पर तुरंत प्रतिबंध नहीं लगाना चाहते। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर रूस शांति वार्ता में देरी करता है, तब वह कड़े कदम उठा सकते हैं। वहीं यूक्रेन के एक वरिष्ठ अधिकारी पावलो पालिसा ने चेतावनी दी कि रूस का मकसद डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूरी तरह कब्जा कर यूक्रेन के काला सागर तक पहुंच को रोकना है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा का विमोचन किया

आरएसएस मेरा जीवन, मेरी आत्मा, मेरा सब कुछ है : बंडारू

हैदराबाद, 8 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा प्रजाल काठे ना आत्मकथा (लोगों की कहानी मेरी आत्मकथा है) का विमोचन किया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे दुर्लभ नेता हैं जिनका कोई दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

कोविंद ने कहा, मुझे लगता है कि दत्तात्रेय के जीवन के शब्दकोश में दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी जैसे कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने आपातकाल के दौरान दत्तात्रेय के योगदान की भी सराहना की, याद करते हुए कि कैसे उन्होंने साथी जेल कैदियों को आशावाद के साथ प्रेरित किया। कोविंद ने केंद्रीय श्रम मंत्री के रूप में दत्तात्रेय के कार्यकाल पर प्रकाश डाला, न्यूनतम मजदूरी, न्यूनतम पेंशन और बढ़ी हुई ग्रेच्युटी

जैसी प्रमुख पहलों का हवाला दिया, जो आज भी लाखों श्रमिकों को लाभान्वित कर रही हैं।

कार्यक्रम में बोलते हुए, बंडारू दत्तात्रेय ने अपनी यात्रा और विकास का श्रेय कई प्रमुख व्यक्तियों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा, मैं आज जो कुछ भी हूँ, मनोहर शिंदे की वजह से हूँ। आरएसएस मेरा जीवन, मेरी आत्मा, मेरा सब कुछ है। रामाराव मुझे राजनीति में लाए और मेरा मार्गदर्शन किया। इंद्रसेन रेड्डी ने भी मेरा पूरा साथ दिया। राजनीति के उद्देश्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, राजनीति कोई करियर या व्यवसाय नहीं है। यह समाज, खासकर गरीबों की सेवा करने की जिम्मेदारी है।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आत्मकथा को न केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण बताया, बल्कि इसे पिछले छह दशकों में भारत में हुए राजनीतिक और सामाजिक बदलावों का प्रतीक बताया। उन्होंने वाजपेयी और आडवाणी जैसे नेताओं के साथ दत्तात्रेय के काम की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने जो भी भूमिका निभाई, उसमें उनकी सेवा ने सार्थक प्रभाव डाला। उन्होंने कहा, आलय बलाय पहल के माध्यम से, उन्होंने राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों को एक साथ लाया। उनका जीवन साबित करता है कि सत्ता का इस्तेमाल नाम या प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए किया जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और ए रेवंत रेड्डी, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नजीर, ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, त्रिपुरा के राज्यपाल एन इंद्रसेन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना और आंध्र प्रदेश के मंत्री सत्यकुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

लॉन्च के मौके पर बोलते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कई पदों पर रहने के बावजूद लोगों के साथ गहरा रिश्ता बनाए रखने के लिए दत्तात्रेय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, गौलीगुडा गली से हरियाणा के राज्यपाल तक का उनका सफर वाकई प्रेरणादायक है। दत्तात्रेय अटल बिहारी वाजपेयी की तरह ही बिना किसी दुश्मन के नेता का आदर्श उदाहरण हैं। सीएम ने दत्तात्रेय को उन कुछ नेताओं में से एक बताया जिन्हें लोग मुश्किल समय में याद करते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार उनकी विरासत से प्रेरणा लेगी।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में बंडारू दत्तात्रेय और पूर्व कांग्रेस विधायक दल के नेता पी. जनार्दन रेड्डी जैसे नेताओं की कमी महसूस की जा रही है। पहले लोगों को भरोसा था कि इन नेताओं से संपर्क करने पर उनकी शिकायतों का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शहर में ऐसे सुलभ नेतृत्व की कमी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी दलों के नेता हरियाणा के राज्यपाल का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय का वार्षिक अलाई बलाई कार्यक्रम एक ऐसा अवसर है, जहां विभिन्न दलों के राजनेता मिलते हैं और राजनीतिक सीमाओं से परे हल्के-फुल्के पल साझा करते हैं।

सीएम ने कहा कि दत्तात्रेय का कद राजनीतिक पद से कहीं ऊपर है और सभी दलों के नेता उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भी अपनी राजनीतिक जड़ों पर बात की: मेरी स्कूली शिक्षा भाजपा में हुई और कॉलेज की शिक्षा टीडीपी में। आज मैं राहुल गांधी के साथ काम करता हूं। मैंने हमेशा दत्तात्रेय और किशन रेड्डी परिवारों के साथ अपने संबंधों को संजोया है।

कार्यक्रम की भव्यता पर प्रकाश डालते हुए रेवंत ने कहा, यहां इतने सारे राज्यपाल मौजूद हैं कि मैं आसानी से इस मंच पर कैबिनेट की बैठक बुला सकता हूं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दत्तात्रेय को एक सच्चे सज्जन और धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में सराहा, जिन्होंने अलाय बलाय जैसी पहल के माध्यम से समुदायों को एकजुट किया। उन्होंने कहा, उनके कभी दुश्मन नहीं थे, वे पार्टी लाइन से ऊपर थे और उन्होंने एक आदर्श राजनीतिक जीवन जिया। उन्होंने सार्वजनिक मुद्दों पर लगातार सरकारों को पत्र लिखे और हमेशा हैदराबाद के लोगों के साथ खड़े रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने राजनीति में मूल्यों पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि दत्तात्रेय ने नैतिकता, ईमानदारी और सभ्यता को बनाए रखा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना रचनात्मक और गरिमापूर्ण होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि जो लोग व्यक्तिगत हमले करते हैं, उनका लोकतांत्रिक तरीकों से मुकाबला किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने व्यक्तिगत दत्तात्रेय को उनके राजनीतिक प्रशिक्षण और समर्थन का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरा हाथ थामा और मुझे राजनीति में आगे बढ़ाया। मुझे गर्व है कि मैंने उनके बाद सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। रेड्डी ने 1980 के दशक में दत्तात्रेय के साथ हैदराबाद की यात्रा करने और उनके साथ सेवा भारती की गतिविधियों में भाग लेने के बारे में भी बताया। उन्होंने दत्तात्रेय को एक ऐसे नेता के रूप में वर्णित किया जिन्होंने पार्टी के विकास के लिए अथक परिश्रम किया और अपने सभी पदों पर गरिमा के साथ काम किया – चाहे वह सांसद, केंद्रीय मंत्री या राज्यपाल के रूप में हो। यह कार्यक्रम सार्वजनिक जीवन में दत्तात्रेय के दीर्घकालिक योगदान और समावेशी राजनीति और सामाजिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए एक श्रद्धांजलि थी। पार्टी लाइन से परे नेताओं ने उनके जीवन और कार्य को राजनीतिक नेतृत्व की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बताया।

बॉलीवुड की वो हसीन अदाकारा, जिन्होंने बड़े पर्दे पर विलेन बनकर चलाया अपना जादू

फिल्मों की कहानी कितनी भी खास क्यों न हो, लेकिन विलेन के बिना वो अधूरा ही लगता है। हालांकि, एक्टर्स ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभा के काफी मारपीट की है, लेकिन जब एक्ट्रेस विलेन के तौर पर सामने आई, तो उन्होंने लोगों के बीच काफी तारीफें बटोरी।

फिल्मों में अक्सर किरदारों से ही कहानी में जान डाली जाती है। अगर कोई कहानी कितनी भी खास है, लेकिन उसके किरदार परफेक्ट न हो तो वो पूरी फिल्म बेकार हो जाती है। इनमें हीरो से भी ज्यादा विलेन का किरदार मायने रखता है।

बॉलीवुड की फिल्मों में वैसे भी विलेन लीड हीरो-हीरोइन से ज्यादा पसंद किए जाते हैं। हालांकि, एक्टर्स के तौर पर तो विलेन बनकर कई लोगों ने दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन कुछ एक्ट्रेसेस भी ऐसी हैं, जिन्होंने नेगेटिव रोल में काफी तारीफ हासिल की है। इनमें सबसे पहले नाम जानेंगे अरुणा ईरानी का। अरुणा ने नेगेटिव और पॉजिटिव रोल दोनों ही किया है, लेकिन ज्यादातर लोगों ने उन्हें विलेन के तौर पर ही पसंद किया है। वो बेटा जैसी कई कमाल की फिल्मों में विलेन के तौर पर दिखी हैं।

हेमा मालिनी की फिल्म सीता और गीता किसे नहीं याद होगी। इस फिल्म में उन पर जुल्म ढाने वाली एक्ट्रेस मनोरमा को लोगों ने उनके किरदार में बहुत पसंद किया था। मनोरमा अपने कमाल के एक्सप्रेशन्स के लिए भी जानी जाती थीं। ललिता पवार ये नाम सुनते ही लोगों को लालची सास, सौतेली मां जैसी कोई औरत नजर आने लगती है। दरअसल, वैंप के मामले में ललिता पवार ने अच्छे अच्छों को टक्कर दी है। उन्होंने रामायण में मंथरा का रोल भी निभाया था।

70 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस शशिकला ने भी विलेन के तौर पर लोगों के सामने आकर काफी तारीफें बटोरी हैं। उन्होंने करीब 100 फिल्मों में काम किया है। सुजाता, गुमराह, राहगीर जैसी और भी फिल्मों में उनके नेगेटिव किरदार को काफी पसंद किया गया है।

बिंदु का नाम तो फिल्मी दुनिया में काफी पॉपुलर है। उन्होंने सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी अपने किरदार मोना डार्लिंग के जरिए बटोरे थे। 70 और 80 के दशक में बिंदु कई फिल्मों में विलेन के तौर पर नजर आई हैं, जिन्हें लोगों ने पसंद किया है।

फिल्म मुंज्या का एक साल पूरे होने पर शरवरी ने किया खुलासा, कहा

रिलीज के वक्त बहुत नर्वस थी

हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या को रिलीज हुए शनिवार को पूरे एक साल हो गए हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने बेला का किरदार निभाया था। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह फिल्म की रिलीज से पहले थोड़ी डरी हुई थीं और साथ ही बहुत खुश और उत्साहित भी थीं। शरवरी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़े 'बिहाइंड द सीन्स' की कुछ झलकियां साझा कीं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा। एक्ट्रेस ने कहा, एक साल पहले, आज ही के दिन फिल्म 'मुंज्या' रिलीज हुई थी। उम्मीद, हिम्मत और प्यार के साथ हमने अपनी मेहनत और खुशियों को दुनिया के सामने पेश किया। मुझे याद है कि फिल्म रिलीज से पहले मेरी बातचीत निर्देशक आदित्य सरपोतदार से हुई थी। उस वक्त मैं डरी हुई थी, और उत्साहित भी थी। लेकिन कौन सोच सकता था कि 1 साल बाद हम इस सुपरहिट फिल्म का जश्न मना रहे होंगे।

फिल्म में अपनी एक्टिंग से दर्शकों की तारीफ बटोरने के अलावा, शरवरी ने अपने गाने 'तरस' के लिए भी काफी सराहना हासिल की।उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'तरस' गाना मेरे लिए बहुत खास रहेगा, क्योंकि यह मेरा पहला सिंगल गाना था। और आज भी जब मुझे इस गाने के लिए इतना प्यार मिलता है, तो वह सच में बहुत खास और अच्छा लगता है। एक्ट्रेस ने लिखा, धन्यवाद आप सभी दर्शकों का, जिन्होंने हमारी फिल्म को इतना प्यार दिया और मेरे करियर को आगे बढ़ाया। ये सफर आप सबके बिना अधूरा है।

शरवरी ने अपनी टीम का भी शुक्रिया अदा किया और कहा, धन्यवाद उन हर एक व्यक्ति को जिन्होंने इस फिल्म को संभव बनाया। उन्होंने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा, कौन सोच सकता था कि ये छोटी सी डरावनी कहानी 'मुंज्या' मेरी जिंदगी में इतना सारा प्यार और खुशी लेकर आएगी!इस फिल्म को अमर कौशिक और दिनेश विजन ने मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया था।

प्यार कभी नहीं बदलता, इसी बात का सबूत है कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल : रानी मुखर्जी

मशहूर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी हाल ही में कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल' के प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने बताया कि इसमें प्यार और रिश्तों की कहानी बेहद खास है, जिसके चलते इसे लोग आज भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस म्यूजिकल का निर्देशन उनके पति आदित्य चोपड़ा ने किया है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि इस म्यूजिकल की कहानी इतनी खास इसलिए है क्योंकि इसमें प्यार की ताकत को बेहतरीन अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, प्यार हमेशा एक जैसा रहता है। यही बात इस म्यूजिकल में बहुत खूबसूरती से दिखाई गई है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से जुड़ी हो, लेकिन इसे देखकर ऐसा नहीं लगता जैसे यह कोई पुरानी कहानी है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की कहानी में जो प्यार दिखाया गया है, उसकी शुरुआत असल में आदित्य चोपड़ा ने पहले एक अलग कहानी से की थी। उस पहले कॉन्सेप्ट में जोड़ी रॉजर और सिमरन की थी। बाद में यह कहानी बदलकर राज और सिमरन की जोड़ी बन गई। लेकिन अब, आदित्य चोपड़ा ने उसी कॉन्सेप्ट पर काम किया है।

रानी मुखर्जी ने कहा, बहुत कुछ बदल सकता है, सब कुछ बदल सकता है, लेकिन प्यार समय की कसौटी पर हमेशा खरा उतरता है। 'कम फॉल इन लव' (सीआईएफएल) इसी बात का सबूत है। जब आप इसे आज देखते हैं, तो आपको ऐसा नहीं लगता कि यह कहानी 30 साल पुरानी है। रॉजर और सिमरन की कहानी आदित्य चोपड़ा की असली कहानी थी, जो बाद में बदलकर राज और सिमरन की कहानी बन गई। और अब 30 साल बाद, उन्होंने अपनी उस पहली कहानी रॉजर और सिमरन को वापस लेकर आए हैं।

आदित्य चोपड़ा की 'कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल' का मैनचेस्टर ओपेरा हाउस में मंचन हो रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) से प्रेरित है, जो भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी चलने वाली फिल्म है। यह म्यूजिकल अंग्रेजी भाषा में है। इसे भारत और यूके के बीच सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करने वाले एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

फिल्म 'डीडीएलजे' 1995 से ही मुंबई में लगातार चलती आ रही है और यह भारतीय फिल्म संस्कृति का एक खास हिस्सा बन चुकी है। अब इस फिल्म को एक म्यूजिकल के रूप में दुनिया भर के दर्शकों के सामने पेश किया गया है। इस म्यूजिकल में 18 नए गाने अंग्रेजी में बनाए गए हैं। इसमें मैनचेस्टर और नॉर्थवेस्ट से जुड़े ब्रिटिश नए कलाकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने दक्षिण एशियाई कलाकार भी शामिल हैं।

खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं : मनीषा कोइराला

कैंसर से जंग जीत चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने प्रशंसकों को प्रेरित करते हुए कहा है कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिम की तीन तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ एथलीजर पहने नजर आईं। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए शरीर, मन और आत्मा की देखभाल को प्राथमिकता देने की बात कही।

शेयर की गई तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, शायद मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से अपनी सेहत और खुशी के लिए समर्पित हूं, मैंने ध्यान देना शुरू कर दिया है।

मनीषा ने जीवन में उन्हें फिटनेस और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिए के लिए प्रेरित करने वाली दोस्त नमग्याल सिंह का आभार जताते हुए कहा, जीवन में ऐसी बेहतरीन दोस्त को पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करती है। वह न केवल जिमनेजियम में बल्कि हर बात में भी हैं। मेरी दोस्त की ताकत और मुस्कान मुझे सिखाती है कि मुश्किल वक्त को भी हिम्मत से पार किया जा सकता है। 1991 में फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मनीषा 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। '1942: ए लव स्टोरी', 'दिल से', 'खामोशी: द म्यूजिकल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें खूब शोहरत दिलाई। मनीषा हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आई थीं।

साल 2012 में मनीषा को डिम्बग्रंथि कैंसर का पता चला था, जिससे वह एक साल के इलाज के बाद 2014 तक पूरी तरह ठीक हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'डियर माया' (2017) जैसी फिल्मों से वापसी की। उनकी यह प्रेरणादायक कहानी और सेहत के प्रति समर्पण हर उम्र के लोगों के लिए एक मिसाल है।

इसके बाद वह 'बॉम्बे', 'अग्नि साक्षी', 'इंडियन','गुप्त: द हिडन ट्रुथ', 'कच्चे धागे', 'मुधलवन', 'कंपनी', '1942: ए लव स्टोरी', 'अकेले हम अकेले तुम', 'खामोशी: द म्यूजिकल', 'दिल से' और 'लज्जा' जैसी फिल्मों में देखा गया।

निक्की तंबोली ने किया वीगन डाइट अपनाने का फैसला

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने शाकाहारी बनने का फैसला किया है। इसकी घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए की। निक्की तंबोली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था, गो वीगन यानी वीगन बनो।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, वीगन होना केवल एक डाइट नहीं है, बल्कि यह दिल से लिया गया एक फैसला है। मैं खुद इस बदलाव को अपनाना चाहती हूं, जो मैं इस दुनिया में देखना पसंद करूंगी। निक्की ने अपने फैसले के पीछे की वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, काफी समय से मैं इस बारे में सोच रही थी और आखिर में मेरे दिल ने मुझे यह फैसला लेने के लिए कहा। मुझे यह एहसास हो गया कि मेरे लिए किसी जानवर को मारने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि बदलाव अपने घर से शुरू होता है। इसलिए, मैंने खुद वीगन बनने का फैसला किया। इससे मुझे शांति और सुकून मिल रहा है। निक्की ने बताया कि उन्होंने खुद अपनी पसंद से वीगन बनने का फैसला लिया है, यह किसी और की वजह से या किसी के कहने पर लिया गया फैसला नहीं है। निक्की ने कहा, यह मेरा निजी फैसला है और मैं अपने फैसले से बेहद खुश हूं। मेरा रिश्ता या डेटिंग लाइफ यह तय नहीं कर सकती कि मैं क्या खाऊं? मेरे लिए मेरी अपनी पहचान और खुद से जुड़ाव सबसे ज्यादा जरूरी है, और मैं इसमें कभी समझौता नहीं कर सकती। यह मेरा व्यक्तिगत फैसला है और इसका मेरे पार्टनर के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। धर्म और खाने-पीने की पसंद अलग-अलग बातें हैं, इन्हें मिलाना सही नहीं है। मैं हमेशा अपने दिल और अंदर की आवाज को सुनती हूं और आगे भी ऐसा ही करती रहूंगी। मैं उम्मीद करती हूं कि और लोग भी अपने दिल की सुनें और इस दुनिया को जानवरों के लिए एक बेहतर और शांत जगह बनाएं। बता दें कि निक्की तंबोली अभिनेता अरबाज पटेल के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में है।

योगिनी एकादशी पर करें ये शुभ दान, मिलेगा मनचाहा फल!

योगिनी एकादशी का व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। यह व्रत आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है और मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन दान करने का भी बड़ा महत्व बताया है।

योगिनी एकादशी पर करें ये दान

योगिनी एकादशी का व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। यह व्रत आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है और मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन दान करने का भी बड़ा महत्व बताया है, आइए जानते हैं कि इस तिथि पर क्या दान करना शुभ माना जाता है?

योगिनी एकादशी पर करें ये दान

अन्न दान – इस दिन अन्न का दान करना सबसे शुभ माना जाता है। ऐसे में इस तिथि पर गरीबों को चावल, गेहूं, दाल आदि का दान करें। ऐसा करने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा मिलती है।

वस्त्र दान – इस दिन पीले रंग के वस्त्रों का दान करना बहुत फलदायी होता है। यह रंग भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। कहते हैं कि इससे घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

जल दान – गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना महादान माना जाता है। इसके साथ ही पानी के लिए बर्तनों का दान भी कर सकते हैं। इससे मानसिक शांति मिलती है और धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं।

धन दान – इस दिन अपनी क्षमता के अनुसार धन का दान भी करना चाहिए। कहा जाता है कि इससे दान पूरा होता है। इसके साथ ही दान का फल कई गुना बढ़ जाता है।

गाय को चारा खिलाएं – अगर हो पाए तो इस तिथि पर गाय को हरा चारा खिलाएं या गौशाला में दान करें। हिंदू धर्म में गौ सेवा को सबसे ऊपर रखा गया है। इससे मां लक्ष्मी खुश होती हैं। इसके साथ ही सभी कष्टों का अंत होता है।

दीप दान – इस दिन मंदिर में दीपक जलाने के लिए तेल या घी का दान करें। इससे घर की दरिद्रता दूर होती है। इसके साथ ही इस मौके पर मंदिर में दीपक जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इससे सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

पांचवे बड़े मंगल पर करें कर्ज मुक्ति और मंगल दोष शांति के अचूक उपाय

ज्येष्ठ महीने के मंगलवार का बहुत ज्यादा महत्व है। यह बजरंगबली की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित हैं। इस दिन हनुमान जी की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने का पांचवां बड़ा मंगल 10 जून 2025 को पड़ेगा। यह दिन उन लोगों के लिए बहुत खास है, जो कर्ज से छुटकारा पाना चाहते हैं या कुंडली से मंगल दोष के प्रभावों को कम करना चाहते हैं।

कर्ज मुक्ति के उपाय

सुंदरकांड का पाठ – पांचवे बड़े मंगल पर सुंदरकांड का पाठ करें। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमान जी जल्द ही खुश होते हैं और आर्थिक संकटों को दूर करते हैं। इसके साथ ही मनचाहा फल देते हैं।

मंगलवार का व्रत – बड़े मंगल पर व्रत रखने के साथ मंगलवार का व्रत शुरू कर दें। इस उपवास को करने से कर्ज मुक्ति और आर्थिक मुश्किलें दूर होती हैं। इसके साथ ही घर में सुख-शांति का वास होता है।

ऋणमोचक मंगल स्तोत्र – ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का नियमित पाठ करने से कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलता है। वहीं, बड़े मंगल के दिन इस स्तोत्र का पाठ विशेष रूप से फलदायी माना गया है।

करें ये काम – पांचवे बड़े मंगल के दिन पीपल के पत्तों पर 'राम' नाम लाल चंदन से 11 या 21 बार लिखें। फिर उन्हें हनुमान जी के मंदिर में अर्पित करें। इससे आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं।

मंगल दोष कम करने के उपाय

सिंदूर चढ़ाएं – बड़े मंगल के दिन हनुमान जी को चमेली के तेल के साथ सिंदूर और चोला चढ़ाएं। इस उपाय को करने से मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

मंगल यंत्र की स्थापना – अगर आपकी कुंडली में मंगल दोष है, तो इस दिन घर में मंगल यंत्र की स्थापना करें और उसकी नियमित पूजा करें।

लाल मूंगा धारण करना – किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह पर इस दिन लाल मूंगा रत्न धारण करना भी मंगल दोष के प्रभाव को कम करने में मदद करता है।

पति-पत्नी की फोटो घर की किस दिशा में लगाएं, इन नियमों का ध्यान रखने से रिश्ते में बढ़ेगी मिठास

घर में वास्तुशास्त्र के नियमों का ख्याल रखने से हमारे जीवन पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर घर का निर्माण कराते समय और घर के अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग वस्तुओं को रखते समय वास्तु के नियमों का ख्याल रखा जाए, तो इससे पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। हिंदू धर्म में वास्तुशास्त्र का खास महत्व होता है, जिसमें घर के अंदर तस्वीरों को लगाने के लिए भी शुभ स्थान और दिशाएं बताई गई हैं। मान्यता है कि पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए भी वास्तु के नियमों का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे में अगर आप घर में अपनी और जीवनसाथी की तस्वीर लगाते हैं, तो पहले सही दिशा और वास्तु के कुछ महत्वपूर्ण नियमों का ख्याल जरूर रखें।

इस दिशा में भूलकर भी न लगाएं पति-पत्नी की तस्वीर

शादी के बाद अक्सर पति-पत्नी अपनी तस्वीरों को घर के अलग-अलग स्थान पर लगाते हैं। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार, कुछ स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर को लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा करने से आपके वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं। मान्यता है कि घर में कभी भी पति-पत्नी की तस्वीर को दक्षिण दिशा की ओर नहीं लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार, यह दिशा यमराज और पितरों की मानी जाती है। ऐसे में दक्षिण दिशा की तरफ गलती से भी पति-पत्नी की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। इससे आप दोनों को एक के बाद एक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पति-पत्नी की तस्वीर लगाने की सही दिशा

वास्तुशास्त्र के मुताबिक, पति-पत्नी की तस्वीर सही दिशा में लगाने से दोनों के बीच का रिश्ता सदैव मजबूत बना रहता है और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। मान्यता है कि कपल की फोटो को हमेशा घर में नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम में लगाना चाहिए। इस कोने में पति-पत्नी की तस्वीर लगाना सबसे उत्तम माना गया है। ऐसा करने से जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। नैऋत्य कोण के अलावा आप पति-पत्नी की तस्वीर को उत्तर दिशा की ओर भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से दोनों के रिश्ते में मिठास आती है और तालमेल बना रहता है।

इन स्थानों पर कभी न लगाएं कपल फोटो

पति-पत्नी की तस्वीर घर में लगाने से पहले दिशा के साथ-साथ कुछ विशेष स्थानों का भी ख्याल रखना जरूरी होता है। वास्तु शास्त्र में घर की कुछ जगहों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाना अशुभ माना गया है। कहा जाता है कि कभी भी कपल फोटो को अपने बेड के ठीक सामने नहीं लगाना चाहिए। साथ ही, पति-पत्नी की तस्वीर को मंदिर में, टॉयलेट और बाथरूम के सामने लगाने से भी बचना चाहिए। इन स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाने से वैवाहिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, यह गृह क्लेश का कारण भी बन सकता है। ऐसे में कपल फोटो लगाते समय इन बातों का ख्याल जरूर रखें।

घर की इन जगहों पर लगाएं पति-पत्नी की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कुछ स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाने से वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं दूर हो सकती हैं। माना जाता है कि पति-पत्नी की तस्वीर को अपने बेडरूम में बिस्तर के पीछे वाली दीवार पर लगाना चाहिए। ऐसा करने से दोनों के रिश्ते में मधुरता आती है और पति-पत्नी के बीच का प्रेम बढ़ेगा। इसके अलावा, आप ड्राइंग रूम में भी सही दिशा में पति-पत्नी की तस्वीर लगा सकते हैं।

एक साथ कई तस्वीरें न लगाएं

कई लोग अक्सर अपनी बहुत सारी तस्वीरें एक साथ लगा लेते हैं। ऐसा करना सही नहीं माना जाता है। इससे घर में समस्याएं आ सकती हैं। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, अपने ड्राइंग रूम या बेडरूम में हमेशा एक से दो कपल फोटो लगानी चाहिए। साथ ही, ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें दोनों खुश नजर आ रहे हों। इस प्रकार घर में कपल फोटो लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, फोटो लगाते समय इस बात का ख्याल भी रखें कि उसका फ्रेम टूटा-फूटा या उड़े हुए रंग का न हो। ऐसी तस्वीर लगाने से घर में नकारात्मकता आ सकती है।

तस्वीर लगाते समय इस विशेष बात का रखें ख्याल

अपने बेडरूम या ड्राइंग रूम में पति-पत्नी की तस्वीर लगाते समय इस बात का विशेष ख्याल रखें कि उसके साथ कोई नकारात्मक दृश्य वाली फोटो न लगी हो। साथ ही, वास्तु के अनुसार, परिवार की फोटो के साथ अपने पूर्वजों या किसी ऐसे व्यक्ति की तस्वीर भी नहीं लगानी चाहिए जो अब इस दुनिया में न हों। कपल फोटो के साथ ऐसी तस्वीर लगाने से आपके वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और पति-पत्नी के बीच मनमुटाव बढ़ सकता है। साथ ही, पति-पत्नी की तस्वीर को रसोई घर में या आसपास लगाने से भी बचना चाहिए।

कितने साल तक चलती है बुध की अंतर्दशा और कैसे करें व्यापार के दाता को प्रसन्न?

ज्योतिष शास्त्र में बुध देव को व्यापार का दाता कहा जाता है। बुध देव मिथुन और कन्या राशि के स्वामी हैं। वहीं, कन्या राशि के जातकों को बुध देव हमेशा शुभ फल देते हैं। बुध देव की कृपा से जातक मधुरभाषी होता है। वहीं, कारोबार से जुड़े लोग अपने जीवन में खूब तरक्की और उन्नति करते हैं।

भगवान गणेश की पूजा करने से बुध देव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए ज्योतिष बुधवार के दिन भगवान गणेश और बुध देव की पूजा करने की सलाह देते हैं। कुंडली में बुध मजबूत होना शुभ माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि बुध की अंतर्दशा कितने साल तक चलती है और कैसे व्यापार के दाता को प्रसन्न करें?

बुध की अंतर्दशा

ज्योतिषियों की मानें तो बुध की अंतर्दशा दो साल चार महीने तक चलती है। बुध की महादशा के दौरान सबसे पहले बुध की अंतर्दशा चलती है। इसके साथ ही बुध की प्रत्यंतर दशा चलती है। इसके बाद शुभ और अशुभ ग्रहों की अंतर्दशा और प्रत्यंतर दशा चलती है। इसके बाद केतु की अंतर्दशा चलती है। केतु की अंतर्दशा लगभग एक साल तक चलती है। फिर, शुक्र की अंतर्दशा रहती है। बुध की महादशा में जातक को कारोबार में सफलता मिलती है। वहीं, अशुभ और शत्रु ग्रहों की अंतर्दशा में जातक को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बुध देव को कैसे प्रसन्न करें?

बुध देव को प्रसन्न करने के लिए बुधवार के दिन भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा के समय भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें। जातक विषम संख्या में दूर्वा अर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही भगवान गणेश को मोदक प्रसाद में भेंट करें। पूजा के बाद साबुत मूंग और हरी सब्जियों का दान करें। इसके साथ ही गौ माता को हरा चारा खिलाएं।

गणेश मंत्र

ऊँ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा ।।
ऊँ एकदन्ताय विहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ।।
ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।
ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।
ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

अपराजिता का पौधा लगाने के विशेष नियम और दिशा घर में लगाने से सुख-समृद्धि आती है!

अपराजिता के फूल का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। यह खूबसूरत दिखने के साथ-साथ बेहद पवित्र भी होता है, जिसे शास्त्रों में देवी दुर्गा का अवतार माना गया है। मान्यताओं के अनुसार, अपराजिता के फूल पूजा के दौरान इस्तेमाल करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इन्हें देवी लक्ष्मी, विष्णुजी और शनिदेव की पूजा में शामिल करना बहुत लाभकारी माना गया है। ऐसे में इस चमत्कारी फूल के पौधे को घर में लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। लेकिन वास्तुशास्त्र में अपराजिता का पौधा लगाने के कुछ विशेष नियम और दिशा बताई गई है। अगर इनका ध्यान रखते हुए आप इस पवित्र पौधे को अपने घर में लगाते हैं, तो इससे त्रिदेव और देवियों की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि आती है।

अपराजिता का पौधा घर में लगाने का सही दिन

वास्तुशास्त्र में अपराजिता के पौधे को घर में लगाने की सही दिशा के साथ-साथ सही दिन भी बताया गया है। अगर आप शुभ दिनों पर इस पौधे को घर में लगाते हैं, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अपराजिता के पौधे को घर में गुरुवार या शुक्रवार के दिन लगाना सबसे शुभ होता है। बता दें कि विष्णुजी को अपराजिता के फूल बेहद प्रिय है और हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन अपराजिता का पौधा घर में लगाना अच्छा होता है। इसी तरह शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है और उनकी पूजा में भी इस फूल का प्रयोग करने का खास महत्व है। ऐसे में इस दो दिनों पर घर में अपराजिता का पौधा लगाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

इस दिशा में लगाएं अपराजिता का पौधा

घर में वास्तु के अनुसार अपराजिता का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में इस पवित्र पौधे को सही दिशा में रखना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, अपराजिता के पौधे को घर में हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में अपराजिता का पौधा लगाने से घर से नकारात्मकता दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे घर का माहौल शांतिपूर्ण और खुशनुमा बना रहता है। लेकिन अपराजिता के पौधे को भूलकर भी दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और घर से सुख-शांति जाने लगती है।

अपराजिता का पौधा लगाने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप घर में शुभता के आगमन के लिए अपराजिता का पौधा लगाने का विचार कर रहे हैं, तो दिशा और दिन के साथ-साथ कुछ जरूरी नियमों का ख्याल रखना भी जरूरी माना गया है। वास्तु के अनुसार अपराजिता के पौधे को कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं रखना चाहिए, जहां साफ-सफाई न रहती हो। गंदगी वाली जगह पर इस पवित्र पौधे को रखने से परिवार के सदस्यों की तरक्की पर बुरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही, सही दिशा में अपराजिता का पौधा रखने के साथ-साथ उस जगह की साफ-सफाई का भी खास ख्याल रखना चाहिए और नियमित रूप से पौधे में जल भी अर्पित जरूर करें। इसके अलावा, घर में लगे अपराजिता के पौधे को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए। इससे घर में नकारात्मकता छा सकती है। ऐसे में अगर आपके घर में सूखा हुआ अपराजिता का पौधा रखा है, तो उसे तुरंत वहां से हटा दें। यह आपके जीवन में बाधाओं का कारण भी बन सकता है।.

इन देवी-देवताओं की पूजा में प्रयोग करें अपराजिता के फूल

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान अपराजिता के फूलों का प्रयोग करने का खास महत्व बताया गया है। ऐसे में आप इस पौधे में आए फूलों को देवी-देवताओं की पूजा में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु, शनिदेव, शिवजी, माता लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा में इन फलों को अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी निजात मिल सकती है। साथ ही, सप्ताह के दिन का ख्याल रखकर इन फूलों को पूजा में प्रयोग करते हैं, तो इससे जीवन में खुशियां बनी रहती हैं।

अपराजिता का पौधा घर में लगाने के चमत्कारी लाभ

माना जाता है कि घर में सही दिशा में अपराजिता का पौधा लगाने से घर में चल रही पैसों की तंगी दूर हो सकती है और धन लाभ के योग बनने लगते हैं। इस पवित्र पौधे को घर में लगाने से आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है।

मान्यता है कि घर में अपराजिता का पौधा लगाने से परिवार के सदस्यों पर धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। ऐसे में जीवन में आने वाली बाधाओं से भी आपको मुक्ति मिल सकती है।

अगर आप नियमों का ख्याल रखते हुए घर में अपराजिता का पौधा लगाते हैं, तो इससे गृह क्लेश दूर होता है और घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही, इस पौधे को घर में लगाने से परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है।

माना जाता है कि घर में अपराजिता का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, इस पवित्र पौधे को लगाने से परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की हासिल होती है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

हादसे होते रहते हैं... मानसिकता बदलने की आवश्यकता

पहली बार आईपीएल विजेता बनी आरसीबी का जश्न बड़े हादसे में बदल गया। जहाँ खुशियों की लहर होनी चाहिए थी, वहाँ मातम पसर गया। अभी तक सामने आए आंकड़े के अनुसार, 11 लोगों का जीवन चला गया और अनेक लोग घायल हुए हैं। देशभर में माँग उठ रही है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए। यह आवश्यक भी है। अन्यथा, हादसे तो होते रहते हैं... इस प्रकार की मानसिकता को प्रोत्साहन मिलेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना के बाद प्रेसवार्ता में जिस प्रकार का बयान दिया, वह पीड़ितों के जख्मों पर नमक झिड़कने जैसा है। कांग्रेस सरकार की लापरवाही पर पर्दा डालने की नीयत से उन्होंने कहा कि "मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें"। कोई जिम्मेदार और अनुभवी नेता इस प्रकार का बयान कैसे दे सकता है। देश में पहले हुए हादसों की आड़ लेकर एक और हादसे की जिम्मेदारी से कैसे बचा जा सकता है? इस बयान का एक अर्थ तो यही हुआ कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठीं रहेंगी, भविष्य में भी हादसे होते रहेंगे। क्योंकि पिछली बार हुए हादसों से हम कुछ भी सीखकर चीजों को सुधारने की मानसिकता में ही नहीं है। सिद्धारमैया जैसे जिम्मेदार नेताओं ने हादसों को सहज मान लिया है। एक प्रश्न यह भी उठता है कि कुंभ मेले के हादसे से इस हादसे की तुलना करके आखिर कांग्रेस के मुख्यमंत्री क्या बताना चाह रहे थे? इधर-उधर की बातें करने की अपेक्षा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हादसे की जाँच करनी चाहिए और दोषी लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इसी कांग्रेस की सरकार ने तेलंगाना में एक सिनेमाघर में मची भगदड़ के लिए अभिनेता अल्लू अर्जुन को आरोपी मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की। फिर इस मामले में कांग्रेस सरकार बचने की कोशिश क्यों कर रही है? 35 हजार की क्षमता वाले चिन्नास्वामी स्टेडियम में इतना बड़ा आयोजन करने का निर्णय करने वाली संस्था और अनुमति देनेवाली व्यवस्था से सवाल नहीं पूछे जाने चाहिए? यहाँ एक प्रश्न यह भी उठता है कि जब सरकार की तैयारी नहीं थी, तो इतनी जल्दी में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने की क्या आवश्यकता आन पड़ी? हादसे पर सरकार का रवैया देखकर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर अच्छा ही किया। न्यायालय को एक समिति बनाकर अपनी निगरानी में हादसे की जाँच करानी चाहिए। यह तय बात है कि जब तक इस प्रकार के हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं मिलेगी, उन पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हादसे होते रहेंगे। सिद्धारमैया सरकार की तरह अन्य सरकारें भी लापरवाह बनी रहेंगी और गैर-जिम्मेदार बयान जारी किए जाते रहेंगे।

> देशभर में माँग उठ रही है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए। यह आवश्यक भी है। अन्यथा, हादसे तो होते रहते हैं... इस प्रकार की मानसिकता को प्रोत्साहन मिलेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना के बाद प्रेसवार्ता में जिस प्रकार का बयान दिया, वह पीड़ितों के जख्मों पर नमक झिड़कने जैसा है। कांग्रेस सरकार की लापरवाही पर पर्दा डालने की नीयत से उन्होंने कहा कि "मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें"। कोई जिम्मेदार और अनुभवी नेता इस प्रकार का बयान कैसे दे सकता है। देश में पहले हुए हादसों की आड़ लेकर एक और हादसे की जिम्मेदारी से कैसे बचा जा सकता है? इस बयान का एक अर्थ तो यही हुआ कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठीं रहेंगी, भविष्य में भी हादसे होते रहेंगे। क्योंकि पिछली बार हुए हादसों से हम कुछ भी सीखकर चीजों को सुधारने की मानसिकता में ही नहीं है। सिद्धारमैया जैसे जिम्मेदार नेताओं ने हादसों को सहज मान लिया है।

भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरें

ललित गर्ग

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई। विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भो में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ

> भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।

किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं। 4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो "दुष्प्रचार" ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो "कीचड़ स्नान" कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं। बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि "हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है।

देश दुनिया से

सर्वोच्च मानव धर्म है पर्यावरण संरक्षण

जन्म के साथ ही प्रकृति मनुष्य को अपनी संरक्षण भरी अपनी गोद दे देती है. कुदरत ने उसे स्वच्छ जल, हवा, हरी – भरी पृथ्वी, निर्मल आकाश एवं अग्नि दिए हैं । इन्हीं पांच तत्वों से मिलकर पर्यावरण का निर्माण होता है। धरती पर मानव जीवन का अस्तित्व एवं उसके वर्चस्व में इन पांचों तत्वों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । मगर मानव ने ही पर्यावरण को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि आज पर्यावरण संरक्षण एक अहम मुद्दा बन गया है। प्रकृति द्वारा प्रदत उपहारों को संरक्षित करना मानव का पहला धर्म है। ईसाई, इस्लाम, हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन, यहूदी, बहाई आदि सभी धर्म पर्यावरण के संरक्षण की प्रेरणा देते हैं । आदि काल से ही धर्म और पर्यावरण में गहरा संबंध रहा है. उदाहरण के तौर पर बौद्ध धर्म का मत है कि सभी जीव जंतुओं एवं प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। इसी प्रकार बहाई धर्म का मानना है कि प्राकृतिक ऐश्वर्य और विविधता मानव जाति पर ईश्वर की कृपा है, अतः हमे इसकी रक्षा करनी चाहिए । आइए, देखते हैं विभिन्न धर्मग्रंथ पर्यावरण संरक्षण के बारे में क्या कहते हैं। हिंदू धर्म में तो प्रकृति को महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है ही । प्रकृति के विभिन्न रूपों को देवताओं का रूप माना गया है। हिंदू धर्म के अनुसार, जीवन पाँच तत्त्वों- क्षिति जल, पावक, गगन व समीर से मिलकर बना है। इसे पुष्ट करते हुए तुलसीदास रामचरितमानस में एक चौपाई में कहते भी हैं 'छिति,जल ,पावक, गगन समीरा पंच रचित अति अधम सरीरा' अब इनसे बना शरीर भले ही अधम हो पर इन पांचों तत्वों को सनातन हिंदू धर्म में देवताओं का स्थान दिया गया है क्योंकि यह मानव को बहुत कुछ देते हैं। हिंदू धर्म में पृथ्वी को देवी का रूप माना गया है और इसके विभिन्न अंगों पर्वत, नदी, जंगल, वृक्ष, पशु-पक्षी आदि को दैवीय कथाओं व पुराणों से जोड़कर देखा जाता है। श्रीमद्भागवतगीता में भी कहा गया है कि ईश्वर सर्वव्यापी है तथा विभिन्न रूपों में सभी प्राणियों में विद्यमान है इसलिये व्यक्ति को सभी जीवों की रक्षा करनी चाहिये। इस्लाम धर्म में भी कहा गया है कि, पृथ्वी का मालिक खुदा है तथा यहाँ इंसान की भूमिका ख़लीफा अर्थात खुदा के न्यासी की है एवं इंसान का कार्य पृथ्वी और इसके विभिन्न अवयवों की रक्षा करना है। कुरान के अनुसार, सृष्टि की रचना जल से हुई है तथा जल को व्यर्थ करना इस्राफ (पाप) है। इसके अलावा किसी भी प्राकृतिक संसाधन का अनावश्यक

उपयोग करना इस्लाम में वर्जित माना गया है। ईसाई मत के मतानुसार भी सभी जीवों की रचना ईश्वर के प्रेम का रूप है तथा मानव को जैविक विविधता तथा ईश्वर के निर्माण को नष्ट करने का अधिकार नहीं है। ईसाई धर्म मनुष्य को सृष्टि के अन्य जीवों की रक्षा उत्तरदायी मानता है। इसके अलावा यह भी संसाधनों के सीमित उपयोग और उनके संरक्षण पर ज़ोर देता है। बौद्ध धर्म भी पूर्णतः प्रेम, सद्भाव तथा अहिंसा पर आधारित है। बौद्ध धर्म 'प्रतीत्यसमुत्पाद' पर आधारित है जिसे करण-कारण का सिद्धांत भी कहते हैं। इसे हिंदू धर्म के कर्म के सिद्धांत के समान माना जा सकता है अर्थात मानव के व्यवहार का प्रभाव उसके पर्यावरण पर पड़ता है। बौद्ध धर्म भी जीव संसाधनों के अतिदोहन को वर्जित करताा है और सभी जीवों की परस्पर निर्भरता में विश्वास करता है । जैन धर्म में अहिंसा को सर्वाधिक महत्व दिया गया है तथा किसी भी जीव-जंतु, वनस्पति आदि को नुकसान पहुँचाना वर्जित माना गया है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिये प्रकृति व इसके सभी जीव जंतुओं को समान माना गया है तथा इनका संरक्षण और इनके प्रति समान व्यवहार करना जैन धर्म की मूल शिक्षा है। जैन धर्म में जीव जंतुओं की हत्या पर पूर्ण निषेध है इसी निषेध के चलते जैनी चौमास व्रत का भी पालन करते हैं। सिखों के धार्मिक ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में कहा गया है कि संसार में स्थित सभी वस्तुएँ ईश्वर की इच्छा के अनुरूप ही कार्य करती हैं तथा ईश्वर उनकी रक्षा करता है। 'गुरु ग्रंथ साहिब' के अनुसार, सभी जीव-जंतु, वृक्ष, नदी, पर्वत, समुद्र आदि को ईश्वर का रूप माना गया है। हिब्रू बाइबिल तोराह में प्रकृति के संरक्षण के लिये अनेक नैतिक बाध्यताएँ दी गई हैं। तोराह के अनुसार, "जब ईश्वर ने आदम को बनाया, उसने उसे स्वर्ग के बगीचे दिखाए और कहा मेरे कार्यों को देखो, कितना सुंदर है ये? मैंने जो भी बनाया है वह सब तुम्हारे लिये है। तुम्हें इसकी रक्षा करनी है और यदि तुमने इसे नष्ट किया तो तुम्हारे बाद इसे ठीक करने वाला कोई नहीं होगा।" पर्यावरण व प्रकृति के संरक्षण के लिये विभिन्न धार्मिक समूहों द्वारा वैश्विक या स्थानीय स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। पाकिस्तान में स्थित कब्रगाहों में प्राचीन वृक्षों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं क्योंकि इनको काटना गुनाह माना जाता है. लेबनान के मैरोनाईट चर्च ने हरीसा के जंगलों को पिछले 1,000 वर्षों से संरक्षित रखा है।

कुछ अलग

समुद्र के पारिस्थितिकीय तंत्र पर गंभीर संकट

बीते 26 मई को कोच्चि के पास जलमग्न हुए लाइबेरिया के एक जहाज से फिलहाल तेल के फैलाव और उसमें भरे रसायनों की पानी से होने वाली क्रिया के कारण संभावित प्रदूषण का कोई खतरा सामने नहीं आया है। हालांकि, जहाज में लदे कुछ कंटेनरों के टूटने के बाद उनमें भरे अनगिनत प्लास्टिक के छोटे-छोटे गेंद जैसे छर्रे, जिन्हें नर्डल्स कहा जाता है, का फैलाव अब कन्याकुमारी तक हो गया है। यह न केवल समुद्री तटों, बल्कि व्यापक रूप से जल-जीवन के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 42 तटीय गांवों में से 36 के समुद्र तटों पर प्लास्टिक के ये सफेद छर्रे, जहरीले कंकड़ बनते जा रहे हैं। इस प्रदूषण के चलते विशेष रूप से किलियूर तालुक के तटीय आवासीय क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां के सभी 16 गांव प्रभावित हुए हैं। कलकुलम और अगस्तीस्वरम तालुकों में भी क्रमशः 13 तटीय बस्तियों में से 10-10 में नर्डल्स देखे गए हैं। प्लास्टिक के ये टुकड़े मंगलवार को कन्याकुमारी शहर के निकट मणाकुड़ी नामक तटीय गांव तक पहुंच चुके हैं। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि बीते गुरुवार को कोंकलेच के वानियाकुड़ी तट के पास समुद्र में बह आकर आए कंटेनर के टूटने से ये छर्रे बहे हैं। इस कंटेनर को विशेषज्ञों की टीम ने बरामद कर कूथुकुड़ी में कस्टम विभाग को आगे जांच के लिए सौंप दिया। कन्याकुमारी के कलेक्टर अलागुमीना के मुताबिक अभी तक 858 बैग नर्डल्स एकत्रित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 25 किलोग्राम है। अकेले सोमवार को ही 248 बैग एकत्र किए गए। इसके पहले, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तीन समुद्री तट — कोचकुहल्ली, वेली, थुंबा और वेट्टुक्काड — पर भी इसका प्रकोप देखा जा चुका है। इसके अलावा, कोल्लम और अलाप्पुझा के कई तटीय गांव भी इससे सफेद हो गए हैं, और आम लोग स्वयंसेवक के रूप में उनकी सफाई कर रहे हैं। प्लास्टिक के छोटे-छोटे छर्रे अब गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहे हैं। इनसे उत्पन्न प्रदूषण लंबे समय तक जहर के समान रहता है। इनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों में आवासीय पर्यावरण का प्रदूषण, इनके माइक्रो और नैनो प्लास्टिक में टूटना और खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करना शामिल है। मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और कीचड़ वाले तट जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्लास्टिक के कण जड़ों को ढक सकते हैं और ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को रोक सकते हैं, जिसे पारिस्थितिकविद 'पारिस्थितिक मृत' क्षेत्र कहते हैं —ऐसे क्षेत्र जहां जीवन वापस आने के लिए संघर्ष करता है।

आप का नजरिया

बांग्लादेश-2 की नींव

बांग्लादेश-2 की नींव पाकिस्तान दुनिया के उन देशों में शामिल है जिसकी सेना ने इसे सिक्योरिटी स्टेट बनाकर सरकार के माध्यम से जनता पर थोप रखा है। जाहिर सी बात है कि चुनाव तो दिखावटी लोकतांत्रिक प्राव्रिया होती है, अघोषित रूप से तो शासन फौज ही चलाती है। जिस देश की प्रावृत्ति ही सैन्य तानाशाही की हो उससे उम्मीद भी क्या की जा सकती है! किन्तु पाकिस्तान की एक और विशेषता है कि उसकी सरकार को अपनी ही आवाम पर कहर बरपाने के लिए जाना जाता है। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आमा यानि बीएलए विद्रोहियों द्वारा नाक में दम किए जाने के बाद अब विधानसभा में एक ऐसा विधेयक पारित किया गया है जो मानवाधिकार के चीथड़े उड़ाने वाला साबित होगा। बलूचिस्तान विधानसभा में जिस काउंटर टेररिज्म (बलूचिस्तान अमेण्डमेंट) विधेयक 2025 को हरी झंडी दी है उसके मुताबिक पाकिस्तान की सेना किसी भी व्यक्ति को शक की बुनियाद पर न सिर्प गिरफ्तार कर सकती है बल्कि उस व्यक्ति को तीन महीने तक अपनी हिरासत में भी रख सकती है। मतलब यह कि तीन महीने तक हिरासत में रखने के लिए किसी भी तरह के आरोप तय होने की जरूरत नहीं है। सवाल यह है कि अब बलूचिस्तान में पुलिसिग और सैन्य अभियान के अन्तर को खत्म कर दिया गया है। इस कानून के तहत ज्वाइंट इंवेस्टीगेशन टीम में शामिल सेना को बेतहाशा ताकत देकर कानून व्यवस्था में सेना का दखल बढ़ा दिया है। दरअसल बलूचिस्तान में वहां के स्थानीय निवासियों के लिए पाक सेना पहले ही राक्षसी तरीके से निपटती थी किन्तु अब उसने मानवाधिकार को ठेंगा दिखाते हुए जो नया कानून बनाया है। उसके कारण आम जनता के प्राति पाक सैन्य दरिन्दगी को वैधानिक सुरक्षा मिल गईं है। इसलिए इस कानून को पाकिस्तान के बौद्धिक विनाश का परिणाम मानना उचित होगा। पाकिस्तान की सेना तो पहले ही युवकों और नाबालिगों को पकड़कर उन्हें हेलीकाप्टर से या जहाज में बैठाकर वुछ दूर ऊपर ले जाकर छोड़ देती है, ताकि बलूच जनता में दहशत पैदा हो जाए। सेना और पुलिस तो पहले ही युवकों को पकड़कर ले जाती है और गायब कर देती है। इसलिए अब यह सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर इस तरह के अमानवीय कानून बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? असल में इसके दो कारण हैं। पहला यह कि इस कठोर कानून के माध्यम से चीन को संतुष्ट करने की कोशिश की गईं है जिनके इंजीनियर, अधिकारी और कर्मचारी बीएलए का नाम सुनकर कांपते हैं। बीएलए की आव्रामक गतिविधियों को मिलते समर्थन से घबराए चीन ने तय किया था कि वह खुद बलूच जनता से बात करेगी ताकि वह ग्वादर पर चीनी दखल और बलूचिस्तान की जमीन से चीन द्वारा खनिज पदार्थो के निकलने का विरोध बंद कर दें। बलूच नेशनलिस्ट चीनी अधिकारियों और इंजीनियरों को मात्र बलूचिस्तान की धरती पर ही नहीं मारते बल्कि दूसरे राज्यों में भी हत्या करते हैं। चीन ने अपने नागरिकों की हत्या के होने पर पाकिस्तान सरकार से क्षतिपूर्ति की मांग की है। जबकि इस कानून की दूसरी वजह यह है कि सामान्य बलूच जनता के दिलों-दिमागों में इतना भय पैदा कर दिया जाए ताकि बीएलए विद्रोहियों को नया वैडर तैयार करने में नए बलूच युवक आसानी से न मिल सके। बहरहाल एक बात तो तय है कि राष्ट्रवाद की जो आंधी बलूचिस्तान में चल रही है उसे रोक पाने में यह काला कानून शायद ही सफल हो सकेगा।

दृष्टि कोण

भारत की कूटनीति से अब पस्त होगा तुर्किये

अम्रेनिया पामि एशिया और यूरोप के काकेशस क्षेत्र स्थित एक पहाड़ी देश है, जिससे भारत के इसके साथ सदियों पुराने सम्बन्ध रहे हैं। भारत ने अम्रेनिया के स्वतंत्र होने के बाद जल्दी ही इसे मान्यता देने वाले देशों में था। दोनों देशों के मध्य मैत्री तथा सहयोग की सन्धि 1995 में हुईं थी। गत दिनों विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा साइप्रस के विदेश मंत्री कोंसटैनटाइनोस कोम्बोस से द्विपक्षीय सम्बन्धों के सारे आयामो तथा रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर जो गहन चर्चा की गईं, उससे निाय ही विश्व में पाकिस्तान सबसे गहरे मित्रों में से एक हम मजहबी और भारत से खुलकर शत्रुभाव रखने वाले मुल्क तरुकिये जरूर हैरान-परेशान हुआ होगा, जो पहले ही भारत की सेना के ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान अपने दोस्त पाकिस्तान को दिये उन एक से एक नायाब, आचूक और घातक समझे जाने वाले हथियारों के बेअसर साबित होने से सदमे में आया हुआ है, जिन्हें पर उसे बहुत नाज/फव्रा था। उसने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत भी 'जैसे को तैसा' देने वाली वूटनीति को अपनाते हुए उसे ऐसा प्रत्युत्यर देगा। इसी नीति के तहत भारत तरुकिये के जानी दुश्मन पड़ोसी मुल्क साइप्रस के अलावा ग्रीस/यूनान तथा अम्रेनिया से और भी सुदृढ़ रिश्ते बना रहा है। साइप्रस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाईं में हमेशा से भारत का साथ देता आया है जिसके लिए भारत भी उसकी प्रशंसा करता आया है। अब यह यूरोपीय संघ का अध्यक्ष बनने वाला है। भारत-ईंयू से सम्बन्धों को भी मजबूत करने को लेकर तत्पर है। विदेशमंत्री जयशकर ने इण्टरनेट मीडिया यह लिखा, साइप्रस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के साथ भारत-यूरोपीय संघ (ईंयू) रिश्ते को सुदृढ़ बनाने पर भी बात हुईं है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच भारत और ईंयू के बीच होने वाले मुत्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर भी चर्चा हुईं होगी। कभी इस्लामिक दुनिया का खलीफा रहा तरुकिये पिछले वुछ सालों से वह एक बार फिर से पुराने मुकाम को हासिल करने में लगा है। इसके लिए वह अपनी सीमाओं के विस्तार करने के साथ दुनियाभर के इस्लामिक मुल्कों की हथियारों समेत हर तरह की मदद के लिए तैयार रहता है। ऐसे में उसका पड़ोसी मुल्क और दूसरे गैर इस्लामिक मुल्कों से टकराव ओर दुश्मनी होना स्वाभाविक है। अपने देश के सरहदों को बढ़ाने को लेकर एक ओर जहाँ तरुकिये का पड़ोसी मुल्क साइप्रस और ग्रीस से उसका विवाद तथा शत्रुता है, वहीं वह हम मजहबी मुल्क अजरबैजान और पाकिस्तान की खुलकर हथियार देता आया है। इतना ही नहीं, तरुकिये अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर के मुद्दे को पाकिस्तान के पक्ष में उठाता आया है, ऐसे में उससे भारत का रूष्ट होना लाजमी है। लेकिन उसने इसकी कभी भी परवाह नहीं की है। यहाँ तक कि उसने पहलगाम में इस्लामिक दहशतगर्दो की हत्याओं की भी निन्दा नही की, इसके विपरीत उसने भारत के ऑपरेशन सिन्दूर की खुलकर मजम्मत की है, जबकि भारत ने उसके यहाँ आए भूकम्प से सबसे पहले मदद भेजी थी। अब चर्चा करते है कि एक-एक कर तरुकिये के पड़ोसी मुल्क साइप्रस, ग्रीस और अम्रेनिया की करते हैं, जिनसे उसकी दुश्मनी है। इनमें साइप्रस भूमध्य सागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र है जिस पर सन्-1974 में तरुकिये ने हमला कर उसके एक बड़े भाग (36 प्रतिशत) पर कब्जा कर लिया। फिर 1975 बीते-बीते तरुकिये ने वहाँ के 1,62,000 से अधिक ईंसाइयों को अपना सबवुछ छोड़कर उनके ही मुल्क से पलायन को मजबूर कर दिया। इसके बाद तरुकिये ने यहाँ पर मुसलमानों को बसा कर जनसांख्यिकीय बदल दी है। इसी भूभाग को तरुकिये ने 'उत्तरी साइप्रस तरुकिये गणराज्य' (एनआरएनसी) नामक एक देश में बदला दिया। यह अलग बात है कि अब तक इसे तरुकिये के अलावा दुनिया के किसी भी मुल्क ने मान्यता नहीं दी है। इस कारण वर्तमान में साइप्रस उसे अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता है। भारत साइप्रस-तरुकिये विवाद का संयुत्त राष्ट्र के प्रस्तावो के अनुरूप शान्तिपूर्ण समाधान की माँग करता रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका में तरुकिये विदेश मंत्री के साथ भेंट में भारत के इसी रुख पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने लीबिया के विदेश मंत्री नजला एल्मैंगोश से वहाँ से उथल-पुथल पर वार्ता करके भी तरुकिये का सख्त सन्देश दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहायता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएं और छुपाएं नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और अपनी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और क़र्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद–ब–ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा ख़ासा मुनाफ़ा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयों पे ले जा सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्र हुए, तो [illegible] को दृढ़ करेंगे। आपकी उपलब्धियां आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम में खराबी की वजह से आज आपका कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। [illegible] आपके व्यक्तित्व की तारीफ़ करेंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। [illegible]

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियां आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाखुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति महसूस होगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ़ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से ख़ुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफ़ा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 09:38 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 03:32 तक
योग : शिव दोपहर 01:07 तक
करण : तैतिल प्रातः 09:38 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 08:51 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– चन्द्र वासरे, सोमेश्वर पूजन

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वच्छता और योग होगा तो गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा देश : सैनी

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में स्वच्छता और योग होगा तो देश गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रदेश में 27 मई, 2025 से स्वच्छता अभियान चलाकर शुरू कर दिया गया है। 21 जून के आयोजन के लिए योग की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब यूएनओ में योग का प्रस्ताव रखा तो 177 देशों ने इस पर अपनी सहमति दी और हमारी धरा से निकाला योग विश्व में हर जन–जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने योग पद्धति को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। योग किसी एक व्यक्ति या एक विचार का कार्यक्रम नहीं है। योग में हमारी प्राचीन विचारधारा सम्मलित है। ऋषियों ने हमें उपहार के तौर पर योग और ध्यान दिया है। योग करने से मनुष्य हृष्ट–पुष्ट रहता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज

मल्टीआर्ट कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य़मंत्री ने संस्थाओं, एनजीओ, व्यापारी संगठन और सभा में मौजूद अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। साथ ही पतंजलि योग पीठ को शहर में हर घर तक योग का निमंत्रण पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को देश–दुनिया में पहुंचाने का काम ऋषि स्वामी रामदेव ने किया है। भगवान श्रीकृष्ण की धरा धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 21 जून को बाबा रामदेव का आगमन कुरुक्षेत्र वासियों के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वस्थ्य है, जबकि हरियाणा सरकार ने इसके साथ योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा को भी जोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग छोटी–छोटी बीमारियों को दूर करने के लिए दवा लेने लगे हैं, जबकि योग से उन बीमारियों पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इसलिए हम सभी को योग को अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं को नशे से बचाना है तो उन्हें योग को अपनाना होगा। योग हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है।मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र वासियों से आग्रह करते हुए कहा कि 21 जून को सभी अपनी निंद्रा को छोडक़र सुबह 4 बजे ब्रह्मसरोवर व मेला ग्राउंड में पहुंचकर योग के इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें और जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, उसको प्रमुखता के साथ निभाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ये केवल मात्र योग दिवस नहीं है बल्कि एक मेला है। जिस प्रकार हम दीपावली, होली, भाईदूज जैसे त्योहारों को मनाते हैं, इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भी उसी प्रकार मनाया जाए।

इस कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी गई कि ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड को 103 सेक्टरों में बांटा गया है। इनमें से 64 सेक्टर ब्रह्मसरोवर और 37 सेक्टर मेला ग्राउंड व आसपास के क्षेत्र में बनाए गए हैं। हर सेक्टर में एक हजार साधकों के योग करने की व्यवस्था बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने सभागार में मौजूद संस्थाओं, एनजीओ व अन्य लोगों को जीवन में नियमित रूप से योग, प्राणायाम और ध्यान को अपनाने, नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इसके अलावा अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल में योग का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित भी किया। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के लोगों के लिए सौभाग्य की बात है।

देशभर में विशेष योग पखवाड़ा कार्यशाला में 1,37,468 लोगों ने किया योगाभ्यास

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश को एक स्वस्थ, नशामुक्त और पर्यावरण–संवेदनशील राज्य बनाने की कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में खेल विभाग, आयुष विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग तथा पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्वावधान में विशेष योग पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रदेश में अब तक लगभग 9.50 लाख प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की जा चुकी है।

आज प्रदेशभर में 1,37,468 लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया तथा 2,640 पौधे लगाए गए। अब तक कुल 40,721 पौधे लगाए जा चुके हैं।

बता दें कि 21 जून 2025 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेशभर में पूर्व तैयारियां की जा रही हैं। ताकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के योगयुक्त–नशामुक्त हरियाणा के विजन को साकार किया जा सके।हरियाणा खेल एवं आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल शरीर की क्रियाओं तक ही सिमित नहीं है बल्कि यह एक पूर्ण जीवनशैली है, जिसमें आत्म–संयम, संतुलन और स्वास्थ्य समाहित हैं।

बिना भेदभाव काम करना भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति : बड़ौली

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली रविवार को सोनीपत में बाबा गुरु गोरखनाथ धाम और व्हाइट लिली सोसाइटी स्थित मंदिर में पहुंचे। यहां उन्होंने श्रद्धा भाव से माथा टेककर प्रदेश की सुख–समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगल कामना की। इस मौके पर बड़ौली ने लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक विषयों पर बातचीत की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के शासन में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। बिना भेदभाव के काम करना ही भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि जन–सेवा का मार्ग तभी सार्थक होता है जब हम जनता के बीच रहकर उनकी भावनाओं को समझें और मिलकर समाधान निकालें। हर मुलाकात, हर चर्चा एक नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि जनता के सुझाव ही हमारी नीति और नीयत की दिशा तय करते हैं।सोनीपत स्थित गुरु गोरखनाथ धाम में माथा टेकने के बाद उन्होंने कहा कि सदियों से गुरु गोरखनाथ जी की तपोभूमि अध्यात्म, साधना और सेवा का प्रतीक रही है।

गहलोत के बिजली कटौती के दावे झूठे, लोगों को कर रहे भ्रमित : हीरालाल नागर

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा एक्स के माध्यम से उठाए बिजली कटौती के दावों को खारिज किया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके कोई मुद्दा नहीं है इसलिए झूठे ट्वीट करके लोगों को भ्रमित करते हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के अदूरदर्शी निर्णयों से पिछली गर्मी में प्रदेश की जनता को परेशानी झेलनी पड़ी। गहलोत सरकार के कुप्रबन्धन एवं बैंकिंग के कारण से हमें पिछली गर्मी में लगभग 1000 मेगावाट रोजाना खरीदना और लौटाना पड़ा। बिजली के कुप्रबन्धन के साथ जिस तरह का तंत्र पिछली कांग्रेस सरकार ने हमें दिया वो किसी से छिपा नहीं है।

नागर ने कहा कि इस बार की गर्मी में जनता को बिजली को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई है। सिर्फ कुछ जगह पूर्व सूचना के साथ ही मेंटीनेस के कारण ही बिजली को बंद किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी प्रकार का लोड़ शेडिंग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमने डेढ़ साल में 1000 मेगावाट से ज्यादा के सोलर प्लांट को बिजली के ग्रिड़ से जोड़ा जा चुका है तथा 10000 से ज्यादा मेगावाट के प्लांट पाइपलाइन में है। बहुत ही जल्द केंद्र सरकार से 4000 मेगावाट का बैटरी स्टोरेज भी मिलेगी तथा यह बैटरी स्टोरेज प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित होगा।

नागर ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में 42 जीएसएस का निर्माण कराया गया, जबकि हम डेढ़ साल में ही 80 जीएसएस का काम पूरा कर चुके है तथा इस साल के अंत तक 130 जीएसएस का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। नागर ने कहा कि देश–प्रदेश प्रगति कर रहा है और इससे बिजली की डिमांड बढ़ रही है। आने वाले समय में बढ़ती बिजली की मांग को ध्यान में रख कर हमारी सरकार कार्य कर रही है।

भजनलाल शर्मा ने सपत्नीक किए गोविन्द देव जी के दर्शन

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह सपत्नीक श्री गोविन्द देव जी मंदिर में मंगला आरती के दर्शन किए।

उन्होंने निर्जला एकादशी के बाद विधिवत पूजा–अर्चना की और प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया।

इस अवसर पर मंदिर के महंत ने मुख्यमंत्री को गोविन्द देवी जी का चित्र एवं प्रसाद भेंट किया।

नीतिका शर्मा ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। गंगा जगद्गुरु धाम अखाड़ा परिषद, ग्वालियर एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान एवं वैदिक खगोल शास्त्र संस्था, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

गंगा जगद्गुरु धाम अखाड़ा परिषद, ग्वालियर एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान एवं वैदिक खगोल शास्त्र संस्था, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह ग्वालियर के जगतगुरु आश्रम में आयोजित किया गया। जिसमे जगद्गुरु आनंदेश्वर महाराज, महामंडलेश्वर संतोषनंद महाराज, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य पंडित प्रेम शंकर शर्मा और अजय शर्मा ने वैदिक, सनातन, धर्म संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नितिका शर्मा को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

ग्वालियर के जगत गुरु आश्रम में एक दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में 170 से अधिक ज्योतिष विद्वानों ने भाग लिया। सम्मान समारोह में शिवानी गौतम, विष्णु शर्मा, रेखा डागर, राकेश डागर, डॉ मीना सहित अन्य विद्वानों को सम्मानित किया गया। टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा का ज्योतिष ज्ञान बहुत ही अद्भुत है और इनका ज्योतिष आंकलन हमेशा सटीक जाता है। नीतिका शर्मा ने ज्योतिष पर अब तक सैकड़ों लेख लिखे हैं। ज्योतिष के लेख विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनल में नियमित प्रकाशित होते रहते हैं। प्रतिदिन टैरो राशिफल भी प्रकाशित होते हैं।

पीलूपुरा में गुर्जर आंदोलन शांत, रेलवे ट्रैक खाली प्रशासन ने सूझबूझ से सुलझाया मामला

भरतपुर, 08 जून (एजेंसियां)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर भरतपुर के पीलूपुरा से एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। आरक्षण समेत कई मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को पीलूपुरा में गुर्जर समाज के लोगों द्वारा जाम किए गए रेलवे ट्रैक को पुलिस प्रशासन की समझाइश और सूझबूझ से आखिरकार खाली करा लिया गया। ट्रैक खाली होते ही कोटा–मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया गया और रेल यातायात सामान्य होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया।

गौरतलब है कि रविवार को बयाना के पीलूपुरा स्थित शहीद स्थल कारवारी में गुर्जर समाज की बड़ी महापंचायत आयोजित की गई थी। महापंचायत में समाज की ओर से सरकार के समक्ष आरक्षण, शहीद स्मारक के विकास, शहीदों के परिजनों को नौकरी और सुविधाओं समेत कई मुद्दे उठाए गए। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने पढ़कर सुनाया और समाज की सहमति से महापंचायत को समाप्त करने की घोषणा कर दी गई।

हालांकि, महापंचायत खत्म होने के कुछ देर बाद कुछ युवकों की भीड़ ने रेलवे ट्रैक पर पहुंचकर कोटा–मथुरा पैसेंजर को रोक दिया।

आंदोलनकारियों ने ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति पर पैनी नजर रखी। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की संयमित और संवेदनशील रणनीति के चलते आंदोलनकारियों को समझाया गया। सामाजिक प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार संवाद के बाद भीड़ को ट्रैक से हटने के लिए राजी किया गया।करीब एक घंटे के प्रयास के बाद ट्रैक पूरी तरह से खाली कराया गया और वहां खड़ी कोटा–मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या झड़प की खबर नहीं है। महापंचायत के दौरान प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक को डायवर्ट कर रखा था। बयाना से हिंडौन की ओर जाने वाले वाहनों को कलसाड़ा, करौली और महवा की ओर मोड़ा गया था, वहीं हिंडौन से भरतपुर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी भुसावर होते हुए निकाला गया। ट्रैक खाली होने और भीड़ के हटने के बाद अब सड़क और रेल यातायात धीरे–धीरे सामान्य हो रहा है।इससे पहले राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने महापंचायत को लेकर बयान देते हुए कहा था कि सरकार संवाद के लिए हमेशा तैयार है। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब सरकार टेबल पर बातचीत के लिए खुद आगे आ रही है तो आंदोलन और महापंचायत की आवश्यकता नहीं रह जाती। विजय बैंसला ने भी आंदोलनकारियों से शांति बनाए रखने और सरकारी स्तर पर हुई बातचीत का सम्मान करने की अपील की थी।

शुभ लाभ

विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025

मक्का उपजा कर किसान कमा रहे मुनाफा : योगी

मुख्यमंत्री ने औरैया में किया मक्का किसानों से संवाद

औरैया/लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत औरैया में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आईसीआर के लैब में बैठे वैज्ञानिकों, कृषि विवि के प्राध्यापकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार ने पहली बार किसान के खेत तक भेजने का कार्य किया है। लैब टू लैंड की प्रक्रिया, बीज से बाजार तक किसान के हित को सर्वोपरि मानते हुए चलाए गए अभियान का हिस्सा है। जिस प्रदेश में किसान पहले केवल एक-दो फसल तक सीमित रह जाता था, आज वहां तीसरी फसल (मक्का) का पांच लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसान के परिवर्तन का आधार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 के तहत रविवार को जनता डिग्री कॉलेज अजीतमल औरैया में मक्का किसानों से संवाद किया।

सीएम ने प्रगतिशील किसानों का सम्मान, किसानों को मिनी किट का वितरण व विभिन्न योजनाओं के पात्रों को अनुदान भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल का अवलोकन किया, बच्चों का अन्नप्राशन कराया और पौधरोपण भी किया। इस दौरान किसानों ने भी अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी के विकसित भारत के अभियान को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का संकल्प यूपी के 20-25 जनपदों में मक्का की खेती के माध्यम से देखने को मिल रहा है। एक किसान प्रति हेक्टेयर ढाई लाख रुपये की आमदनी कर रहा है। यानी एक लाख रुपए की प्रति एकड़ आय हो रही है। वह तीन फसल (आलू, मक्का व धान) बो सकता है। अन्नदाता किसान अपने पुरुषार्थ से देश की समृद्धि में सहायक हो रहा है। सीएम ने कहाकि 9 जून को पीएम मोदी के 11 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने भारत को दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़ा समेत सभी के हितों को संरक्षण करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विरासत व विकास की यात्रा को अनवरत बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में पहली बार अन्नदाता किसान किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बना। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड हर किसान को उपलब्ध हुआ।

इसके बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.86 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला। डीबीटी के माध्यम से इनके खाते में 85 हजार करोड़ रुपए भेजे गए। सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार भी किसानों के भविष्य को संवारने का कार्य कर रही है। 2017 के पहले किसान आत्महत्या कर रहा था। गन्ना किसानों को भुगतान नहीं हो रहा था। मक्का, तिलहन, दलहन, आलू, बाजरा, ज्वार, धान, गेहूं के लिए क्रय केंद्र नहीं चलते थे। 2017 में सरकार ने सबसे पहले 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ कर्ज माफ किया। फिर सिंचाई की क्षमता को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का सहारा लिया। अब तक 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचन की सुविधा दी। 15 लाख निजी ट्यूबवेल को फ्री में बिजली की सुविधा दी गई। इसके बदले सरकार 2700 करोड़ रुपये बिजली विभाग को देती है, जिससे किसानों को फ्री बिजली मिलती है। पीएम कुसुम योजना के माध्यम से अब तक एक लाख से अधिक किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराया गया है।

औरैया के किसानों की मक्का की खेती को देख प्रफुल्लित सीएम ने आश्वस्त किया कि बहुत शीघ्र क्रय केंद्र स्थापित करके एमएसपी की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मक्का पौष्टिक आहार है। स्वीट कार्न, बेबीकॉर्न, बायोफ्यूल व बायो प्लास्टिक भी इससे बन सकता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भी वैल्यू एडिशन व फूड प्रोसेसिंग की बात कही। सीएम योगी ने कहा कि औरैया विकास के नए पथ पर अग्रसर है। पिछली सरकारें महा-पुरुषों का अपमान और जनता से मक्कारी करती थीं। भाजपा सरकार मक्का की खेती के उत्पादन को बढ़ाती और महापुरुषों का सम्मान करती है। किसी ने यहां मेडिकल कॉलेज के बारे में नहीं सोचा, लेकिन आज यहां मेडिकल कॉलेज बन चुका है। सपा ने नाम बदल दिया था, लेकिन हमने अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नाम रख दिया। सीएम ने अहिल्याबाई होल्कर के कृतित्व व व्यक्तित्व की भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में गुंडे-माफिया हावी थे। नौकरियों पर चाचा-भतीजे की दृष्टि के कारण भर्ती विवादित हो जाती थी। नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ होता था। हमने 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है।

15 जून को गृह मंत्री के हाथों यूपी पुलिस के 60 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। हमारी सरकार में 2.16 लाख से अधिक भर्ती केवल यूपी पुलिस में की जा चुकी है। पुलिस को टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया। 1.60 लाख शिक्षक भर्ती के साथ ही अन्य विभागों में भी पारदर्शी नियुक्ति की गई। कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति से हुए निवेश के कारण 65 लाख युवाओं को नौकरी दी है। ओडीओपी के माध्यम से लगभग दो करोड़ नौजवानों को रोजगार की सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरैया के विकास को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि यहां 250 करोड़ से अहिल्याबाई होल्कर मेडिकल कॉलेज का कार्य पूरा हुआ। रिजर्व पुलिस लाइन के लिए 272 करोड़ रुपए उपलब्ध कराया गया। इसका कार्य चल रहा है। औरैया व जालौन को जोड़ने के लिए यमुना पर 151 करोड़ से ब्रिज का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के लिए 24 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र का कार्य प्रगति पर है। कृषि एक्सटेंशन के लिए तीन करोड़ व जिला न्यायालय के लिए 250 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला, राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय के कुलपति आनंद कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल सिंह दोहरे, विधायक गुड़िया कठेरिया, पूर्व सांसद रामशंकर कठेरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया आदि की उपस्थिति रही।

सीएम योगी ने नारायणी देवी को मिनीबीज किट, राजेश दीक्षित को कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए 24 लाख, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत रेशू कुमार को पांच लाख का चेक, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सुमन को स्वीकृति पत्र, पंचायत कल्याण कोष के लिए गुड्डी देवी को चेक, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के तहत कांति देवी को पांच लाख का चेक और श्रीमान सिंह को घरौनी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

ईंट भट्ठों के नियमन के लिए सीएम योगी ने उठाया ठोस कदम

यूपी की ईंट भट्ठा नियमावली 2012 में होगा संशोधन

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग के नियमन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में यूपी पर्यावरण विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जीएसटी विभाग और अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने के साथ-साथ पारंपरिक लाल ईंट के विकल्पों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश बीएन खरे की विधिक राय के अनुरूप ईंट भट्ठों की नियमावली में संशोधन प्रस्तावित किया गया है। इन प्रयासों से न केवल प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि ईंट भट्ठा उद्योग को भी व्यवस्थित और टिकाऊ बनाया जा सकेगा।

प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ईंट भट्ठा उद्योग को नये सिरे नियमित और संयोजित किया जा रहा है। ईंट भट्ठा उद्योग को नियमित करने के लिए नियमावली में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह प्रस्ताव वर्तमान में शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है। इस संशोधन के आधार पर बंद किए गए ईंट भट्ठों को नियमावली के तहत नियमित करने और उद्योग को स्थिरता प्रदान करने का प्रयास है। पर्यावरण विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2012 से पहले प्रदेश में ईंट भट्ठों के लिए कोई स्पष्ट नियमावली नहीं थी। 2012 में बनी नियमावली के तहत एक ओर प्रदेश के लगभग 6500 ईंट भट्ठे अवैध घोषित हो गए थे, लेकिन इसके बाद भी ईंट भट्ठों के अनियमित संचालन के कारण उचित कर संग्रह संभव नहीं हो पा रहा था। वहीं दूसरी ओर नियम के तहत ईंट भट्ठों का संचालन करने वाले कई ईंट भट्ठा मालिकों को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

पूरे प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ था। यूपी में ईंट भट्ठा उद्योग को नियमित करने के साथ-साथ मृदा संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए व्यापक कार्यनीति का निर्माण किया गया है। जिसके तहत पर्यावरण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ अन्य विभागों के समन्वय से प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग का नियमितीकरण किया गया है।

प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग में जीएसटी संग्रह में कमी को लेकर जीएसटी विभाग, पर्यावरण विभाग, और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सहमति प्राप्त सभी ईंट भट्ठों की सूची जीएसटी विभाग को सौंपी जाएगी।

ताकि ईंट भट्ठों से कर संग्रह की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यह कदम ईंट भट्ठा उद्योग में पारदर्शिता और कर अनुपालन को बढ़ावा देगा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पारंपरिक लाल ईंट के विकल्पों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

50 हजार लघु किसानों को मिला 1000 करोड़ का ऋण

यूपी के गांवों में रोजगार के खुले नए द्वार

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विकास और रोजगार सृजन की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने बीते चार वर्ष में 50 हजार से अधिक लघु और सीमांत किसानों को एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का दीर्घकालीन ऋण वितरित किया है। यह ऋण न केवल किसानों की कृषि गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि रोजगार सृजन और पूंजी निर्माण का भी मजबूत आधार बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हरित क्रांति के नए अध्याय की शुरुआत की है। किसानों को दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराकर खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। यह ऋण किसानों के लिए खेती के साथ-साथ कृषि आधारित स्वरोजगार की योजनाओं में भी मददगार साबित हो रहा है। योगी सरकार की नीतियों के चलते अब किसानों को साहूकारों और सूदखोरों के शोषण से मुक्ति मिल रही है। राज्य सरकार की ऋण योजनाएं पारदर्शी और लाभकारी हैं, जिससे किसानों का भरोसा संस्थागत वित्तीय व्यवस्थाओं पर बढ़ा है। योगी सरकार ने मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत किसानों की आमदनी बढ़ाने का अभियान छेड़ रखा है। जहां व्यावसायिक बैंकों की पहुंच नहीं थी, वहां उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक ने किसानों का साथ निभाया। यह बैंक ग्रामीण अंचलों में दीर्घकालीन ऋण पहुंचाकर कृषि विकास को नई दिशा दे रहा है। खासकर उन क्षेत्रों में, जहां बैंकिंग सेवाएं सीमित थीं, वहां यह बैंक किसानों की आर्थिक रीढ़ बना है।

बिजली निजीकरण के विरोध में 22 जून को होगी महापंचायत

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। यूपी में बिजली निजीकरण के विरोध में राजधानी लखनऊ में 22 जून को महापंचायत होगी। इसमें किसान और उपभोक्ताओं के संगठन भी शामिल होंगे। राजधानी लखनऊ में बैठक के बाद विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 22 जून को बिजली महापंचायत करने का ऐलान किया है।

इसमें देशभर के किसानों और उपभोक्ताओं के संगठन सम्मिलित होंगे। संघर्ष समिति ने बताया कि बिजली महापंचायत की घोषणा होते ही कई संगठनों ने संघर्ष समिति से संपर्क किया है।

संघर्ष समिति ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन से निजीकरण पर पांच प्रश्न पूछे हैं। संघर्ष समिति ने कहा है कि प्रत्येक शनिवार और रविवार को संघर्ष समिति 5-5 प्रश्न निजीकरण को लेकर प्रबंधन से पूछेगी। पहला प्रश्न यह है कि ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने 06 जून को चंडीगढ़ में हुए विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि उत्तर प्रदेश की बिजली वितरण व्यवस्था देश में श्रेष्ठतम है।

जब सरकारी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था देश में श्रेष्ठतम हो गई है, तब पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण क्यों किया जा रहा है? दूसरा प्रश्न है कि यदि घाटे के नाम पर निजीकरण किया जा रहा है तो चंडीगढ़ और दादरा नगर हवेली दमन एवं दीव जहां एटी एंड सी हानियां क्रमशः तीन प्रतिशत और 8 प्रतिशत थी।

इन दोनों स्थानों पर विद्युत विभाग मुनाफे में था तो दादरा नगर हवेली दमन एवं दीव और चंडीगढ़ का बिजली का निजीकरण क्यों किया गया ?

तीसरा प्रश्न है कि दिल्ली में निजीकरण के 22 साल बाद भी दिल्ली विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए उपभोक्ताओं के बिजली बिल में निजी कंपनियां 07 प्रतिशत की दर से पेंशन का सरचार्ज वसूलती है, तो सवाल है कि निजीकरण के बाद उत्तर प्रदेश में पेंशन देने के एवज में निजी कंपनियां उपभोक्ताओं से कितने प्रतिशत सरचार्ज वसूलेंगी? चौथा प्रश्न है कि निजीकरण के बाद बिजली कनेक्शन देने के लिए क्या निजी कंपनियों को उपभोक्ताओं से मनमाना बिल वसूलने का अधिकार मिल जाएगा? उदाहरण के तौर पर 12 फरवरी 2025 को आगरा में टोरेंट पावर के एक बिल की कॉपी संलग्न की जा रही है, जिसमें 02 किलो वाट का कनेक्शन देने के लिए उपभोक्ता से 09 लाख रुपए वसूल गया है। उपभोक्ता द्वारा 09 लाख रुपए के भुगतान की रसीद भी संलग्न है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। जबकि, सरकारी व्यवस्था में सिर्फ 1400 में कनेक्शन मिलता है। क्या निजीकरण के बाद उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल और दक्षिणांचल की गरीब जनता के साथ यही होने जा रहा है?

पांचवा प्रश्न यह है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण होने के बाद गरीब किसानों, बुनकरों और गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले उपभोक्ताओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएगी या नहीं? उदाहरण के तौर पर ग्रेटर नोएडा में निजीकरण के 34 साल बाद भी किसानों को सब्सिडी नहीं मिलती, जबकि पूरे प्रदेश में किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही।

यूपी के बौद्ध तीर्थस्थलों को वैश्विक स्तर दे रही योगी सरकार

पांच देशों के 50 विशिष्ट मेहमानों ने यूपी में की बोधि-यात्रा

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार बौद्ध सर्किट के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से मेकांग-गंगा सहयोग (एमजीसी) के तहत बोधि-यात्रा नामक एक फैमिलियराइजेशन ट्रिप का आयोजन किया गया। यह यात्रा 02 से 07 जून तक चली, जिसमें आसियान के पांच देशों कम्बोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम के 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। इस दल में बौद्ध भिक्षु, ट्रैवल एजेंट्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल थे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बौद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बोधि-यात्रा का उद्देश्य श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कुशीनगर, सारनाथ, वाराणसी, लखनऊ और आगरा जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रदर्शित करना था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आनंद बोधि वृक्ष, जेतवन विहार, पिपरवाही स्तूप, महापरिनिर्वाण स्तूप, धम्मेक स्तूप, अशोक स्तंभ और विभिन्न बौद्ध संग्रहालयों का भ्रमण किया।

उन्होंने बताया कि योगी सरकार ने बौद्ध सर्किट के विकास के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने और सांस्कृतिक संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया है।

इससे पहले लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर प्रदेश की समृद्ध बौद्ध धरोहर की जानकारी दी।

पर्यटन विभाग ने परंपरागत स्वागत और विशेष प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अतिथियों को बौद्ध स्थलों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता से अवगत कराया। बोधि-यात्रा के दौरान बी2बी बैठकों का आयोजन भी किया गया, जिससे भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर्यटन मंत्री ने कहा कि योगी सरकार का यह प्रयास न केवल उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को विश्व मंच पर ले जाएगा, बल्कि वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देकर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देगा।

एचडीएफसी बैंक के एमडी को तत्काल निलंबित करने की मांग, 25 करोड़ रुपए के गोलमाल से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

मुंबई के प्रमुख अस्पताल में हुए चौंकाने वाले घटनाक्रमों ने देश में हंगामा मचा दिया है। लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक और प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखकर एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ को निलंबित करने की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रस्ट ने बैंक पर 25 करोड़ रुपये के गबन में संलिप्त होने का आरोप लगाया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि वे मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के जगदीशन और अन्य के खिलाफ एफआईआर दायर करने के आदेश के आधार पर ये कार्रवाई चाहते हैं। 5 जून को भेजे गए पत्र में ट्रस्ट ने आरोप लगाया कि बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संदिग्ध प्रॉपर्टी डील के जरिए 25 करोड़ रुपये की हेराफेरी में मदद की। ट्रस्ट के अनुसार बैंक ने इस लेन-देन में कई 'रेड अलर्ट' के बावजूद कार्रवाई नहीं की और बिना उचित जांच के संबंधित खाता बंद कर दिया। मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 30 मई को बांद्रा पुलिस को शशिधर जगदीशन सहित आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इस पूरे मामले पर बैंक के प्रवक्ता ने कहा, एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ सशिधर जगदीशन को कुछ गलत इरादों वाले लोग निशाना बना रहे हैं, जो बैंक से बकाया ऋण की वसूली को रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रहे हैं। लीलावती ट्रस्ट द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण हैं। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि ट्रस्टी प्रशांत मेहता और उनके परिवार पर बैंक का बड़ा बकाया है, जिसकी अदायगी अब तक नहीं हुई है। पिछले दो दशकों में बैंक ने इसके लिए हर स्तर पर वसूली की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट सहित हर स्तर पर असफल रहने के बाद अब ट्रस्ट ने बैंक और उसके सीईओ के खिलाफ निजी हमले शुरू कर दिए हैं ताकि वसूली के प्रयासों में बाधा डाली जा सके।

न्यूज ब्रीफ

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़कियों के शीशे चकनाचूर

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर रविवार शाम को पथराव होने से रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह हमला टेकानी रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जिसमें सी-7 कोच के 42 और 43 नंबर सीट की खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब वंदे भारत एक्सप्रेस भागलपुर से हावड़ा जा रही थी। जैसे ही ट्रेन टेकानी स्टेशन के पास पहुंची, कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर पथराव कर दिया। इस हमले में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है, लेकिन ट्रेन की दो खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। पथराव से ट्रेन की गति कुछ समय के लिए धीमी कर दी गई, परंतु बाद में उसे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। पूर्व-मध्य रेलवे के मालदा मंडल के डीआरएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टेकानी स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में जेके सीमेंट ने किया 150 करोड़ का निवेश

जम्मू। जेके सीमेंट ने जम्मू-कश्मीर की सैफको सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 60 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 150 करोड़ रुपये में खरीद ली है। इससे जेके सीमेंट अब इस कंपनी में मैनेजमेंट कंट्रोल भी ले लेगा और यह एक साझेदार बन जाएगा। इस सौदे के बाद सैफको अब जेके सीमेंट की सब्सिडियरी बन गई है। यह पहली बार है जब किसी बड़ी सीमेंट कंपनी ने श्रीनगर में निर्माण इकाई स्थापित की है। इससे क्षेत्र की आर्थिक तरक्की को बढ़ावा मिलेगा। सैफको सीमेंट की फैक्ट्री खोनमोह (श्रीनगर) में है, जिसकी क्लिंकर क्षमता 0.26 मिलियन टन और ग्राइंडिंग क्षमता 0.42 मिलियन टन है। कंपनी का साल 2024-25 में टर्नओवर 73.17 करोड़ रुपये रहा। इस अधिग्रहण के बाद जेके सीमेंट को स्थानीय बाजार में मजबूती मिलेगी। जेके सीमेंट भारत की टॉप 10 ग्रे सीमेंट कंपनियों में शामिल है और कंपनी का लक्ष्य 2026 तक उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन तक पहुंचाने का है। जेके सीमेंट का शेयर 5,877.15 रुपये पर पहुंच गए हैं, जो इसका 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है।

हुंदै, मारुति सुजुकी को निर्यात में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। हुंदै मोटर इंडिया चालू वित्त वर्ष में मात्रा के लिहाज से अपने निर्यात में एकल अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही है। दूसरी ओर मारुति सुजुकी अपने निर्यात में मात्रा के लिहाज से लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। हुंदै मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने एक बातचीत के दौरान विश्लेषकों को बताया कि हमारा लक्ष्य दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनना है। हम आने वाले वर्षों में निर्यात में अपनी वृद्धि को जारी रखने की आकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में निर्यात में मजबूत गति आई है। हुंदै मोटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,63,386 वाहनों का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 1,63,155 इकाई था। दूसरी ओर मारुति सुजुकी इंडिया का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में निर्यात बाजारों में चार लाख इकाई बेचने का है।

अंबानी की कंपनी एफकॉन्स को मिला 700 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्रदान किया गया है। जानकारी के मुताबिक एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने गुजरात के दाहेज में विनाइल प्रोजेक्ट पर सिविल, मैकेनिकल, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग कार्यों के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज से 700 करोड़ रुपये का अनुबंध हासिल किया है। इस परियोजना को जून 2026 तक पूरा करने की योजना है। 31 मार्च को समाप्त मार्च तिमाही में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का नेट प्रॉफिट 23 फीसदी घटकर 110.92 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 144.90 करोड़ रुपये था। इससे पिछली तिमाही में कंपनी को 148.85 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं परिचालन से प्राप्त राजस्व वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 3,223.27 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 3,636.43 करोड़ रुपये था। इस तिमाही नतीजे के साथ ही एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये के डिविडेंड को मंजूरी दी थी।

इसके अलावा कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (पूर्णकालिक निदेशक) सुब्रमण्यम कृष्णमूर्ति ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि डेब्ट मीट्रिक में पर्याप्त सुधार हुआ। हमारी ऑर्डर बुक 36,869 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें 10,662 करोड़ रुपये की एल 1 परियोजनाएं शामिल नहीं हैं।

सेबी ने इंडसइंड बैंक के आदेश को संशोधित किया, चल रही जांच के बीच शीर्ष अधिकारियों के नाम किए घोषित

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के खिलाफ अपने अंतरिम आदेश में एक महत्वपूर्ण संदर्भ जारी किया है। जांच में पाया गया कि बैंक ने वित्तीय नुकसान की सूचना छिपाई और निष्कर्षों को स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया। इसके चलते समर्थन और भ्रष्टाचार कर्मीयों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सेबी ने चार वरिष्ठ अधिकारियों को भी नामित किया है जिन्हें प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है। बैंक की स्थिति के बारे में आरबीआई गवर्नर ने जानकारी दी कि सभी प्रयास बैंक को स्थिर करने के दिशा में हो रहे हैं। इसके साथ ही बैंक ने लेखा मानकों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं जिससे उसका प्रदर्शन भी सुधर रहा है। सेबी ने पाया कि बैंक ने 10 मार्च, 2025 तक इन निष्कर्षों का स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया, न ही 4 मार्च, 2025 तक जानकारी को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील डेटा के रूप में चिह्नित किया। केपीएमजी ने कथित तौर पर विशिष्ट लेखांकन प्रविष्टियों सहित संख्याओं को सत्यापित करने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ आगे की चर्चा की। अपने अंतरिम आदेश में, सेबी ने मामले में उनकी कथित भूमिकाओं के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को नामित किया: अरुण खुराना, पूर्व कार्यकारी निदेशक और डिप्टी सीईओ; सुशांत सौरव, ट्रेजरी संचालन के प्रमुख; रोहन जथन्ना, जीएमजी संचालन के प्रमुख; और अनिल मार्को राव, उपभोक्ता बैंकिंग संचालन के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी। इन व्यक्तियों को अगली सूचना तक किसी भी रूप में प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है।

ईओडब्ल्यू के धोखाधड़ी मामले में पुलिस के हत्थे चढ़ा मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़ा धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया है, जिसमें आरोपी अंगद पाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में 18 खाताधारकों ने 467 फर्जी फॉरेन इनवर्ड रेमिटेंस सर्टिफिकेट जमा कराए गए हैं, जिन्हें व्यापार लाभ प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया गया। ईओडब्ल्यू ने पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच में नई रफ्तार मिल गई है। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि अंगद ने अपने परिवार और दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले।

बैंक कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों को प्रोसेस किया गया। जब यह मामला

आरोपी ने दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले

सामने आया, तो अंगद और उसके सहयोगी देश छोड़कर भाग गए। अंगद को हाल ही में अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया था, जहां उसे सीबीआई ने एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी अंगद पाल सिंह उर्फ अंगद सिंह चंधोक को गिरफ्तार कर लिया है। अंगद पाल सिंह ने दिल्ली में 12वीं तक पढ़ाई की है। उनके पिता सुरिंदर सिंह ऑटो स्पेयर पार्ट्स के निर्यातक थे और उनकी फर्म नेशनल ट्रेडर के जरिए काम करते थे। अंगद ने अपने पिता के साथ काम शुरू किया और आयात-निर्यात का ज्ञान हासिल किया। उसने परिवार और दोस्तों की फर्मों को जोड़ा और ऊंचे मुनाफे का लालच देकर यह जालसाजी की। ईओडब्ल्यू के उपायुक्त विक्रम के. पोरवाल ने बताया कि इस मामले में पहले तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। यह एक जटिल मामला है, अंगद की गिरफ्तारी के बाद जांच को नई रफ्तार मिल गई है।

वाहन उद्योग ने चीन से दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात में सरकार से मदद मांगी

वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में तेजी लाने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाई है। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले चुंबकों की आपूर्ति में वाहन उद्योग को बड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तक कोई अनुमति नहीं मिली है और व्यापारिक संबंध को दरकिनार करना पड़ सकता है। चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और संबंधित चुंबकों के लिए निर्यात लाइसेंस को अनिवार्य बनाया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को पहले अनुमति प्राप्त करनी होगी। इस स्थिति में, वाहन उद्योग के व्यापारिक अनुभवी ने भविष्य के लिए चुंबकों की आपूर्ति में बड़ी कठिनाइयां आने की संभावना देखी है।

चीन के निर्यात से भारत की ऑटो कंपनियां परेशान

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

चीन ने दुर्लभ खनिजों के रेयर अर्थ एलीमेंट्स के निर्यात को मंजूरी दे दी है, जिसके कारण भारत की ऑटो कंपनियों को काफी परेशानी हो रही है। चीन के निर्यात से भारत के ऑटो कंपनियों को आवश्यक खनिज तत्वों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने यह मंजूरी देने के बावजूद भी अभी तक इसके लिए मंजूरी नहीं दी है।

चीन के रेयर अर्थ निर्यात को मंजूरी देने का कदम कुछ लोगों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में देख रहे हैं। चीन का दावा है कि रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उभरते क्षेत्रों में इन खनिजों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसके लिए उन्होंने निर्यात मंजूरी देने का निर्णय लिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अमेरिका की तीन प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों के रेयर अर्थ आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस भी प्रदान किए हैं, जिससे कि यह मामला अधिक गहराई से जांच जा सके। इसके अलावा यूरोप के लिए भी निर्यातकों को मंजूरी जल्द ही दी जाएगी। रेयर अर्थ इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लेकर मोबाइल फोन तक में इस्तेमाल होने वाले ये खनिज हाई-टेक चीजों के निर्यात में चीन का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

रेपो रेट में कटौती से फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वालों को होगा लाभ

मुंबई, 08 जून (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे रेपो रेट 5.50 प्रतिशत हो गई है। इस कटौती से होम लोन और कार लोन जैसे ऋण सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, इसका फायदा रेपो रेट लिंक्ड फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ही होगा।

जिन ग्राहकों के लोन अभी भी पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े हैं, उन्हें रेपो रेट में कटौती का कोई फायदा नहीं मिलेगा और ज्यादा ब्याज चुकाना होगा।

पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े लोगों को नहीं मिलेगा फायदा

वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि इस समय ग्राहकों को रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैंक बाजार डॉट कॉम के एक अधिकारी का कहना है कि रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना खासतौर पर इस समय जरूरी है क्योंकि आरबीआई ने इस साल 2025 में तीसरी बार रेपो रेट घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट ज्यादा पारदर्शी है और रेपो रेट में बदलाव का असर तुरंत दिखता है। उदाहरण के लिए अगर किसी के पुराने एमसीएलआर लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 8.5 प्रतिशत है और वे 7.5 प्रतिशत के आसपास रेपो लिंक्ड होम लोन में स्विच करते हैं, तो उनकी ईएमआई में कमी होगी। अधिकारी का कहना है कि यदि आपका मौजूदा बैंक रेपो रेट में कटौती का फायदा नहीं दे रहा है, तो बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प के बारे में सोचें।

इंफोसिस ने गिफ्ट सिटी में नया विकास केंद्र खोला

नई दिल्ली। इंफोसिस ने गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक नया विकास केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र वैश्विक बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) ग्राहकों के लिए समाधान विकसित करेगा। इस केंद्र का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने किया और इसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को समायोजित करने की क्षमता है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह एक प्रमुख प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो वैश्विक बीएफएसआई ग्राहकों के लिए उन्नत डिजिटल समाधान देगा। इसमें बताया गया कि केंद्र की सेवाएं डिजिटल बैंकिंग, नियामक मामलों, व्यापार वित्त, पूंजी बाजार, कार्ड और भुगतान, जोखिम और अनुपालन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैली होंगी।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 : नीदरलैंड के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेगी भारतीय टीम

एम्सटलवीन, 08 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में वापसी कर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम को शनिवार को दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले मैच में टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय टीम के हेड कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरा क्वार्टर उतना अच्छा नहीं रहा। चौथे क्वार्टर में हमने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और गेंद पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन हम गोल पर कोई शॉट नहीं लगा पाए। इस तरह हारना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि मुझे लगा था कि हम ड्रॉ के लिए जोर लगा सकते हैं।

टीम के अगले मैच के लिए तैयार होने के साथ, फुल्टन ने अपनी टीम की मानसिकता पर टिप्पणी की और कहा, हम खुद को जितना संभव हो उतना कठिन बनाना चाहते हैं, खासकर नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ। यह करीबी मुकाबला था और हमारे पास मौके थे, इसलिए हमें बस आगे बढ़ते रहना होगा। हमारे पास अभी सात और मैच हैं, इसलिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

उन्होंने कहा, हमें मैच की रिकॉर्डिंग देखनी होगी, खिलाड़ियों से बात करनी होगी। हमने क्या करने की कोशिश की, इस पर उनकी राय लेनी होगी और फिर देखना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह की बात कही और कहा, पिछले मैच ने हमें सुधार के लिए स्पष्ट क्षेत्र दिए और एक इकाई के रूप में, हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। हर कोई वापसी करने और नीदरलैंड जैसे चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस टीम में हर विरोधी को हराने की क्षमता है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम आगे आने वाले महत्वपूर्ण मैचों में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

प्रतियोगिता में अभी सात मैच और खेले जाने हैं और भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। भारत का लक्ष्य बाकी बचे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना और चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अधिकतम अंक हासिल करना होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेना को कट्टरपंथियों...

जुलाई-अगस्त के दौरान, छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए गए थे। वे शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली सरकार से तंग आ चुके थे; वहां बड़े पैमाने पर दमन हो रहा था। विद्रोहियों के लिए सबसे बड़ी उम्मीद वास्तव में हमारी आवाज थी, मेरी आवाज, और हम जो कर सकते थे वह कर पाए। हमने स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया और हमने वास्तव में सेना को चेतावनी दी कि अगर वे प्रदर्शन रोकने की कार्रवाई में शामिल हुए तो उन्हें शांति मिशनों में योगदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस धमकी का परिणामस्वरूप हमने देखा। तुर्क ने कहा, जब मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम प्रशासन के नए मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला, तो उन्होंने मुझसे तुरंत पूछा, क्या आप हमें स्थिति पर प्रकाश डालने और जो कुछ हो रहा था उसकी जांच करने के लिए एक तथ्य-खोज मिशन भेज सकते हैं? हमने यूनुस के कहने के मुताबिक किया और इससे वास्तव में मदद मिली। मैं पिछले साल बांग्लादेश गया था। विद्रोही छात्र हमारे द्वारा स्टैंड लेने, हमारे बोलने और उनका समर्थन करने के लिए बहुत आभारी थे।

विडंबना यह है कि संयुक्त राष्ट्र का अधिकारी तुर्क लंबे समय से जॉर्ज सोरोस का वेतनभोगी है और हिलेरी क्लिंटन और मोहम्मद यूनुस के साथ उसके घनिष्ठ संबंध हैं। जब इस्लामवादियों और जेहादियों ने तख्तापलट की तैयारी में अपने हिंसक विरोध प्रदर्शन तेज कर दिए, तो यूनुस ने फ्रांस में रहते हुए सीधे तुर्क से संपर्क किया और उनसे बांग्लादेश सशस्त्र बलों पर दबाव डालने का आग्रह किया। यूनुस ने तुर्क से सेना को चेतावनी देने के लिए कहा कि किसी भी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप उन्हें संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन से निष्कासित कर दिया जाएगा। जिससे बांग्लादेश प्रमुख वैश्विक भूमिकाओं, प्रतिष्ठा और राजस्व के स्रोतों से वंचित हो जाएगा।

तुर्क की भूमिका का एक और बेहद चिंताजनक पहलू यह था कि उसने तथाकथित तथ्य-खोज मिशन का आयोजन किया था जिसका उद्देश्य अवामी लीग सरकार द्वारा कथित दमन का दस्तावेजीकरण करना था। इससे पहले, तुर्क ने बांग्लादेश का दौरा किया, यूनुस और उसके जेहादी सहयोगियों के साथ गोपनीय बैठकें कीं और बाद में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसका उपयोग अब शासन द्वारा अपने क्रूर दमन और आतंकवादी गतिविधियों को सही ठहराने के लिए किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा जारी 12 फरवरी 2025 की रिपोर्ट का इस्तेमाल यूनुस अपनी ढाल की तरह कर रहा है। उसी रिपोर्ट को आधार बना कर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार को मानवाधिकारों के हनन और मानवता के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधी के रूप में चित्रित करने का षडयंत्र किया जा रहा है। लेकिन मक्कार यूनुस रिपोर्ट के अध्याय 6 को दबाने में भी अपनी पूरी ताकत लगा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का एक खंड तुर्क चाह कर भी हटा नहीं पाया। रिपोर्ट का अध्याय 6 यूनुस शासन की करतूतों के खिलाफ बहुत बड़ा सबूत है। यह अध्याय पढ़ें तो आपको यह समझ में आएगा कि यूनुस शासन इसे स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छिपाने के लिए इतना बेताब क्यों है।

ओएचसीएचआर रिपोर्ट के अध्याय 6 में भीड़ द्वारा हत्याएं करने, पुलिस अधिकारियों की लक्षित हत्याएं करने और इस्लामिस्ट-जेहादी समूहों द्वारा राजनीतिक विरोधियों का सफाया करने का भयावह और प्रामाणिक विवरण है। इसमें बताया गया है कि कैसे इन चरमपंथी ताकतों ने यूनुस के साथ मिलकर राज्य को पंगु बनाने और राजनीतिक अधिग्रहण की योजना बनाने के लिए हिंसक अभियान चलाए। इस अध्याय को दबाकर, अमेरिकी षडयंत्रकारियों ने अपने गुर्गे यूनुस को सत्ता तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया।

सच्चाई को दबाने की यह परेशान करने वाली कोशिश इस व्यापक सवाल को और भी रेखांकित करती है कि अमेरिकी डीप स्टेट के षडयंत्रों में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल है जो बांग्लादेश में एक अवैध, कट्टर इस्लामवादी-संचालित शासन की रक्षा और वैधता स्थापित करने में लगा है। वोल्कर तुर्क के खुद के कबूलनामे से यह स्पष्ट हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र ने न केवल गाजा में, बल्कि अब बांग्लादेश में भी आतंकवाद और जेहाद को बढ़ावा देने में सक्रिय और विनाशकारी भूमिका निभाई है। 25 मार्च 2025 को मोहम्मद यूनुस ने टेलीविजन पर दिए राष्ट्रीय संबोधन में खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से उनके शासन को निशाना बनाकर अफवाहों और झूठी सूचनाओं के प्रसार को रोकने में मदद करने का अनुरोध किया था। यूनुस ने कहा, हर कोई जानता है कि अफवाहों के पीछे कौन है और क्यों। हमने इन अफवाहों और झूठी सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र से सहयोग मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमें इससे निपटने में अपने सहयोग का आश्वासन दिया है। यूनुस का यह कथन स्पष्ट रूप से यह साबित करता है कि संयुक्त राष्ट्र एक अवैध शासन को सशक्त बनाने की साजिश में लिप्त है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रहा है और बड़े ही सक्रिय रूप से पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है। अमेरिकी डीप स्टेट और संयुक्त राष्ट्र पोषित यूनुस शासन आतंकवाद का नया निर्यातक और पड़ोसी भारत को निशाना बनाने वाले विद्रोही समूहों को अपने यहां पालने-पोसने और उकसाने वाला पाकिस्तानी पार्टनर साबित हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी वोल्कर तुर्क द्वारा सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किए जाने के बाद कि उन्होंने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को इस्लामी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने से रोका था, उस पर और संयुक्त राष्ट्र के उसके सहयोगियों पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का अंतरराष्ट्रीय अदालत में आपराधिक मुकदमा दर्ज होना चाहिए और उस अनुरूप कार्रवाई होनी चाहिए। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्विन लुईस को बांग्लादेश में अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि उसने देश के आंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप किया और मोहम्मद यूनुस और उसके जेहादी-आतंकवादी के नेटवर्क के नेतृत्व वाली इस्लामी फासीवादी सरकार का खुलेआम समर्थन किया।समय आ गया है जब इन षडयंत्रकारियों की असलियत हूबहू दुनिया के समक्ष रखें। कूटनीति और मानवाधिकार की आड़ में संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश में इस्लामी-जेहादी तख्तापलट को वैध बनाने में एक सक्रिय सहयोगी की भूमिका निभाई, इसे पूरी दुनिया को जानना चाहिए। वोल्कर तुर्क, ग्विन लुईस और एंटोनियो गुटेरेस ने आतंक, दमन और राष्ट्रीय हितों के साथ विश्वासघात पर पनपने वाले शासन को सशक्त बनाकर नैतिक और कूटनीतिक आचरण की हर सीमा को पार कर लिया है। इन हस्तियों ने न केवल एक खतरनाक धार्मिक अत्याचार के उदय में सहायता की है, बल्कि 170 मिलियन लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को भी गंभीर झटका दिया है और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के चेहरे पर कालिख पोत दी है। वैश्विक समुदाय को अब इस विश्वासघात और कुचक्र को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। इन षडयंत्रकारियों पर मानवता के खिलाफ अपराधों में सहायता करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियोजन की कार्रवाई होनी चाहिए। अगर बांग्लादेश को अपनी संप्रभुता बचानी है, तो वहां के नागरिकों को दृढ़ संकल्प के साथ उठना होगा और दुनिया को उनके साथ खड़ा होना होगा।

चुनाव को लेकर...

उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति पैनल से हटाने को लेकर भी सवाल खड़े किए। राहुल गांधी यह भूल गए कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हमेशा केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति के द्वारा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इस मामले में सरकार को कानून बनाने का आदेश दिया था। सरकार ने इसके लिए 2023 में चुनाव आयुक्त नियुक्ति अधिनियम बनाया था। इसके लागू होने के बाद 2:1 के पैनल में विपक्ष के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार में विपक्ष की अपेक्षा का भाव नहीं है। इसके बावजूद भी राहुल गांधी द्वारा सवाल उठाया जाना शर्मनाक है। जहां पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में विपक्ष का 1 प्रतिशत भी रोल नहीं था, वहीं अब उनका प्रतिनिधि इस पूरी प्रक्रिया का हिस्सा है। सरकार द्वारा चुनाव आयोग की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश को हटाने का फैसला अनावश्यक न्यायिक बाधाओं को दूर करने और चुनाव प्रक्रिया को गति प्रदान करने के लिए लिया गया है। मतदाताओं की संख्या पर भी बोला झूठः राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस में लिखे लेख में यह बताया कि महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 8.98 करोड़ थी जो 5 साल बाद 2024 लोकसभा चुनाव के लिए बढ़कर 9.29 करोड़ हो गई। उन्होंने प्रश्न उठाए कि 41 लाख की छलांग 5 महीने में कैसे संभव है। इन प्रश्नों का जवाब दर्जनों बार चुनाव आयोग दे चुका है लेकिन फिर भी अगर हम पिछले पाँच लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या के आंकड़ों पर नजर डालें तो इससे यह स्पष्ट होता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी कई बार देखी गई है। वर्ष 2024 में 4.26 प्रतिशत, 2019 में 1.31 प्रतिशत, 2014 में 3.48 प्रतिशत, 2009 में 4.13 और 2004 में 4.69 प्रतिशत (2024 की वृद्धि से भी अधिक) मतदाताओं का अंतर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में देखा गया था।इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी अपनी पार्टी के घटते आधार से खिन्न होकर कुछ भी दावे कर रहे हैं।

मतदान प्रतिशत पर भी दोहराया झूठ पर झूठः राहुल गांधी ने दावा किया कि शाम 5 बजे मतदान प्रतिशत 58.22 प्रतिशत था जो मतदान बंद होने के बाद भी लगातार बढ़ता गया। उन्होंने 76 लाख मतदाताओं के प्रतिशत वृद्धि का भी हवाला दिया। इस मामले में राहुल गांधी चतुराई से एक बात छुपा ले गए। सच्चाई है कि 5 बजे मतदाताओं की नई लाइन लगना बंद होती हैं, लेकिन जितने लोग लाइन में लग चुके होते हैं, उन्हें वोट डालने दिए जाते हैं। कई मामलों में चुनाव आयोग ने वोटिंग का समय भी बढ़ाया है। ऐसे में अंतिम आंकड़े 5 बजे के आंकड़ों से हमेशा ही अलग होंगे। इस मामले पर महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने जवाब देते हुए कहा था कि तय समय के बाद भी मतदान में वृद्धि होना कोई असामान्य बात नहीं है। बल्कि यह प्रक्रियाओं पर आधारित है। महाराष्ट्र के कई शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोग बड़ी संख्या में शाम को मतदान देने आते हैं इसलिए यह कोई असामान्य बात नहीं है। हद तो तब हो गई जब राहुल गांधी ने अपने लेख में यह लिख दिया कि किसी भी मतदान केंद्र पर असामान्य रूप से कोई भी लंबी लाइन, कतार या भीड़भाड़ की रिपोर्ट नहीं मिली है। इसका मतलब राहुल गांधी को यह बात रास नहीं आ रही कि लोग सहजता से आकर मतदान करके जा रहे हैं। स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की अनावश्यक निंदा कर राहुल गांधी घिनौनी राजनीति कर रहे हैं।

लोकसभा-विधानसभा को एक ही तराजू से तौलाः लेख के चौथे चरण में राहुल ने आरोप लगाते हुए यह कहा कि भाजपा 2024 के विधानसभा चुनाव में 149 सीटों पर चुनाव लड़ी, जिसने 132 पर उसे जीत मिली थी। उन्होंने बताया कि पार्टी का स्ट्राइक रेट 89 प्रतिशत रहा जबकि लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट केवल 32 प्रतिशत ही था। राहुल गांधी का यह दावा काफी हास्यास्पद है क्योंकि कुछ समय के अंतर पर छोड़ दीजिए, बल्कि एक ही समय पर राज्य-केंद्र के लिए वोट करने वाला मतदाता अलग-अलग पार्टी को को वोट कर सकता है। इसका सबसे बड़ा उदहारण 2019 के ओड़ीशा और लोकसभा चुनाव हैं। अगर 2019 में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी को ओड़ीशा के लोकसभा चुनाव में 38 प्रतिशत सीट (21 में 8) मिली थी जबकि विधानसभा चुनाव में केवल 15.6 प्रतिशत सीट(147 में से 23) मिली थी। राहुल ने बूथ की चुनिंदा सूची बनाने का भी आरोप लगाया। इस पर चुनाव आयोग उन्हें पहले ही कह चुका है कि वोटर लिस्ट की कॉपी हर चुनाव से पहले अपडेट करके कांग्रेस समेत सभी पार्टी कार्यालयों में भेजी जाती है। ऐसे में सवाल है कि राहुल ने वोटर लिस्ट की कॉपी पर चुनाव से पूर्व ही हंगामा क्यों नहीं किया?

ईवीएम पर संदेह जताने की मौकापरस्त आदत से मजबूरः राहुल गांधी ने अपने लेख के अंतिम चरण में मतदाता सूची, वीडियोग्राफी और सीसीटीवी फुटेज को साझा करने की बात कही। जबकि भारतीय निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पेज पर मतदाताओं की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक रूप से पहले ही उपलब्ध है। राहुल ने चुनाव में धांधली का खेल चलने की आशंका भी व्यक्त की और चुनाव आयोग का भाजपा के साथ मिलीभगत बताया। राहुल गांधी अपने ही देश की एक स्वतंत्र निकाय के ऊपर लगातार उठा रहे अपमानजनक प्रश्नों से बाज नहीं आ रहे।

यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने इस तरह की तथ्यहीन और अपमानजनक बात की है। राहुल इससे पहले भी कई बार चुनाव आयोग और अन्य सरकारी एजेंसियों पर सवाल उठा चुके हैं। समझने वाली बात यह है कि राहुल का यह सवाल कांग्रेस पार्टी के जीतने पर नहीं उठता। जब लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली जो पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम थी तब राहुल ने इसे अपनी जीत और भाजपा की हार बताया था। झारखंड के विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठबंधन में लड़ी कांग्रेस ने जीत के बाद चुनाव आयोग पर कोई सवाल नहीं उठाया। दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस चुनाव आयोग के दिए निर्णय पर सवाल उठने से पहले यह भूल जाती है कि ऐसा करके वह न केवल भाजपा बल्कि खुद अपनी पार्टी के हजारों नियुक्त प्रतिनिधियों को भी कटघरे में खड़ा कर रही है।

राहुल गांधी का असत्य ...

राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों की शाम की सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने संबंधी सवाल पर आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव याचिका दाखिल होने पर मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच सक्षम उच्च न्यायालय ही कर सकता है। चुनाव की शुचिता के साथ-साथ मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए निर्वाचन आयोग ऐसा करता है। राहुल गांधी मतदाताओं की गोपनीयता का उल्लंघन क्यों करना चाहते हैं, जिसकी चुनाव कानूनों के अनुसार निर्वाचन आयोग को रक्षा करनी होती है? किसी भी गड़बड़ी से निपटने के लिए गांधी को उच्च न्यायालयों पर भरोसा करना चाहिए। मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाकर गांधी ने वास्तव में अपनी ही पार्टी द्वारा नियुक्त बूथ स्तर के एजेंट और महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एवं मतगणना एजेंट पर सवाल उठा दिए हैं।

इससे पहले भी निर्वाचन आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया था और इसे कानून के शासन का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग ने कहा, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, लगभग 116 लाख मतदाताओं ने अंतिम दो घंटों में मतदान किया होगा। इसलिए दो घंटों में मतदाताओं की ओर से 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।

प्रत्येक मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों की ओर से औपचारिक रूप से नियुक्त एजेंटों के सामने मतदान आगे बढ़ा। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया। महाराष्ट्र सहित भारत में मतदाता सूचियां जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार की जाती हैं। कानून के अनुसार या तो चुनावों से ठीक पहले और या हर साल एक बार मतदाता सूचियों का विशेष संशोधन किया जाता है और मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी सहित सभी राष्ट्रीय या राज्य राजनीतिक दलों को सौंप दी जाती है।

महाराष्ट्र चुनावों के दौरान इन मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद 9,77,90,752 मतदाताओं के खिलाफ प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (जिलाधिकारी) के पास सिर्फ 89 अपीलें दायर की गईं और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी (सीईओ) के सिर्फ केवल एक अपील दायर की गई। इसलिए यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आयोजन से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की कोई शिकायत नहीं थी। मतदाता सूची के संशोधन के दौरान 1,00,427 मतदान केंद्रों के लिए निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी की ओर से नियुक्त 97,325 बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों की ओर से 1,03,727 बूथ स्तर के एजेंट भी नियुक्त किए गए, जिनमें 27,099 कांग्रेस की ओर से नियुक्त किए गए। इसलिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ उठाए गए ये निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को दिए अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

फिलिस्तीन हमास...

एसआईओ ने एक ऑनलाइन अभियान शुरू किया है, जिसमें मुस्लिमों से ईद के मौके पर टाटा के स्वामित्व वाले ब्रांड जैसे ज़ूडियो और वेस्टसाइड से खरीदारी न करने की अपील की गई। इसके साथ ही संगठन ने ज़ारा, एडिडास, एचएंडएम, टॉमी हिलफिगर, कैल्विन क्लेन, विक्टोरिया सीक्रेट, टॉम फोर्ड, स्केचर्स, प्राडा, डायर और शनेल जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के बहिष्कार करने की अपील की। इसके पीछे भी इनका इजराइली संबंध कारण बताया गया।

एसआईओ ने टाटा समूह पर आरोप लगाया है कि वह इजराइल के साथ व्यापारिक संबंधों के जरिए गाजा में नरसंहार को बढ़ावा दे रहा है। एसआईओ कालीकट के अध्यक्ष मोहम्मद शफाक का दावा है कि टाटा समूह इजराइल को बख्तरबंद लैंड रोवर गाड़ियां देता है, जिनका इस्तेमाल न केवल गाजा में बल्कि कश्मीर के कब्जे वाले क्षेत्रों में भी गश्त के लिए किया जाता है। शफाक ने यह भी आरोप लगाया कि टाटा की फैक्ट्रियों में बनी मिसाइलें गाजा में इजराइल द्वारा इस्तेमाल की जा रही हैं, जो एक भारतीय ब्रांड के लिए बेहद चिंताजनक है। उसने कहा कि एसआईओ अन्याय के खिलाफ सीमाओं की परवाह किए बिना खड़ा रहता है, चाहे वह गाजा हो या अमेरिका के गोरे समुदाय के लोग ।

विचित्र किंतु सत्य यह है कि एसआईओ ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में की गई 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या या भारत विरोधी तुर्की के खिलाफ कोई बहिष्कार अभियान अभी तक नहीं चलाया। टाटा और अन्य ब्रांडों के खिलाफ यह राष्ट्रव्यापी बहिष्कार अभियान इजराइल के खिलाफ शुरू किए गए बीडीएस (बॉयकॉट, डिसइन्वेस्टमेंट और सैंक्शन) आंदोलन से प्रेरित बताया जा रहा है। यह आंदोलन यहूदी विरोधी माना जाता है।

मुस्लिम ब्रदरहुड, जमात और अन्य इस्लामी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा बीडीएस आंदोलन इजराइल के खिलाफ एक्शन की वकालत करता है। इसके तहत इजरायली उत्पादों का बहिष्कार, निवेश की वापसी और आर्थिक एवं राजनीतिक प्रतिबंध शामिल हैं। इस आंदोलन की स्थापना 2005 में कतर में जन्मे फिलिस्तीनी कार्यकर्ता उमर बरगौटी ने की थी और इसमें 100 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें आतंकवादी संगठन अल-हक (जो मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ा है) और पीएलएफपी शामिल हैं। 2009 में ब्रसेल्स में इस आंदोलन के तहत फिलिस्तीन पर रसेल ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य इजराइल के खिलाफ वैश्विक एजेंडा चलाना था। जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन ने अल-हक को 2009 में 2 लाख डॉलर (लगभग 1.70 करोड़) और 2016 से 2020 के बीच 2 मिलियन डॉलर (लगभग 18 करोड़) की फंडिंग दी थी।

2021 में बीडीएस आंदोलन भारत तक तब पहुंचा जब मुस्लिम ब्रदरहुड, कतर, अल-जजीरा, तुर्की और पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे के बहाने भारत के खिलाफ अभियान शुरू किया। इसके तहत इजराइल के खिलाफ स्थापित रसेल ट्रिब्यूनल की तर्ज पर बोस्निया में कश्मीर के लिए रसेल ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई। इसका पहला सत्र दिसंबर 2021 में सेराजेवो और हर्जेगोविना में हुआ। इसका आयोजन भारत विरोधी इस्लामी कट्टरपंथी संगठन कश्मीर सिविटास ट्रिब्यूनल, वर्ल्ड कश्मीर अवेयरनेस फोरम, इटली के परमानेंट पीपुल्स ट्रिब्यूनल और नाहला (सेंटर फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च) एवं जाबिर बाल्कन के सहयोग से किया था।

इसके बाद मार्च 2022 में कश्मीर सिविटास ने एक 32 पेज का टूलकिट भी जारी किया इसमें भारत के खेल, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थानों के बहिष्कार, कंपनियों पर भारत से निवेश वापस लेने और व्यापारिक संबंध खत्म करने का दबाव बनाने, भारत पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने और सैन्य समझौतों को समाप्त करने जैसी अपील शामिल थीं। अगस्त 2019 में मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद एएमपी नाम के इस्लामी संगठन ने इस पर प्रलाप किया और इसके संस्थापक हेटम बाजियन को बाद में कश्मीर के लिए रसेल ट्रिब्यूनल में जज नियुक्त किया गया। एएमपी को पाकिस्तान समर्थित संगठनों स्टैंड विद कश्मीर और साउंड विजन से समर्थन प्राप्त है। यह संगठन जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान से कनेक्शन रखते हैं। टाटा समूह और अन्य भारतीय ब्रांडों के खिलाफ इस्लामी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा बहिष्कार अभियान, इजराइल विरोधी रणनीति की हूबहू नकल है। हालांकि, इन्हें आम जनता की कोई भी सहानुभूति हासिल नहीं है।

बिहार की सभी...

हुए उन्होंने यह ऐलान किया। चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी तरह से एनडीए से अलग नहीं है, बल्कि उनका लक्ष्य गठबंधन को और अधिक मजबूती देना है। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी और मैं बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे ताकि एनडीए को मजबूती मिले और हम एकजुट होकर विजय की ओर बढ़ें। उन्होंने यह भी दोहराया कि लोजपा (रामविलास) हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास रखती है। भोजपुर की सभा में चिराग पासवान ने जंगलराज को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा, जब हम जंगलराज की बात करते हैं, तो लोग इसे केवल राजद से जोड़कर देखते हैं। लेकिन सच यह है कि इसके लिए कांग्रेस भी बराबर की जिम्मेदार है। बिहार के उस दौर में दोनों दल सत्ता में साझेदार रहे और राज्य को अराजकता की ओर धकेला। चिराग पासवान ने एनडीए सरकार द्वारा सामाजिक न्याय के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न दिए जाने को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने जीवनभर पिछड़ों, वंचितों और गरीबों के अधिकार के लिए संघर्ष किया, उसे सम्मान देने का काम हमारी सरकार ने किया है। यह फैसला हमारे सामाजिक समरसता के संकल्प का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भोजपुर के आरा में लंबे समय के बाद एक बड़ी सभा को संबोधित किया। चिराग ने विधानसभा चुनाव को लेकर लग रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए कह दिया कि वे बिहार से नहीं, बल्कि बिहार के लिए विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। इस सभा में हजारों की संख्या में भोजपुर समेत कई जिलों से कार्यकर्ता और समर्थक आरा पहुंचे थे।

लोजपा (रामविलास) द्वारा विधानसभा चुनाव की तैयारी की घोषणा अनौपचारिक रूप से कर दी गई है। नवसंकल्प महासभा के नाम चिराग पासवान ने सभा को संबोधित किया। आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में यह कार्यक्रम हुआ। जहां चिराग पासवान के साथ पार्टी के सभी पांच सासंद, प्रदेश अध्यक्ष, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष मौजूद रहे। चिराग पासवान की सभा में भोजपुर, कैमूर, रोहतास, बक्सर और पटना के अलावा कई जिलों से लगभग 20 से 30 हजार लोग शामिल हुए। मंच पर आते ही चिराग पासवान ने माइक थाम लिया और कांग्रेस-राजद की सरकार की नाकामी से अपने भाषण की शुरुआत की। साथ ही चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव को ले कर भी बड़ी घोषणा कर दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि काफी लोग प्रश्न कर रहे थे कि चिराग विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे या नहीं? इसका जवाब मैं दे दूं कि विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बिहार से नहीं बल्कि बिहार के लोगों के लिए और बिहार के लिए चुनाव लड़ेंगे।

वनवासी महिलाओं से...

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कहा है, आपने जनजातियों को अबुआ सरकार (अपनी सरकार) के सपने दिखाए थे। अब कम से कम उन्हें अपनी वोट बैंक की राजनीति का शिकार न बनाएं। बाबूलाल मरांडी ने सोरेन से तुरंत इस मामले पर ध्यान देने और गलत काम करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की, ताकि ऐसी शर्मनाक घटनाएं दोबारा न हों और जनजातीय समाज की बेटियां अपने ही गांव में सुरक्षित महसूस कर सकें। बाबूलाल मरांडी ने सरना पंथ के त्योहार सरहुल के दौरान हुई एक और घटना का भी जिक्र किया। 1 अप्रैल को रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में सरहुल शोभायात्रा पर इस्लामी हमला हुआ था, जिसमें 8 लोग घायल हो गए थे। घटना के पीछे का कारण सड़कों पर बिजली की लड़ियां और सरना झंडे को लेकर हुआ विवाद बताया गया था।

बाबूलाल मरांडी ने इस घटना के पीछे सरकार को दोषी ठहराया था। बाबूलाल ने कहा था कि हेमंत सोरेन की सरकार में एक समुदाय विशेष को ज्यादा संरक्षण मिल रहा है, जिस कारण उनका दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन न तो सरना स्थलों की रक्षा कर पा रहे हैं, और न ही सरहुल त्यौहार की सुरक्षा सुनिश्चित कर पा रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या पर भी गहरी चिंता जताई है। बाबूलाल ने घाटशिला के एक स्कूल में बच्चों को बांग्लादेश और पाकिस्तान का राष्ट्रगान याद करने का होमवर्क दिए जाने की घटना का हवाला दिया। मरांडी ने इसे झारखंड की जनजातीय मूलवासी पहचान को मिटाने का खतरनाक प्रयोग करार दिया और राज्य को मिनी बांग्लादेश बनाने की साजिश का आरोप लगाया।

बाबूलाल मरांडी ने एनआईए से इस मामले की जांच करने का अनुरोध किया है। क्योंकि मरांडी का मानना है कि वर्तमान राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी कागजात बनाने में मदद करती है। झारखंड हाईकोर्ट ने भी हाल ही में इस समस्या पर चिंता व्यक्त की है और बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर उनके प्रत्यर्पण के लिए एक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ का सबसे ज्यादा खामियाजा जनजातीय समाज को भुगतना पड़ता है, जहां अवैध मदरसे उग रहे हैं और जनजातीय लड़कियों को फंसाकर शादी की जा रही है, जिसका उपयोग बाद में ड्रग्स जैसे अवैध धंधों और सरकारी लाभों के लिए किया जा रहा है।

देश में कोरोना...

मामले मिल चुके हैं। पिछले 24 घंटे में हुई मौतों की बात करें तो केरल में तीन कोरोना संक्रमितों ने दम तोड़ दिया। एक की उम्र 51 साल, दूसरे की 64 और तीसरे की उम्र 92 साल बताई गई। तीनों ही पुरुष थे और तीनों को पहले से कई बीमारियां थीं। ऐसे ही कर्नाटक में भी दो कोरोना संक्रमितों की मौत हुई। जान गंवाने वाले दोनों पुरुषों की उम्र 51 और 78 साल थी। ये दोनों भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से ग्रसित थे। इसके अलावा एक 42 साल के पुरुष कोरोना संक्रमित की मौत तमिलनाडु में हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 48 घंटों में 769 नए संक्रमणों के साथ भारत के सक्रिय कोविड मामले 6,000 के आंकड़े को पार कर गए हैं। बढ़ते कोविड मामलों की वजह से केंद्र सरकार सुविधा-स्तर की तैयारियों की जांच करने के लिए मॉक ड्रिल करा रहा है। सभी राज्यों को ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि भारत में 6,133 सक्रिय कोविड मामले हैं। पिछले 24 घंटों में छह और मौतें हुई हैं। अधिकांश मामले हल्के हैं और घरेलू देखभाल में ही आइसोलेशन के साथ ठीक कर लिए जा रहे हैं। इस साल जनवरी से अब तक देश में 65 मौतें हुई हैं। 22 मई को देश में कुल 257 सक्रिय मरीज थे। इससे पहले 2 और 3 जून को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, आपातकालीन प्रबंधन प्रतिक्रिया (ईएमआर) प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), दिल्ली में केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ मौजूदा कोरोना स्थिति और तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए तकनीकी समीक्षा बैठकों की एक सीरीज आयोजित की गई थी।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत राज्य और जिला निगरानी इकाइयां इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी भर्ती एसएआरआई मामलों और 5 प्रतिशत आईएलआई मामलों के लिए परीक्षण की सिफारिश की जाती है। पॉजिटिव एसएआरआई नमूनों को आईसीएमआर वीआरडीएल नेटवर्क के माध्यम से संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जाता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 09 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने मछली प्रसादम् में की भोजन सेवा

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल ने मछली प्रसादम् में हजारों लोगों के लिए भोजन-पानी सेवा प्रदान की। रविवार, दि. 8 जून को नुमाईश मैदान में लगे पित्ती ट्रस्ट-सेवादल के शिविर एवं आप-तकालीन चिकित्सा शिविर का उद्घाटन परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मत्स्य निगम के चेयरमैन मेट्टू साई कुमार, सांसद अनिल कुमार यादव, ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती ने किया। अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल एवं कैलाश केडिया ने बताया कि इस वर्ष बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के लिए मछली प्रसादम का वितरण आज से किया गया जिसके लिए बाहरी क्षेत्रों से आये लोगों की सेवा पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल ने गत 5 जून से ही भोजन की सेवा आरंभ कर दी। शिविर 9 जून को सुबह तक जारी रहेगा।

शिविर में भोजन की व्यवस्था परहेज की भोजन सामग्री की लाइव प्रदर्शनी लगाई गई जिसकी जानकारी लोगों ने प्राप्त की। इस शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा प्रदान की। शिविर में दमा रोगियों तथा उनके परिजनों में उपमा, पोहा, पुलिहोरा, पूरी सब्जी, पेयजल पैकेट, छाछ, चाय, बिस्किट आदि का निःशुल्क वितरण किया गया। चार दिवसीय शिविर में लगभग हजारों लोगों में भोजन वितरण की व्यवस्था की गई है। शिविर में पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों सहित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी तथा अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में भी अन्य शहरों से आये बंधुओं ने मछली प्रसाद ग्रहण किया जिसमें सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया। शिविर 9 जून सुबह 10 बजे तक जारी रहेगा। अवसर पर शिविर में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नरेश मित्तल, पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती, सेवा दल के संयोजक विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के शशिकांत अग्रवाल, योगेश जैन, उमाशंकर गोयल, सुरेश जगनानी नवीन पटवारी, गोविंद अग्रवाल, गोविंद केडिया, काजल अग्रवाल, नीना अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, दीपा गर्ग, अंजू गोल, अजय तुलस्यान, दीपा गुप्ता, निर्मला केडिया, गोपाल मोर, प्रदर्शनी सोसाइटी के अनिल मिश्रा, नरेन्द्र गोयल, आर.एन. गुप्ता, दिलीप पंसारी, अरुण डाकोतिया, रमेश अग्रवाल, नवीन केडिया, विनोद अग्रवाल, सहित पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने भाग लिया।

बीडीएल, कंचनबाग में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ से भेंट करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल। इस अवसर पर सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी एवं अन्य उपस्थित थे।

मछली प्रसादम् में शिविर द्वारा अग्रवाल समाज ने की हजारों की सेवा

हैदराबाद, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मछली प्रसादम हेतु लगाए गए शिविर का हजारों की संख्या में लोगों ने लाभ लिया। नुमाईश मैदान में शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर महाराजा अग्रसेनजी की पूजा के साथ किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सह-मंत्री कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, मीडिया चेयरमैन अजय अग्रवाल के अलावा रूपेश अग्रवाल, राकेश जालान, डेराज अग्रवाल, सुरिंदर पिट्टी, अशोक बंसल, राज किमार, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, रिंकू गर्ग, आरती अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, हनुमान भालवाले, शिव भालवाले, संजय भालवाले, प्रफुल्ल गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष करोड़ीमलज, सलाहकार महेश नरेथा, ऋतु अग्रवाल, महेश कनोडिया, सूर्य कमल, संजय गुप्ता, संजय अग्रवाल, पवन टिबरेवाल, सुनील केडिया, हरिकिशन सोंथेलिया, लोकेश संघई, अंकित संघी, आनंद संघी, शीतल अग्रवाल, सुरेश टांटिया, धीरज खेतान, ललित अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, पवन डोकानिया, मुकेश अग्रवाल, राज कुमार अग्रवाल, अनिल पटवारी, रामगोपाल, मुकेश गनेरीवाल, गौरव सांघी, अनिल केडिया, उमेश गोयल, गोपाल दास अग्रवाल, उमेशा अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरुआ, शीतल रूंगटा, राजीव अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, रानी अग्रवाल,व अन्य उपस्थित थे।

अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा मछली प्रसादम की शुरुआत के बाद अग्रवाल समाज के शिविर में भी लोगों के लिए मछली प्रसादम की व्यवस्था की गई थी जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये भारी संख्या में लोगों ने मछली प्रसाद को ग्रहण किया और उसके बाद यथासमय 40 से 50 हजार लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। समाज की विभिन्न शाखाओं के सहयोग से भोजन प्रसाद का कार्यक्रम सुबह से ही आरंभ कर दिया गया जिसमें नाश्ते दोपहर एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई। शिविर प्रबंधन एवं भोजन वितरण आदि व्यवस्था समाज की सभी शाखाओं द्वारा की जा रही है।

समाज ने नगर के रेलवे स्टेशन पर सूचना व सहायता केन्द्र भी स्थापित किये जिनके माध्यम से बाहर से आने वाले लोगों के रहने और भोजन की व्यवस्था का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अग्रवाल समाज द्वारा मछली प्रसादम में गत 28 वर्षों से निरंतर सेवा की जा रही है। मछली प्रसादम में 3 दिन का शिविर लगाया गया। साथ ही भजन कीर्तन की व्यवस्था भी की गई। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मछली प्रसादम् में पुलिस कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल ई-जगन (चंपा पेट),महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,अमित गोयल,शीतल गोयल,रश्मित गोयल,निश्का गोयल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,गोपाल गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,वीणा गुप्ता,नयन संघी दिनेश गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

तनाव से मुक्ति का साधन है ब्रम्ह ज्ञान आधारित ध्यान-साधना : साध्वी भावना भारती

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक श्री आई माता मंदिर, पदमाराव नगर, हैदराबाद में मासिक सत्संग, ध्यान, भजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता दिव्य गुरु सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी दर्शिता भारती जी ने कहा, मानव का मन एक सुंदर बगीचे के समान होता है। यदि उसमें प्रेम, शांति और भक्ति जैसे पुष्प नहीं लगाए जाएंगे, तो नकारात्मक विचारों की खरपतवार स्वतः ही उग आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक साधक वही है जो नकारात्मकता से संघर्ष करता है और अंततः अपने सकारात्मक दृष्टिकोण के बल पर हर चुनौती को पार कर जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि एक शिष्य को सदैव यह प्रार्थना करनी चाहिए कि उसके मन में कभी भी नकारात्मक विचार उत्पन्न न हों। इसके लिए ब्रह्म ज्ञान आधारित ध्यान-साधना अत्यंत प्रभावशाली साधन हैं।कार्यक्रम का संचालन संस्थान की दक्षिण भारत संयोजिका सुश्री भावना भारती जी ने कहा कि अध्यात्म का वास्तविक उद्देश्य स्वयं में सुधार लाना है। जब व्यक्ति समय के पूर्ण गुरु की शरण प्राप्त करता है, तो उसे यह ज्ञात होता है कि जीवन की समस्याओं का हल बाहरी दुनिया में नहीं, बल्कि उसकी आंतरिक चेतना में ही निहित है।

इस अवसर पर संस्थान के मंथन प्रकल्प के अंतर्गत 5-15 आयु वर्ग के बच्चों के लिए संस्कारशाला का आयोजन किया गया। महाराज श्री के शिष्यों ने सुमधुर भजनों का गायन किया तथा समापन मंगल आरती और भंडारे के आयोजन के साथ हुआ।

प्रदर्शनी मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा आयोजित मछली प्रसाद्म कार्यक्रम में श्री श्याम कृपा युवा समिति द्वारा अल्पाहार का वितरण किया गया। इस अवसर पर पंकज वर्मा एवं नितेश अग्रवाल का स्वागत सम्मान किया । अवसर पर समिति के रवि गोयल, अजय कुमार, राजेश सोनी, ओम कड़ेल, भारत,रितेश पित्ती एवं अन्य उपस्थित थे।

बजरंग सेना तेलंगाना ने मछली प्रसादम् में भाग लिया

हैदराबाद, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने अपनी टीम के साथ नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित प्रसिद्ध मछली औषधि वितरण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम, जिसमें देश भर से हजारों लोग शामिल होते हैं, एक पारंपरिक उपचार है जो अस्थमा और सांस के रोगियों के लिए लाभकारी माना जाता है। श्री लक्ष्मण राव और उनकी टीम ने अनुशासन बनाए रखने और उप-स्थित लोगों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं का समर्थन करने में सहायता करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कीं, ताकि मछली औषधि तक उनकी सहज भागीदारी और पहुँच सुनिश्चित हो सके। बजरंग सेना की उपस्थिति ने सार्वजनिक सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक समर्थन के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया।

संगठन ने बथिनी गौड़ परिवार के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने पीढ़ियों से इस अनूठी परंपरा को जारी रखा है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

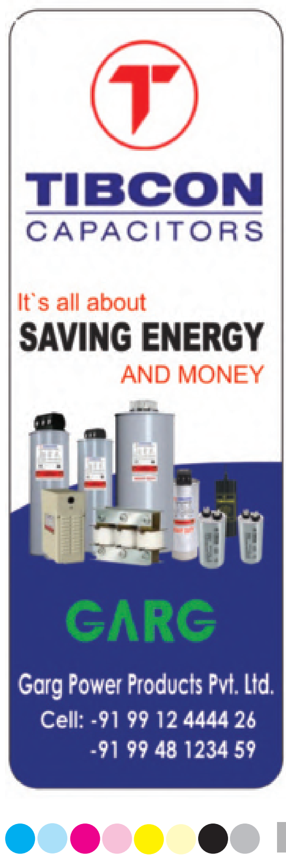

कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए एकीकृत कृषि योजनाओं पर प्रकाश डाला गया

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज तक, रंगा रेड्डी में आईसीएआर-क्रिडा और कृषि विज्ञान केंद्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है जो उनकी प्रतिबद्धता और प्रयास को दर्शाता है। चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के हिस्से के रूप में, अभियान का 11वें दिन 8 जून 2025 को रंगा रेड्डी जिले में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें किसानों और कृषि में महिलाओं को खरीफ फसलों के लिए समकालीन तकनीकों, टिकाऊ खेती के तरीकों, मिट्टी की जाँच, उचित उर्वरक के उपयोग, नवीन कृषि उपकरणों, सरकारी पहलों, ड्रोन के लाभों, फसल विविधीकरण, पर्यावरण के अनुकूल कीट नियंत्रण और पशुपालन और जलीय कृषि में प्रगति के बारे में शिक्षित किया गया। प्राप्त

फीडबैक से प्रतिभागियों में उच्च स्तर की संतुष्टि का संकेत मिला।

चर्चा में खरीफ फसलों के लिए प्रथाओं के व्यापक पैकेज को शामिल किया गया और विभिन्न अंतिम उपयोग के लिए उपयुक्त अनुशंसित किस्मों को शामिल किया गया। किसानों की आय और आजीविका बढ़ाने के लिए समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं पर जोर दिया गया। उत्पादन आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुव्यवस्थित करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया, जिससे किसानों के लिए कुशल वितरण और बाजार पहुंच सुनिश्चित हो सके।

लाभप्रदता और किसानों की आय में सुधार के लिए कृषि योजनाओं को एकीकृत करने पर चर्चा की गई । किसानों द्वारा व्यक्त की गई मांग और आपूर्ति की चुनौतियों को स्वीकार किया गया। ज्ञान हस्तांतरण को आगे बढ़ाने के लिए, क्षेत्र दौरे आयोजित किए गए, जिसमें किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अपनी शुरुआत से ही यह यात्रा किसानों, समुदाय के नेत-ाओं और कृषि विशेषज्ञों के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र के सामने आने वाले ज्वलंत मुद्दों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। प्रतिभागियों को मिट्टी के नमूने, कीट नियंत्रण, फसलों के लिए कृषि तकनीक और मिट्टी प्रबंधन के तरीकों जैसे कई विषयों को कवर करने वाले पर्चे दिए गए। किसानों को विभिन्न उपयुक्त फसलों के लिए मौसम और पोषक तत्वों की कमी के लक्षणों के बारे में भी बताया गया। कृषि विज्ञान में वैज्ञानिक डॉ. बी. भार्गवी, कृषि विस्तार में एसएमएस डॉ. एस. दिलीप और कृषि विज्ञान में एसएमएस डॉ. गौतम वी. चौहान ने आज के कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

पहली टीम ने शमशाबाद मंडल के थिम्मापुर , मदनपल्ली और पेद्दाशापुर गांवों का दौरा किया । इस बीच, दूसरी टीम ने शबद मंडल के मद्दुर , बोब्बलिगाम और तदलापल्ले का दौरा किया। रंगारेड्डी जिले के विभिन्न गांवों में कुल 1,239 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित प्रसिद्ध मछली प्रसादम् ग्रहण करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल एवं भाजपा नेता सपना गुप्ता।

समाज सेवी गेनालाल कुशवाहा कोटा में भामाशाह सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कछवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा की ओर से कोटा (राजस्थान) के नूतन महाराष्ट्र सभा भवन, दादाबाड़ी थाने के पीछे, छोटा चौराहा में कुशवाहा समाज कोटा संभाग के तत्वावधान में समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समाज के आराध्य देव कुश महाराज की पूजा-अर्चना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात खुले अधिवेशन सत्र एवं सामाजिक विचार मंथन का कार्यक्रम आरंभ हुआ। राष्ट्रीय महासचिव मुकुट कुशवाहा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज को व्यापार में आगे बढ़ाने का प्रयास जारी रहेगा और समस्त कुशवाहा समाज को एकता के साथ रहना है और राजनीति में भी सक्रिय होना है। बालक-बालिकाओं ने भी अपना-अपना परिचय दिया। शिक्षित युवाओं ने बताया कि अपने हौसले बुलंद रखो, मंज़िल ज़रूर मिलेगी। स्वयं पर आत्ममविश्वास होना आवश्यक है। कुशवाहा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष नूर सिंह कुशवाहा ने समाज को संबोधित किया और कहा कि युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आना ज़रूरी है। इस अवसर पर कुशवाहा समाज को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, कुशवाहा सैनिकों का सम्मान,

भामाशाह सम्मान प्रदान किये गये। सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नूर सिंह कुशवाहा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री लखपति सिंह कुशवाहा (रिटायर्ड प्रिंसिपल) और राष्ट्रीय महासचिव श्री मुकुट कुशवाहा (विद्यालय निदेशक) के अनुसार महासभा के इस कार्यक्रम में हैदराबाद (तेलंगाना) के सुप्रसिद समाज सेवी श्री गेनालाल कुशवाहा को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया और सर्वसम्मति से कछवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत कर शपथ दिलायी गयी। सम्मान प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री गेनालाल कुशवाहा ने कहा कि कोटा में समाज का इतना भव्य आयोजन करना समाज की एक उपलब्धि है। देश के हर प्रांत से समाज के सदस्यों ने इसमें भाग लेकर समाज की एकता का परिचय दिया है। समाज की एकता का परिचय इस सम्मेलन के माध्यम से देशभर के हर कोने में पहुँचेगा। मैं हैदराबाद से इस सम्मेलन में उपस्थित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। समाज को नयी सोच के साथ नयी राह दिखायी जा रही है। प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर कुशवाहा समाज एक महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है जो समाज के लिए एक प्रशंसनीय कार्य है। हैदराबाद में भी कुशवाहा समाज के सदस्य बड़ी संख्या में हर क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं जो अखिल भारतीय कुशवाहा समाज से जुड़ चुके हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोटा दक्षिण के विधायक (एमएलए) श्री संदीप शर्मा ने की उन्होंने सभी का सम्मान किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि सनातनी क्षत्रिय कुशवाहा समाज ईमानदार, परिश्रमी समाज है जो हमेशा धरती फाड़कर खेती कर अपनी आजीविका का निर्वहन करता आ रहा है। धीरे-धीरे समाज में उन्नति हो रही है, बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का जो प्रयास समाज द्वारा किया जा रहा है वह प्रशंसनीय और सराहनीय है। मुख्य अतिथि राजेश बिरला जी ने संबोधित करते हुए कहा कि कुशवाहा समाज कृषि आधारित समाज है, लेकिन इस समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। मैं इसलिए कह रहा हूं कि इतनी बड़ी संख्या में आप लोग यहाँ जमे हुए हैं, यही समाज के प्रति समर्पण की भावना है। आप धैर्य रखकर इतना अच्छा कार्यक्रम करके समाज को जोड़ने की दिशा में एक अनूठा प्रयास कर रहे हैं, मेरे छोटे भाई श्री ओम बिरला जो लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं वह आपके हर सुख-दुख में खड़े रहते हैं और रहेंगे। आज वह विदेश यात्रा पर होने के कारण आपके बीच नहीं आ सके हैं। झालवाड़ा निवासी मुरारीलाल कुशवाहा ने हैरत अंगेज करतब दिखाकर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर दिया, उन्हें भी श्री राजेश बिरला जी ने सम्मान प्रदान किया। अंत में संभागीय अध्यक्ष लालचंद कछवाहा ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और उपस्थित श्रोताओं का आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया।

हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद के 90वें वार्षिकोत्सव को सफल बनाने का आह्वान

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 90वें वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए 10 जून, 2025 को प्रातः 10,00 बजे तक हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद, नामपल्ली में स्थित सभागृह में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना राज्य के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में परिवहन एवं बी सी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक और संचार, उद्योग एवं वाणिज्य और विधायी मामलों के मंत्री, डी श्रीधर बाबु, सम्माननिय अतिथि के रूप में निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय नई दिल्ली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा, शिक्षा विभाग भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के प्रो सुनील बाबूराव कुलकर्णी उपस्थित होंगे। हिन्दी भाषा के लिए विशेष कार्यकर्ता महानुभावों को विशिष्ट हिन्दी सेवी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

विद्यालय स्तर, कॉलेज स्तर पर आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में सहभागी छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त, हुए विद्यार्थीयों को प्रशस्ति पत्र, मेडल आदि दिए जाएंगे।

हिन्दी प्रेमी, प्राध्यापक-प्राध्यापिका, अध्यापक, प्रचारक, केन्द्र व्यवस्थापक एवं हिन्दी प्रेमियों से आग्रह किया गया है कि कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर सफल बनायें।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभा के प्रधान मंत्री एस गैबुवली, अध्यक्ष प्रो चंद्रेव, परीक्षा मंत्री प्रो सुरेश पुरी, कोषाध्यक्ष एस गिरधर राव, विशेष अधिकार श्रुतिकान्त भारती, तेलंगाना हिन्दी प्रचार सभा के अध्यक्ष के रामचंदर, मंत्री ए के राजु, विवरण पत्रिका की सहयोगी संपादिका डॉ सुषमा देवी, मिलिन्द प्रकाशन की संचालिका श्रीमती विभा भारती, कार्यालय मंत्री के वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, शिवलिंगम, माया पाण्डेय आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कैनेडी स्पेस सेंटर से 10 जून को उड़ान भरेगा अभियान दल

41 साल बाद अंतरिक्ष में कदम रखने जा रहा भारतीय

अभियान दल में वायुसेना पायलट शुभांशु शुक्ला शामिल

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। भारत 10 जून 2025 को एक नया इतिहास रचने जा रहा है। इस दिन ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन का नेतृत्व करेंगे। शुभांशु अपने 3 साथियों के साथ अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे।

यह मिशन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 1984 में राकेश शर्मा की ऐतिहासिक उड़ान के 4 दशक बाद किसी कोई और भारतीय यह उपलब्धि हासिल करेगा। शुभांशु शुक्ला की यह उड़ान न केवल भारत के लिए एक गौरवपूर्ण पल है, बल्कि यह देश की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम और वैज्ञानिक प्रगति की दिशा में रणनीतिक कदम भी है। अगर मौसम अनुकूल रहा, तो 10 जून 2025 को स्पेसएक्स का फाल्कन 9 रॉकेट फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरेगा, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए दो सप्ताह की यात्रा पर रवाना होंगे। इसमें ही भारतीय वायु सेना के प्रतिष्ठित पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी शामिल होंगे। वे 41 वर्षों बाद किसी क्रू स्पेस मिशन में भाग लेने वाले पहले भारतीय होंगे, जिससे भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में ऐतिहासिक वापसी होगी। इस मिशन को एक्सिओम मिशन 4 (एएक्स-4) नाम दिया गया है, जिसका संचालन ह्यूस्टन स्थित निजी अंतरिक्ष कंपनी एक्सिओम

स्पेस कर रही है।

यह मिशन इसलिए भी विशेष है क्योंकि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक मील का पत्थर होगा। शुभांशु शुक्ला अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनी एक्सिओम के चौथे मिशन में जा रहे हैं। वह इस मिशन में पायलट होंगे। यानि इस मिशन के स्पेसक्राफ्ट को वही चलाएंगे। उनके साथ एक अमेरिकी, एक हंगेरियन और एक पोलिश अंतरिक्ष यात्री होंगे। एक्सिओम के इस मिशन की अगुवाई नासा की पूर्व वैज्ञानिक पेगी व्हिस्टन करेंगी। एक्सिओम इस मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग, उनके स्पेस सूट, अंतरिक्ष में उपयोग होने वाले उनके सामान और बाकी सारी एजेंसियों के साथ समन्वय के लिए जिम्मेदार है। वहीं एलन मस्क की स्पेसएक्स इस मिशन के लिए क्रूड्रैगन स्पेसक्राफ्ट देगी। इसमें 7 लोग अंतरिक्ष को जा सकते हैं। यह फाल्कन रॉकेट पर लगाया जाएगा। इसे नासा के लॉन्च सेंटर से अंतरिक्ष में भेजा जाए। नासा इन अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस में सुविधा, उनके रहने समेत बाकी सुविधाएं देगा। वह यह भी पक्का करेगा कि इस मिशन में सारे स्टैंडर्ड पूरे हो रहे हों। एक्सिओम इससे पहले तीन बार ऐसे मिशन पूरा कर चुका है। एक्सिओम का यह मिशन क्राफ्ट अंतरिक्ष में जाकर शुक्ला और बाकी तीन यात्रियों को आईएसएस के कोलंबस मॉड्यूल में छोड़ देगा। वहां वे लगभग 14 दिन तक रहेंगे और रिसर्च करेंगे। इसके बाद वह जमीन पर लौटेंगे।एक्सिओम-4 मिशन मानव शरीर विज्ञान, पृथ्वी अवलोकन, भौतिक विज्ञान और अंतरिक्ष कृषि जैसे क्षेत्रों में 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक्सिओम-4 मिशन भविष्य में दुनिया का पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की एक्सिओम स्पेस की महत्वाकांक्षी योजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि आईएसएस-आधारित यह अस्थायी अनुसंधान मिशन कंपनी को व्यावहारिक अनुभव और मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा, जो इस दशक के अंत तक उसके स्टेशन के विकास में सहायक होगा। एक्सिओम-4 मिशन में चार सदस्य शामिल हैं। इसकी कमांडर पैगी व्हिटसन हैं। वह पूर्व आईएसएस कमांडर हैं और अमेरिका की सबसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 675 दिन से अधिक समय बिताया है और दस बार अंतरिक्ष में चहलकदमी की है।उनके साथ पायलट शुभांशु शुक्ला हैं जो कि एक लड़ाकू पायलट, परीक्षण पायलट और भारत के गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं। उनके साथ मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज़्नान्स्की-विस्निएव्स्की (पोलैंड) हैं जो विकिरण विज्ञान और उच्च ऊर्जा भौतिकी में पृष्ठभूमि वाले एक सर्न इंजीनियर और ईएसए रिजर्व अंतरिक्ष यात्री हैं। इसके अलावा उनके साथ हंगरी के मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापू हैं। वह हंगरी के हुनोर अंतरिक्ष यात्री कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित एक मैकेनिकल इंजीनियर, जो अंतरिक्ष विकिरण और जीवन विज्ञान में विशेषज्ञता रखते हैं।मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला भारतीय वायुसेना के पायलट हैं। वर्तमान में वह ग्रुप कैप्टन के पद पर हैं। वह 2006 में वायुसेना में भर्ती हुए थे। शुक्ला को सुखोई-30, मिग-21, मिग-29, डोर्नियर समेत बाकी विमान उड़ाने का 2000 घंटे से अधिक का अनुभव है। शुक्ला को 2019 में रूस भेजा गया था ताकि वह अंतरिक्ष में जाने की ट्रेनिंग ले पाएं। वह इसके बाद से लगातार गगनयान मिशन और इस मिशन की तैयारी में लगे हुए हैं। 40 वर्षीय शुक्ला एक बच्चे के पिता हैं। अब वह इसरो के पहले अंतरिक्ष यात्री बन गए जाएंगे। अब एक्सिओम-4 मिशन में वे पायलट की भूमिका निभा रहे हैं, जो मिशन कमांडर के बाद दूसरी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें उन्हें नेविगेशन, डॉकिंग और आपातकालीन युद्धाभ्यास जैसी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

महिला मंडल की ब्राह्मी जोन ने की सम्यक सामयिक

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चल रहे 25 सामयिक जोन में ब्राह्मी जोन में इस महीने की सामयिक डी.वी.हाउस स्थित श्री विनोद कुमार नीता डागा के यहां पर दोपहर 3 से 4 रखी गई।लगभग 40 बहनों की उपस्थिति में सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र का जप किया गया मंगल भावना एवं नित नेम के पश्चात आज की कार्यशाला में आन्ध्र तेलंगाना आगम प्रभारी श्रीमती रेखा सकलेचा ने बहुत ही सुंदर और सरल तरीके से उदाहरण सहित पच्चीस बोलों की व्याख्या की

तथा सभी से नमो जिणाणं जिय भयाणं का कम से कम पन्द्रह मिनट जाप करने का आग्रह किया एवं संघ गान का गायन किया गया ।

मंडल की मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी ने 16 मई को होने वाली साधारण सभा में सभी बहनों को उपस्थित होने का आग्रह किया एवं नीता डागा द्वारा किए प्रयास की सराहना की ।सामायिक के पश्चात् धार्मिक तंबोला,क्विज एवं प्रश्नोत्तरी के गेम खिलाये गए जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया । सामायिक में प्रेक्षा प्रशिक्षिका श्रीमती निर्मला जी बैद सामायिक ज़ोन मुख्य संयोजिका श्रीमती रीता सुराणा एवं श्रीमती प्रभा दूगड़ की विशेष उपस्थिति रही।अंत मे सभी ने श्रीमती रेखा संकलेचा का आभार ज्ञापन किया एवं श्रीमती चांद बैद ने नीता डागा एवं परिवार का आभार व्यक्त किया ।

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित मछली प्रसादम वितरण में युधिष्ठिर शर्मा, चंद्रमोहन, जयसवाल, उङ मीणा, विकास कुमार शर्मा, आनंद कुमार शर्मा प्रसाद लाभार्थी सपना जायसवाल दौसा राजस्थान मधु शर्मा ने महाप्रसाद का लाभ लिया।

श्री मरुधर केसरी ओसवाल जैन संस्थान भवन सारण के साधारण आमसभा आमंत्रण होटल आरटीसी क्रॉस रोड हैदराबाद में बैठक सम्पन्न हुई और 3 साल के लिए नई टीम का गठन किया गया। जिसमें चैयरमेन-मीठालाल डंक, वाइस चेयरमैन-लादूराम कटारिया, मार्गदर्शक-गौतमचंद डंक, बी जयंतीलाल गुगलिया, अध्यक्ष श्रीमान-अशोककुमार डंक, कार्य अध्यक्ष-माणकचंद पोकरणा, महामंत्री-कांतिलाल डंक, कोषाध्यक्ष-कमलेशकुमार गांधी को निर्विरोध घोषित किया गया। कार्यअध्यक्ष मानक पोकरणा द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया।

धन के अभाव से ग्राम पंचायतों के ट्रैक्टरों के रखरखाव में दिक्कत, स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान बाधित

मंचेरियाल, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला ग्राम पंचायतों के लिए ट्रैक्टरों का रखरखाव एक बड़ी चुनौती बन गया है। जो पहले से ही धन की कमी के कारण सफाई और अन्य कार्यों के लिए संघर्ष कर रहे है। गांवों को साफ-सुथरा रखने के लिए तत्कालीन बीआरएस सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को कूड़ा इकट्ठा करने और निर्धारित डंपिंग यार्ड में निपटान के लिए एक ट्रैक्टर मंजूर किया था। इसके अतिरिक्त हरितहरम कार्यक्रम के तहत लगाए गए पौधों को पानी की आपूर्ति के लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराए गए थे। नरेगा के तहत सड़कों के किनारे पौधे लगाए गए और हर गांव में पल्ले प्रकृति वनम भी विकसित किए गए। पानी की आपूर्ति और इन हरित स्थानों को बनाए रखने के लिए ट्रैक्टर बहुत जरूरी होते हैं। हालांकि कई गांवों में ट्रैक्टरों के न चलने की वजह से सफाई और सिंचाई संबंधी काम बाधित हो गए हैं। कुछ बड़ी पंचायतें ट्रैक्टर की सेवाएं ले पा रही हैं जबकि छोटी पंचायतें वित्तीय बाधाओं के कारण ऐसा नहीं कर पा रही है। वित्तीय संकट के पीछे मुख्य कारण निर्वाचित ग्राम पंचायत निकायों की अनुपस्थिति को बताया जा रहा है। ट्रैक्टरों का संचालन पहले राज्य और केंद्रीय वित्त आयोग के फंड से होता था। जो अब डेढ़ साल पहले ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के कारण रोक दिया गया है। नतीजतन कोई फंड जारी नहीं हो रहा है और सफाई जैसे आवश्यक काम ठप हो गए हैं। कुछ मामलों में ट्रैक्टर चलाने के लिए बहुउद्देशीय श्रमिकों को तैनात किया गया है। हाउस टैक्स संग्रह का उपयोग डीजल खरीदने और अन्य परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा रहा है। आपात स्थिति में ग्राम पंचायत अधिकारी निजी ड्राइवरों को काम पर रख रहे हैं क्योंकि गांवों में ट्रैक्टर ड्राइवरों की कमी है। सिर्फ़ ट्रैक्टर ही नहीं अलगाव शेड, पल्ले प्रकृति वन, कब्रिस्तान और अन्य नागरिक कार्यों के रखरखाव की भी उपेक्षा की गई है। पूर्व सरपंच बुदिदा मल्लेश ने गांवों की बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गांव अस्वच्छ हो गए है। उन्होंने कहा कि सूखे और गीले कचरे का संग्रह बंद होने के कारण निवासी अब अपने घरों के सामने कचरा फेंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइड नालियों की नियमित रूप से सफाई नहीं की जा रही है। जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मल्लेश जो पहले मंथनी मंडल में नागरम के सरपंच के रूप में कार्य कर चुके हैं ने कहा कि गांव ने 2022 में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार और 2023 में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार जीता है। हालांकि राजनीतिक साजिशों के कारण गांवों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

कोत्तागुडेम विट्ठल नगर में देवी के मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन

विविधता में एकता मेरा दर्शन है : एमडी पाशा

वनायक मंडपम के निर्माण के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन

खम्मम/ आसिफाबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोत्तागुडेम निगम के रामावरम विट्ठल नगर क्षेत्र में मंदिर निर्माण के लिए मुस्लिम समुदाय से एमडी पाशा भाई द्वारा आश्वासन दिया गया। जिसकी चारो ओर प्रशंसा हो रही है। स्थानीय लोगों की इच्छा के अनुसार विट्ठल नगर में देवी के मंदिर निर्माण के लिए रविवार को भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पाशा भाई ने कहा, पिछले दस वर्षों से मैं रामवरम विट्ठल नगर के लोगों के बीच रह रहा हूँ और जाति-धर्म से ऊपर उठकर सेवाएं दे रहा हूं। कोरोना जैसे संकटकाल में भी मैंने यथासंभव सभी की मदद की है। अब मुझ पर भरोसा करने वाले लोगों की इच्छा के अनुसार मैं देवी के मंदिर और विनायक मंडपम के निर्माण के लिए पूरा सहयोग दूंगा। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता के सिद्धांत पर विश्वास करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य धर्मों से परे समाज के कल्याण के लिए काम करना है। उक्त कार्यक्रम में श्री सिद्धि विनायक समिति के सदस्य, गरुड़ युवा सदस्य सिद्धू, अक्षय, ईश्वर, आज्जा और अन्य ने भाग लिया। साथ ही, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एमडी पाशा भाई ने इस पुण्य कार्य में भाग लेने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दोहराया कि वे मंदिर का निर्माण पूरा होने तक उपलब्ध रहेंगे।

आखिरकार संयुक्त जिले को मिला मंत्री पद, चेन्नूर विधायक विवेक वेंकटस्वामी बने मंत्री

मंचेरियाल, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर से जीतने वालों को मिल रहा है मंत्री पद। इससे पहले बोडा जनार्दन और गद्दाम विनोद मंत्री रह चुके हैं।

अब विवेक वेंकटस्वामी को भी कैबिनेट में जगह मिली है। इसके साथ ही चेन्नू को तीसरी बार मंत्री पद दिया गया।

कांग्रेस को सत्ता आए डेढ साल से ज्यादा हो गया है आज मंत्री पद के लिए चल रही खींचतान खत्म हो गई।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता वेंकटस्वामी के पुत्र विवेक वेंकटस्वामी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पेद्दापल्ली के सांसद के रूप में की थी।

उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा में काम किया और फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने चेन्नूर से विधायक के रूप में जीत हासिल की और अंत में मंत्री पद हासिल किया।

सरकारी और निजी दफ्तरों में भ्रष्टाचार का बोलबाला

मनचेरियल, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरकारी और निजी दफ्तरों में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। भले ही सरकार ने इस पर लगाम लगाने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) का गठन किया हो, लेकिन अधिकारियों का रवैया नहीं बदल रहा है। पिछले तीन वर्षों में संयुक्त आदिलाबाद जिले में कई मामले दर्ज किये जा चुके हैं जिसमें मंचेरियल की नायब तहसीलदार मंजुला और चेयरमैन उदय को गिरफ्तार किया जाना भी शामिल है।जिला स्तर से लेकर उच्च स्तर तक ऐसी स्थिति है कि बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो सकता। एसीबी अधिकारियों की व्यापक छापेमारी के बावजूद कुछ अधिकारी पैसे के लिए बाधाओं को रौंदकर सरकारी विभागों को बदनाम कर रहे हैं। राजनीतिक छाप वाला भ्रष्टाचार सरकारी दफ्तरों में राजनीतिक रसूख आम बात हो गई है। सत्ता में बैठे नेता अपने अनुकूल अधिकारियों को मनचाही पोस्टिंग दे रहे हैं। खास तौर पर पुलिस और राजस्व विभाग में अधिकारी अपने अनुकूल क्षेत्रों में पोस्टिंग के लिए लाखों रुपए देकर नेताओं के चक्कर काट रहे हैं। इस निवेश को पाने के लिए अधिकारी रिश्वतखोरी के रूप में अनियमितताएं कर रहे हैं। कुछ अधिकारी खुलेआम कह रहे हैं कि पैसे नहीं दोगे तो काम नहीं करेंगे। एसीबी आक्रामकता.. स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और एसीबी अधिकारियों के बारे में जानकारी तक आसान पहुंच के कारण रिश्वत मांगने वाले अधिकारी एसीबी की गिरफ्त में आसानी आ जाते हैं। लोग अब भ्रष्ट अधिकारियों की शिकायत करने के लिए एसीबी का रुख कर रहे हैं। एसीबी फोन-पे जैसे डिजिटल पेमेंट के जरिए रिश्वत लेने- रिश्वत मत दो.. जानकारी दो. अगर सरकारी अधिकारी रिश्वत मांगते हैं तो न दें.. एसीबी को इसकी सूचना दें। रिश्वत लेना और देना दोनों ही अपराध है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए हर नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। साथ ही उन अधिकारियों की जानकारी दें जिनके पास आय से अधिक संपत्ति है। बिना किसी डर के सीधे एसीबी अधिकारियों से शिकायत करें।

एसटी संपर्क अधिकारियों ने किया एसटीपीपी का दौरा

जयपुर, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसटी संपर्क अधिकारियों के एक दल ने जयपुर एसटीपीपी का दौरा किया। एसटी के मुख्य संपर्क अधिकारी और जीएम इलांडू कृष्णैया का एसटीपीपी के कार्यकारी निदेशक चिरंजीवी और जीएम श्रीनिवास ने स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने प्रशासनिक भवन कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लिया। उन्होंने अधिकारियों को एसटीपीपी में की जा रही भर्तियों में पदोन्नति नीति में आरक्षण के नियम (आरओआर) को लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसटीपीपी में एसटी कर्मचारियों की स्थिति के बारे जानकारी ली। इस अवसर पर एसटी कर्मचारी अध्यक्ष पंतुला, एसटीपीपी संपर्क अधिकारी देवेंद्र, उप महाप्रबंधक कार्मिक अजमीरा तुकाराम, मोहन, चंद्रमणिआदि मौजूद रहे।

स्थानांतरण पर जाने वाले अधिकारियों को विदाई

एसटीपीपी में डीजीएम (कार्मिक) के पद पर कार्यरत अजमीरा तुकाराम को अधिकारियों ने भव्य विदाई दी। इस अवसर पर एसटीपीपी के कार्यकारी निदेशक चिरंजीवी, जीएम श्रीनिवासुलु ने शॉल और माला पहनाकर उनका सम्मान किया। उन्होंने एसटीपीपी के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। कार्यक्रम में एसटीपीपी के अधिकारी जनरल सिंह, समुद्राला श्रीनिवास, मुरलीधर, मोहन सिंह और अन्य शामिल हुए।

बंद वल्लकोंडा स्कूल खोला जाए : शांतिकुमारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

टीएसयूटीएफ अभियान के तहत टीएसयूटीएफ जिला अध्यक्ष वी. शांतिकुमारी ने जब कागजनगर मंडल के वल्लकोंडा दौरा किया तो ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पिछले शैक्षणिक वर्ष से मंडल परिषद स्कूल बंद होने के कारण लगभग 10 बच्चों को दूसरे स्कूलों में भेजा जा रहा है। चूंकि ये स्कूल दूर है, इसलिए उन्हें ऑटो से भेजने में बहुत खर्च आता है। अगर गांव का स्कूल खुल जाता है, तो हम अपने बच्चों को इस स्कूल में भेजेंगे।

इस पर टीएसयूटीएफ जिला अध्यक्ष वी. शांतिकुमारी ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए हुए कहा कि हम अपने संघ के तत्वावधान में आपके गांव में बंद स्कूल को खोलने के लिए संबंधित अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करेंगे और स्कूल को खुलवाएंगे। आपसे अनुरोध है कि आप अपने बच्चों को दूसरे स्कूलों में भेजने के बजाय अपने गांव के स्कूल में भेजें।

यह मामला तत्काल संकुल प्राचार्य चिलुकुरी सत्यनारायण के ध्यान में लाया गया, जिन्होंने उन्हें बताया कि विद्यालय खोलने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में जिला सचिव एम. राजकमलाकर रेड्डी, मंडल नेता सुरेश, ग्रामीण और छात्र शामिल हुए।

सीपीआई मंडल महासभा का पोस्टर विमोचित

मंचेरियाल, 8 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीपीआई पार्टी के राज्य समिति सदस्य रेगुंटा चंद्रशेखर ने बुधवार, दि. 18 जून को चेन्नूर में आयोजित होने वाले चेन्नूर मंडल महासभा को सफल बनाने का पार्टी कैडरों से अनुरोध किया है। इस उद्देश्य से रविवार को चेन्नूर में मंडल महासभा का पोस्टर जारी किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहजा कि पार्टी के 100वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर महासभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सदी के दौरान सीपीआई ने सार्वजनिक मुद्दों पर अथक संघर्ष करके कई सफलताएँ हासिल की है। कार्यक्रम में सीपीआई निर्वाचन क्षेत्र सचिव मिट्टापल्ली, पॉल मंडल सचिव नेन्नाला सम्मैया, नेता चंदू, शंकर और तिरुपति ने भाग लिया।

मदनूर मंडल में रविवार शाम अचानक तेज हवाओं के कारण सड़कों पर पेड़ गिर गए और बिजली आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हुई। विजयकोंडा पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए विशेष कदम उठाए। रविवार शाम को बारिश कम और तेज हवाएं और गरज के साथ बिजली गिरने से लोगों में दहशत फैल गई। दूसरी ओर, बिजली आपूर्ति में भी बाधा उत्पन्न हुई। स्थानिक पुलिलसकर्मियों ने वृक्षों को हटाकर सड़क साफ किया।

सरकारी सचेतक बीरला एलय्या ने गिरि प्रदक्षिणा में भाग लिया

यदाद्री, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की पहाड़ी के आसपास सरकार के सचेतक अलेरू विधायक बीरला एलय्या और उनकी पत्नी अनीता ने गिरि प्रदक्षिणा में भाग लिया।

श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के जन्म नक्षत्र के अवसर पर उन्होंने रविवार की सुबह यदागिरिगुट्टा में गिरि प्रदक्षिणा में भाग लिया। तत्पश्चात उन्होंने भगवान के दर्शन किए और विशेष पूजा की। इस अवसर पर, मंदिर के पुजारियों ने पूर्णकुंभ की थाली के साथ उनका स्वागत किया। दर्शन के बाद, पुजारियों ने वैदिक आशीर्वाद दिया। मंदिर के अधिकारियों ने भगवान का प्रसाद वितरित किया। इस गिरि प्रदक्षिणा में हजारों लोगों ने भाग लिया।

शुभ लाभ

तेलंगाना मंत्रिमंडल का विस्तार

विवेक, लक्ष्मण और श्रीहरि ने मंत्री पद की शपथ ली

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पदभार ग्रहण करने के बाद पहले मंत्रिमंडल विस्तार में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार, दि. 8 जून को जी. विवेक वेंकट स्वामी, अदलुरी लक्ष्मण कुमार और वक्ति श्रीहरि सहित तीन कांग्रेस विधायकों को अपने मंत्रिपरिषद में शामिल किया।राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिसमें रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी, पार्टी विधायक और अन्य नेता शामिल हुए।इस नए मंत्री के शामिल होने से तेलंगाना मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 15 हो गई है, जबकि पूर्ण स्वीकृत संख्या 18 है। यह कदम कई सप्ताह की अटकलों के बाद उठाया गया है और कैबिनेट तथा पार्टी नियुक्तियों के संबंध में रेवंत रेड्डी, राज्य कांग्रेस प्रमुख बी महेश कुमार गौड़ और दिल्ली में एआईसीसी नेतृत्व के बीच विचार-विमर्श के बाद उठाया गया है।नये मंत्री सत्तारूढ़ कांग्रेस के सामाजिक न्याय-संचालित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। विवेक और लक्ष्मण कुमार क्रमशः अनुसूचित जाति (एससी) (माला) और एससी (मडिगा) समुदायों से आते हैं, जबकि श्रीहरि पिछड़े वर्ग की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके अलावा, अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले रामचंदर नाइक को विधानसभा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, एक ऐसा कदम जिसे रेवंत रेड्डी ने एक्स पर बधाई पोस्ट के साथ स्वीकार किया।कांग्रेस के दिग्गज नेता जी वेंकटस्वामी के बेटे विवेक वेंकट स्वामी एक अनुभवी राजनीतिज्ञ और पूर्व सांसद हैं। हालाँकि उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस से शुरू की थी, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी में लौटने से पहले उन्होंने बीआरएस और भाजपा के साथ कुछ समय बिताया। उन्होंने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। उनका परिवार राजनीतिक रूप से सक्रिय है, उनके भाई जी विनोद विधायक हैं और उनके बेटे वामसी कृष्णा वर्तमान में लोकसभा सीट पर हैं।इस बीच, मंत्रिमंडल विस्तार में नजरअंदाज किए गए मंत्री पद के दावेदारों को मनाने की कोशिशें जारी हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कांग्रेस विधायक पी सुदर्शन रेड्डी और प्रेम सागर के आवासों का दौरा किया ।

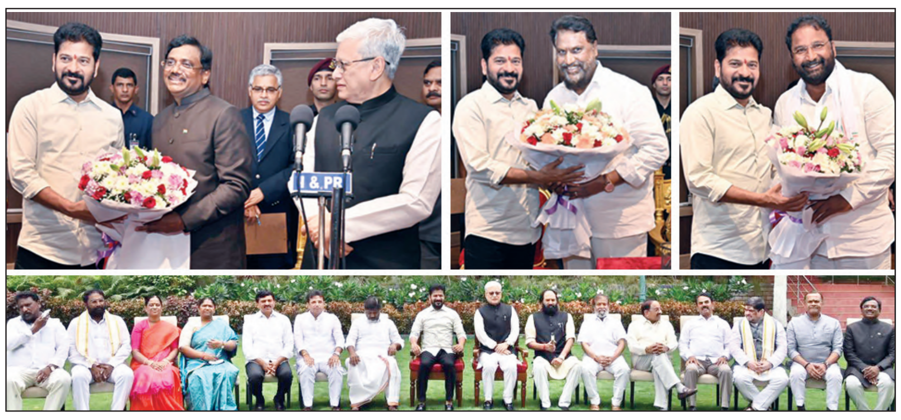

हैदराबाद में अस्थमा रोगियों को वितरित किया गया मछली प्रसादम

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रसिद्ध 'मछली प्रसादम', जिसे कई लोग अस्थमा का इलाज मानते हैं, रविवार को यहां शहर स्थित बथिनी परिवार द्वारा वितरित किया गया। तेलंगाना के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और एमएलसी बी महेश कुमार गौड़ और अन्य नेताओं ने आज सुबह यहां प्रदर्शनी मैदान में कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

शहर के बथिनी परिवार द्वारा एक शताब्दी से अधिक समय से प्रतिवर्ष 'मृगशिरा कार्थी' के दिन 'मछली प्रसादम' (हर्बल पेस्ट से भरी हुई मुर्रेल मछली) वितरित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि 'मछली प्रसादम' का सूत्र एक पवित्र व्यक्ति द्वारा परिवार के बुजुर्ग को दिया गया था। हर साल हजारों लोग 'प्रसाद' प्राप्त करने के लिए शहर में आते हैं।सुचारू संचालन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, मछली प्रसादम के वितरण के लिए 42 कतार लाइन काउंटर स्थापित किए गए हैं। पूरे आयोजन स्थल पर 1,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

सीसीटीवी निगरानी सहित विशेष कमांड-एंड-कंट्रोल व्यवस्था , भीड़ की आवाजाही और कतार प्रबंधन पर सक्रिय रूप से नज़र रख रही है।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा: मेरा परिवार कई सालों से मछली की दवा ले रहा है। यह एक प्राकृतिक उपचार है और इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बाथिनी परिवार लगभग दो शताब्दियों से यह जीवन रक्षक दवा दे रहा है।

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट से खुलासा

11 साल में 27 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर

11 साल में गरीबों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अत्यधिक गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत में 11 साल में 269 मिलियन (करीब 27 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं।विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 तक घटकर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। इसका मतलब है कि इस दौरान करीब 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है।उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश- इन पांच राज्यों में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब रहते थे। अब इन्हीं पांच राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी उन्मूलन में दो-तिहाई से अधिक योगदान दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक विश्व बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों पर) के आधार पर की है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। वहीं, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की पिछली गरीबी रेखा (2017 की कीमतों पर) के आधार पर देखा जाए तो भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला।

तेलंगाना मेडिगड्डा बैराज में डूबे छह लोगों के शव बरामद हुए

जयशंकर भूपालपल्ली, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जयशंकर भूपालपल्ली जिले में महादेवपुर मंडल के मेदिगड्डा बैराज में लापता हुए छह युवकों के शव रविवार को बरामद कर लिये गये।

पुलिस ने बताया कि युवक शनिवार शाम को लापता हुए थे। शवों की पहचान रक्षित (13), शिव मनोज (15), सागर (16), रामचरण (17, मधुसूदन (18) और राहुल (19) के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए महादेवपुर के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित दो दिन पहले महादेवपुर मंडल के अंबटपल्ली में एक शादी में शामिल होने आए थे। कल लगभग 17.30 बजे वे नहाने के लिए मेदिगड्डा बैराज गए थे। पुलिस ने बताया कि मधुसूदन सबसे पहले बैराज में उतरा और डूबने लगा। उसके भाई शिव मनोज ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी डूब गया। दुखद घटनाओं की श्रृंखला में चार अन्य लोग मदद के लिए कूद पड़े और वे भी डूब गये। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और रविवार को अपराह्न में गोताखोरों की मदद से सभी छह शव बरामद कर लिये गये।

बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ नहीं रहे

हैदराबाद, 08 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक मगंती गोपीनाथ का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उन्होंने गच्चीबावली स्थित एआईजी अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उन्हें 5 जून को दिल का दौरा पड़ने के बाद भर्ती कराया गया था।उनकी हालत गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। अस्पताल के बुलेटिन के अनुसार, सुबह करीब 5.45 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

गोपीनाथ साल 2014 से जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, कुछ महीने पहले सर्जरी के बाद किडनी से संबंधित बीमारी से भी पीड़ित थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और तीन बच्चे हैं।

2023 में बीआरएस के टिकट पर दोबारा विधायक चुने गए गोपीनाथ पार्टी की हैदराबाद इकाई के अध्यक्ष भी थे।

वह 2014 में पहली बार तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के टिकट पर विधानसभा के लिए चुने गए थे लेकिन बाद में बीआरएस में चले गए। वह 2018 और 2023 में बीआरएस के टिकट पर फिर से चुने गए।

2023 के चुनाव में उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद अजहरुद्दीन को हराकर जीत की हैट्रिक बनाई।

2 जून 1963 को जन्मे गोपीनाथ ने उस्मानिया विश्वविद्यालय से बीए की डिग्री हासिल की। वे 1985 से 1992 तक टीडीपी की युवा शाखा तेलुगू युवाथा के अध्यक्ष रहे।

तेलंगाना के राज्यपाल विष्णु देव वर्मा ने भारत राष्ट्र समिति(बीआरएस)के विधायक मगंती गोपीनाथ के आक्समिक निधन पर रविवार को दुख व्यक्त किया।

श्री वर्मा ने अपने शोक संदेश में श्री गोपीनाथ को एक समर्पित लोक सेवक एवं मिलनसार नेता बताया और कहा कि उनका अचानक निधन राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स के विधायक मगंती गोपीनाथ के असामयिक निधन पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सपर पोस्ट किए गए एक संदेश में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हैदराबाद के जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मगंती गोपीनाथ के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है।तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष ने कहा कि गोपीनाथ के निधन की खबर सुनकर उन्हें गहरा सदमा लगा। उन्होंने याद किया कि गोपीनाथ ने टीडीपी से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी और कई पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया।

उन्होंने कहा, मैं गोपीनाथ के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले।

विपक्ष के नेता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार और कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा और अन्य दलों के नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने पार्टी विधायक के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने के लिए एआईजी अस्पताल का दौरा किया।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि मगंती गोपीनाथ का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे तेलंगाना के गठन के बाद से जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चुने गए थे और लोगों की आवाज थे। ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी गोपीनाथ के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, तीन बार विधायक बनकर जनता की सेवा करने वाले मगंती गोपीनाथ का निधन जनता के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं और उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.